શુભ લાભ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुथप्पा राय के बेटे रिक्की राय पर फायरिंग की हो रही जांच: गृह मंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 20 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-108

अनुच्छेद 142 की सुविधाजनक व्याख्या कर धौंस दिखा रहा सुप्रीम कोर्ट

स्तर लोकसभा अध्यक्ष बराबर, हेंकड़ी राष्ट्रपति से ऊपर!

संवैधानिक दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश लोकसभा अध्यक्ष के समतुल्य होता है। फिर वह राष्ट्रपति के शीर्ष आसन पर रौब कैसे गांठ सकता है? भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तीखी प्रतिक्रिया आने के बाद यह संवैधानिक सवाल सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खड़ा हो गया है। तमिलनाडु के प्रसंग में फैसला सुनाते हुए अति उत्साह में आए सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों जेबी पारदीवाला और आर महादेवन ने राष्ट्रपति को अपने आदेश में समेटा और उन्हें भी निर्देश दे डाला। दोनों न्यायाधीश अपना फैसला सुनाते समय यह भूल गए कि वे संवैधानिक वरिष्ठता के क्रम में कहीं नहीं आते। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी लोकसभा अध्यक्ष के बराबर ही आते हैं। अब प्रश्न सामने है कि न्यायाधीश के आसन की मर्यादा का पालन नहीं करने और सर्वोच्च संवैधानिक आसन पर उंगली उठाने का अपराध करने के मामले में दोनों न्यायाधीशों के खिलाफ क्या कार्रवाई हो? ताकि देश के आम लोगों के मन से कानून के पालन का विरोधाभास दूर हो। दूसरा सवाल यह भी खड़ा हो गया है कि जो कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो, उसकी सुनवाई करने की न्यायिक सक्रियता (ज्यूडिशियल एक्टिविज्म) के सार्वजनिक फूहड़ प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? और इस अपराध की क्या सजा तय हो? सुप्रीम कोर्ट जिस तरह पिछले कुछ वर्षों से संविदान के अनुच्छेद 142 की अपनी सुविधाजनक व्याख्या के बल पर अतिरंजित रौब गांठ रहा था, उपराष्ट्रपति ने उसकी असलियत पूरे देश के समक्ष ला दी है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा है कि संविधान का अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। राष्ट्रपति के शीर्ष आसन तक को निर्देश देने की धृष्टता की जा रही है। देश कहां जा रहा है? देश में यह क्या हो रहा है? हमने लोकतंत्र के लिए इस दिन की कभी उम्मीद नहीं की थी। हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, कार्यकारी कार्य करेंगे, सुपर-संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है?

वरीयता क्रम में छठे नंबर पर आते हैं मुख्य न्यायाधीश

फिर दूसरे दो जजों ने राष्ट्रपति को कैसे दे दिया आदेश

संविधान के अनुच्छेद 142 में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और डिक्री देने के अधिकार और उसे लागू करने आदि से संबंधित है। अनुच्छेद 142 का उपबंध-1 सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि उसके पास आए किसी भी मामले में वह न्याय के लिए डिक्री या आदेश पारित कर सकेगा। इसके उपबंध-2 में कहा गया है कि इस संबंध में संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून के अधीन रहते हुए सुप्रीम कोर्ट पूरे भारत के किसी भी क्षेत्र के किसी व्यक्ति को हाजिर होने, दस्तावेज प्रस्तुत करने, अवमानना की जांच करने या दंड देने का समस्त अधिकार उसके पास होगा। इस तरह अनुच्छेद 142 में स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट को संसद द्वारा पारित कानून के दायरे में ही काम करना है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते, जहां सुप्रीम कोर्ट भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दे। वह भी किसी संवैधानिक आधार और अधिकार के बगैर? संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट के पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। अनुच्छेद 145 (3) के अनुसार किसी महत्वपूर्ण संवैधानिक मुद्दे पर ▶10पर

राष्ट्रपति के शीर्ष आसन की अवमानना की सजा तय हो

संसद के दोनों सदनों से पास बिल की सुनवाई भी गलत

हिंद महासागर क्षेत्र में स्थापित हो रहा भारत का वर्चस्व

श्रीलंका ने रद्द किया पाकिस्तान के साथ नौसैनिक अभ्यास

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का वर्चस्व स्थापित हो रहा है। भारत के कहने पर श्रीलंका ने पाकिस्तान के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में होने वाला नौसैनिक अभ्यास रद्द कर दिया है। यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत के असरकारक प्रभाव की स्थापना है। इसे चीन को तगड़ा झटका देने वाला फैसला भी माना जा रहा है। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच नौसैनिक अभ्यास श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट पर किया जाना था। भारत ने पाकिस्तानी नौसेना के चीन की पीएलए नौसेना के साथ घनिष्ठ सहयोग और त्रिंकोमाली में पाकिस्तानी युद्धपोतों की यात्रा को लेकर श्रीलंका के समक्ष चिंता साझा की थी। त्रिंकोमाली श्रीलंका के उत्तर पूर्वी तट पर स्थित है और इसे भारत के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा के दौरान भारत की वित्तीय सहायता से तैयार हुई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी की इस यात्रा से पहले श्रीलंका और पाकिस्तान की नौसेनाओं ने अपनी नियमित

गतिविधियों के अनुरूप त्रिंकोमाली के तट पर अभ्यास करने की योजना बनाई थी। इसकी जानकारी मिलने पर भारत ने प्रस्तावित अभ्यास पर श्रीलंका के सामने अपनी आपत्ति रखी थी। भारत का कहना था कि पाकिस्तान और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और दोनों देशों के युद्धपोत युद्धाभ्यास के अलावा नियमित रूप से एक-दूसरे के बंदरगाहों पर जाते हैं।

भारत ने इस बात पर भी चिंता जताई थी कि अगस्त 2022 में हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज युआन वांग की डॉकिंग ने श्रीलंका के साथ कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया था। इसके बाद अगस्त 2023 में कोलंबो बंदरगाह पर डॉक किए गए एक अन्य चीनी युद्धपोत ने भी नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा की थीं। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों में भारत त्रिंकोमाली के ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को विकसित करने में श्रीलंका को सहायता देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। श्रीलंका और पाकिस्तान के प्रस्तावित नौसैनिक अभ्यास के रद्द होने के बारे में श्रीलंका या पाकिस्तान ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन श्रीलंका के सामने भारत की ओर से चिंता जताए जाने के बाद यह नौसैनिक अभ्यास रद्द कर दिया गया है।

श्रीलंका की तरह नेपाल को भी कर्ज-जाल में फंसा रहा चीन

सैन्य विशेषज्ञों ने भारत के लिए त्रिंकोमाली के रणनीतिक महत्व को समझाते हुए कहा कि इसमें बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर हिंद महासागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दबदबा बनाने की क्षमता है, इसलिए भारत ने प्रस्तावित अभ्यास पर चिंता व्यक्त करके सही किया है। भारत विशेष रूप से त्रिंकोमाली में तेल टैंक फार्मों को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहा है, जो दुनिया के बेहतरीन प्राकृतिक बंदरगाहों में से एक है। इसी महीने मोदी की कोलंबो यात्रा के दौरान भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्रके रूप में विकसित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी समझौते को अंतिम रूप दिया है, जिसका व्यापक उद्देश्य इसके आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करना है।

चीन ने जिस तरह श्रीलंका को अपने कर्ज-जाल में फंसा कर उसे तबाह करने की कोशिश की, उसी तरह वह नेपाल को भी अपने आगे घुटने टेकने पर विवश कर रहा है। भारत के पड़ोसी हिमालयी देशों के कम्युनिस्ट नेताओं के कंधे पर सवार होकर चीन काठमांडू को अपने कर्ज के शिकंजे में जकड़ने और अनेक ▶10पर

क्राउन प्रिंस के आमंत्रण पर सऊदी अरब जाएंगे पीएम मोदी

सऊदी अरब से और पुख्ता होगी रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 और 23 अप्रैल को सऊदी अरब जाएंगे। जेद्दा में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से होगी और कई द्विपक्षीय मुद्दों और रणनीतिक साझेदारी पर विमर्श होगा। इस मुलाकात में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की स्थिति और कई अहम समझौतों पर बातचीत होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी की सऊदी अरब की यात्रा क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हो रही है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार को विदेश मंत्रालय की एक विशेष प्रेस वार्ता में इस यात्रा की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत और सऊदी अरब के संबंधों के लिए बहुत अहम है। मिस्री ने कहा, सऊदी अरब इस्लामी दुनिया में एक प्रमुख आवाज है और वह अब क्षेत्रीय मामलों में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा, प्रधानमंत्री मोदी और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच अच्छे और गर्मजोशी भरे संबंध हैं। इनकी आपसी समझ और उच्च स्तर की रणनीतिक सोच से दोनों देशों के संबंध और मजबूत

हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सऊदी अरब के जेद्दा शहर में होगी। इस दौरान प्रधानमंत्री की क्राउन प्रिंस से मुलाकात होगी। साथ ही, औपचारिक स्वागत समारोह और द्विपक्षीय वार्ता होगी। यात्रा के दौरान दोनों नेता भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

मिस्री ने बताया कि इस परिषद के दो मुख्य स्तंभ राजनीतिक और आर्थिक हैं, जिन्हें दोनों देशों के मंत्री संभालते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की तीसरे कार्यकाल में सऊदी अरब की पहली यात्रा होगी। इससे पहले वह 2016 और 2019 में वहां की यात्रा कर चुके हैं। यह यात्रा तब हो रही है, जब क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत का दौरा किया था। उसी समय रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक हुई थी। उन्होंने कहा, इस दौरे में दोनों देशों के बीच कई समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। समझौते अंतिम मंजूरी के चरण में हैं और यात्रा के दौरान पूरी जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने बताया कि करीब 27 लाख भारतीय सऊदी अरब में रहते और काम करते हैं। यह भारतीय प्रवासियों का दूसरा सबसे बड़ा समूह है। भारत और सऊदी अरब के बीच 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। 2010 में दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर बढ़ाया गया। तबसे दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय दौरे होते रहे हैं। साल 2024 की शुरुआत से अब तक भारत के 11 मंत्री सऊदी अरब दौरे पर जा चुके हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री और खनिज मंत्री ने भी नवंबर 2024 और फरवरी 2025 में भारत का दौरा किया।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर कहा, यह चर्चा का एक अहम क्षेत्र होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले ही भारत का रुख स्पष्ट किया है कि इस मसले का हल बातचीत से निकलना चाहिए। सभी पक्षों को एक मेज पर बैठकर इसका समाधान ढूंढना चाहिए। हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि ऐसा कुछ हो रहा है। यह अच्छा है कि सऊदी अरब जैसा साझेदार फिर से इसमें शामिल है। ▶10पर

कई द्विपक्षीय महत्वपूर्ण समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार जारी, भारत ने हड़काया

हिंदू नेता भावेशचंद्र राय को अगवा कर मार डाला

ढाका, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बासुदेवपुर गांव में गुरुवार 17 अप्रैल को हिंदू समुदाय के नेता भावेशचंद्र रॉय का अपहरण कर उनकी नृशंस हत्या कर दी गई। 58 साल के भावेशचंद्र राय का अपहरण उनके घर से किया गया था। उसके बाद उनका लहूलुहान शव बरामद हुआ।

इस घटना भारत के विदेश मंत्रालय ने युनुस सरकार को जमकर लताड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भावेशचंद्र रॉय के अपहरण और नृशंस हत्या की खबर ने हमें बेहद व्यथित किया है। यह घटना एक बड़े और चिंताजनक पैटर्न का हिस्सा है, जहां अंतरिम सरकार मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिंदू अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पहले की ऐसी घटनाओं के अपराधी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। ▶10पर

अब रॉबर्ड वाड्रा पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ तीन चार्जशीट तैयार

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद, सांसद राहुल गांधी के बहनोई और सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के घोटालों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट बन कर तैयार है। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी तीनों चार्जशीट दाखिल होते ही रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोप तय करने का रास्ता साफ हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी एवं अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। अब बारी रॉबर्ट वाड्रा की है। रॉबर्ट से लगातार 3 दिन तक कुल 16 घंटे की पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार की। रॉबर्ड वाड्रा पर दो मामले भगोड़े हथियार कारोबारी

संजय भंडारी के साथ उनके संबंधों से जुड़े हुए हैं। उसने रक्षा समझौतों के जरिए लंदन में अकूत सम्पत्ति जमा की। बीकानेर में एक जमीन के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप भी इन दोनों पर हैं। सोनिया-राहुल के खिलाफ ईडी की तरफ दाखिल चार्जशीट में आरोप है कि उन्होंने यंग इंडिया लिमिटेड के जरिए एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड की 5000 करोड़ रुपए की सम्पत्ति हड़प ली। यंग इंडिया लिमिटेड में 76 प्रतिशत शेयर सोनिया-राहुल के हैं, मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के निधन के बाद बाकी के 24 प्रतिशत शेयरों के मालिक भी यही लोग हो गए। नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड को कांग्रेस पार्टी ने 90 लाख का ऋण दिया था। एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड ने 50 लाख रुपए देकर उसकी सारी सम्पत्तियों पर कब्ज़ा कर लिया।

रॉबर्ट वाड्रा पर गुरुग्राम में 7.5 करोड़ रुपए की जमीन खरीद कर 58 करोड़ रुपए में बेचने के आरोप हैं। ▶10पर

बेशुमार जमीनें खरीदीं हथियारों के दलाल के साथ की काली कमाई

सुप्रीम कोर्ट सृजित अराजकता का एक और उदाहरण

स्टालिन ने अब भारत के संघीय ढांचे को चुनौती दी

चेन्नई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सृजित अराजकता के लगातार कई उदाहरण तमिलनाडु में सामने आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की शह पर तमिलनाडु में राज्यपाल का अनुमोदन लिए बगैर 10 विधेयक पारित कर दिए गए। अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भारत के संघीय ढांचे को ही चुनौती दे दी है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु का चरित्र बहुत अनूठा है और वह कभी भी दिल्ली के अधीन नहीं होगा। डीएमके सरकार के मुखिया स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु की भूमि स्वाभिमान और वीरता की भूमि है। इसने कभी वर्चस्व की अनुमति नहीं दी है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु दिल्ली के कंट्रोल से बाहर है। स्टालिन ने कहा, हम गुलाम नहीं हैं जो धमकी के आगे झुक जाएंगे। सिर्फ अमित शाह ही नहीं, कोई भी शाह हम पर शासन नहीं कर सकता। यह तमिलनाडु है। ▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

महिलाओं के लिए बॉलिंग कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा अमीबा मंत्री माल मल्लेश्वरम में स्पोर्ट्स हेतु बॉलिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरुस्त रखना तथा आपसी सामंजस्य स्थापित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के साथ किया गया। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए आत्मविश्वास और उत्साह जागृत किया।

उन्होंने कहा हर महिला के भीतर एक विजेता छुपा है, बस जरूरत है उसे पहचानने और उसे मंच देने की। उनके सकारात्मक और ऊर्जावान शब्दों ने माहौल को जीवंत कर दिया और सभी को पूरे जोश के साथ सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया।

महामंत्री निधि पालरेचा ने शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम संयोजिका संगीता पारख ने सभी प्रतिभागियों को टाइम स्लॉट के आधार पर दो भागों में विभाजित करते हुए, बॉलिंग कार्यक्रम की रूप रेखा निर्धारित करने में सहयोग प्रदान किया। सह संयोजिका साक्षी जैन ने सभी प्रतिभागियों को बॉलिंग कार्यक्रम के नियमो की जानकारी देते हुए, कार्यक्रम की कार्यप्रणाली को निर्धारित करने में सहयोग प्रदान किया। प्रातः 10 बजे से 11:30 तक छह लाइन में सात एवं 11:30 से 1 बजे तक छह लाइन में सात, तत्पश्चात कमेटी सदस्यों ने बॉलिंग खेल को खेला। मनोरंजक एवं संगीतमय माहौल में सभी सदस्यों ने आनंद की अनुभूति प्राप्त की। दोनों बैच से प्रथम व द्वितीय बैच में प्रथम स्थान पर पिंकी सेठिया व कोमल जैन, द्वितीय स्थान पर त्रिशला कोठारी व समता श्रीश्रीमाल, तृतीय स्थान पर सुषमा जैन व चित्रा मेहता रही। सभी विजेताओं को ट्रॉफी व मेडल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जीतो महिला विंग की पूर्व चेयरपर्सन पिंकी जैन व बिंदु रायसोनी तथा वर्तमान सहसचिव चंद्रा जैन, मैनेजिंग कमेटी सदस्य अंगिका बाफना, अस्मिता चौहान, हेमा सोलंकी, संगीता सियाल व वनिता बचावत उपस्थित थी।

सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद लोगों की मदद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अग्रवाल समाज कर्नाटक की शाखा अग्रवाल युवा संघ द्वारा जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत मदद की गई। इस कार्यक्रम के तहत लोगों से पुराने कपड़े, किताबें, घरेलू बर्तन, कंप्यूटर और अन्य सामान एकत्र कर उन्हें जरूरतमंद लोगों में वितरित किया गया।

शुक्रवार को अग्रवाल युवा ने सुमनहल्ली स्थित देवराज अर्श कॉलोनी में जरूरतमंद परिवारों को 400 खाद्य पैकेट और पुराने अच्छे पड़े वितरित किए। साथ ही टैली, कंप्यूटर, कौशल सीखने वाली छात्रा को एक लैपटॉप भी दिया गया, जिससे उस छात्रा को वास्तव पढ़ाई के लिए इसकी आवश्यकता थी।

सेवा संकल्प के सेवा में रोहित केडिया, विनोद गर्ग, अंकित गोयल, आकाश अग्रवाल, कमल बंसल, विनायक बजाज, प्रीतेश गर्ग, कौशल तुलस्यान, योगेश अग्रवाल, रूपेश केडिया सहित बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित थे।

युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया ने बताया कि जो सामान आपके घरों में काम नहीं आता है वो आप अग्रवाल युवा संघ के किसी भी सदस्य से सम्पर्क कर सेवा संकल्प की सेवा के लिए प्रदान कर सकते हैं।

विधानसभा से विधायकों का निलंबन मामला

भाजपा स्पीकर के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू करने की बना रही योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा पार्टी ने निर्णय लिया है कि यदि विधानसभा अध्यक्ष ने हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम दिन कार्यवाही के दौरान दुर्व्यवहार के आरोप में विधायकों को छह महीने के लिए विधानसभा से निलंबित करने का आदेश वापस नहीं लिया तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाएगी।

इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने 12 विधायकों को निलंबित किया था। भाजपा ने इस पर सवाल उठाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 2021 के एक फैसले का हवाला देते हुए निलंबन आदेश को रद्द कर दिया। अब, राज्य के भाजपा विधायक भी उसी न्यायिक मार्ग की मांग कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अंतिम क्षण तक सदन के भीतर इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष से मिलकर निलंबन समाप्त करने का अनुरोध करने वाला था। हालाँकि, गुड फ्राइडे की छुट्टी के कारण बैठक सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा अपना अगला निर्णय सोमवार को होने वाली बैठक के नतीजे के बाद लेगी। एक भाजपा नेता ने कहा कि यद्यपि अदालत जाना एक विकल्प है, हम संयम बनाए रखना चाहते हैं क्योंकि हमारा उद्देश्य विधायिका और न्यायपालिका के बीच टकराव से बचना है। हालाँकि, अब जिम्मेदारी अध्यक्ष के पास है। यदि वे सोमवार तक निलंबन आदेश वापस नहीं लेते हैं, तो हमारे पास राज्य उच्च न्यायालय में अपील दायर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

अध्यक्ष यू.टी. खादर ने स्पीकर के आसन का अनादर करने को लेकर 18 भाजपा विधायकों को

6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश जारी किया था। मंत्री के.एन. राजन्ना के हनीट्रैप में फंसाने के मामले में भाजपा की चर्चा की कोशिश को लेकर सदन में हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग को लेकर धरना दिया। इस मौके पर भाजपा विधायकों ने स्पीकर की सीट के पास जाकर हंगामा किया। उन्होंने कागजात भी फाड़कर बेंच पर फेंक दिए। इसके बाद सदन स्थगित कर दिया गया। इसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री ने अध्यक्ष के कार्यालय में बैठक की।

बैठक में निलंबन का निर्णय लिया गया। भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होने पर अध्यक्ष ने यह मुद्दा उठाया तथा कहा पीठ के प्रति किसी भी प्रकार का अनादर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में आदेश जारी किया गया कि 18 विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित किया जाएगा। निलंबित विधायकों को विधानसभा मार्शलों द्वारा बाहर ले जाया गया। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने विधानसभा अध्यक्ष यूटी को एक पत्र लिखा था। खादर को पत्र लिखकर उनसे कर्नाटक विधानसभा के 18 सदस्यों को निलंबित करने के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों को लोकतंत्र का सर्वोच्च स्थान, लोकतंत्र का मंदिर कहना गलत नहीं है। इन मंदिरों में पीठासीन अधिकारियों का पद समान रूप से सम्मानित है। इस मामले पर मेरी कोई असहमति नहीं है। 21 मार्च की घटना जानबूझकर नहीं की गई थी। न ही किसी विधायक का आपके बेंच का अनादर करने का कोई इरादा था। हमने पिछले दो वर्षों में आपको सदन की कार्यवाही का बहुत करीब से संचालन करते हुए देखा है। इन दिनों जब संसदीय बहस की गुणवत्ता, भाषा का प्रयोग, कार्यवाही में नियमों का पालन आदि में दिन-प्रतिदिन गिरावट आ रही है, तो कोई भी समझ सकता है कि यह कितना कठिन है। उन्होंने कहा इसलिए हमारे मन में आपके प्रति अपार सम्मान है। निलंबन आदेश पर पुनर्विचार का अनुरोध करते हुए उक्त आदेश को वापस लिया जाए। मैं एक बार फिर पूरी ईमानदारी से यह कहना चाहूंगा कि हमारा विरोध आपके खिलाफ नहीं था। जैसा कि इस पत्र के आरंभ में बताया गया है, सदन बड़ा है। अशोक ने अनुरोध किया था कि निलंबन आदेश पर पुनर्विचार किया जाए, लोकतंत्र की मूल आकांक्षा के अनुरूप कि अध्यक्ष सबसे वरिष्ठ हैं और इस सिद्धांत में विश्वास करते हैं कि इस संस्था की गरिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए हम सभी को एक साथ आने की जरूरत है। इसलिए उक्त आदेश को वापस लिया जाए।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** विद्या विनायक युवक संघ कुरूबरहल्ली द्वारा अन्नमा देवी एवं महाकाली देवी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

वक्फ बिल के विरोध में प्रदर्शन से हाईवे जाम, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्र सरकार के प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक-2025 के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन मेंगलूरु में तनावपूर्ण हो गया, जब प्रदर्शनकारियों का एक समूह राष्ट्रीय राजमार्ग 73 पर चला गया, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया और पुलिस को तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी। 18 अप्रैल को कन्नूर के अड्यार स्थित शा गार्डन में आयोजित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व उलेमा समन्वय समिति कर्नाटक ने किया था। बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद के चलते पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए पूरे राज्य से कर्मियों को तैनात करते हुए व्यापक बंदोबस्त व्यवस्था की थी।

आयोजकों ने अधिकारियों के साथ समन्वय करने और अनुशासन बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों की व्यवस्था भी की थी। हालांकि, शाम करीब 4:30 बजे परेशानी तब शुरू हुई, जब प्रदर्शनकारियों का एक समूह कथित तौर पर राजमार्ग के किनारे और बीच में फैल गया, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। पुलिस द्वारा सड़क खाली करने की बार-बार अपील के बावजूद, भीड़ ने कथित तौर पर तितर-बितर होने से इनकार कर दिया, जिससे न केवल यातायात बल्कि आपातकालीन सेवाएं भी बाधित हुईं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों की हरकतों ने सरकारी कर्मचारियों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा उत्पन्न की और जनता के लिए गंभीर असुविधा पैदा की। ऑन-ग्राउंड अवलोकन और प्रारंभिक वीडियो फुटेज के आधार पर, अब तक तीन व्यक्तियों की पहचान आरोपी के रूप में की गई है। जिसमें कृष्णपुरा निवासी जलील, वलाचिल निवासी फजल और मोहम्मद हनीफ नौफल शामिल हैं। एक ऑन-ड्यूटी पुलिस अधिकारी की शिकायत के बाद, कंकनाडी टाउन पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि विरोध स्थल से और अधिक वीडियो साक्ष्यों का विश्लेषण करके इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने के दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मैसूरु में ब्राह्मणों ने जनेऊ घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, पुलिस को शिकायत दी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कृष्णराजा विधायक टी.एस. श्रीवत्स ने कर्नाटक के शिवमोग्गा और बीदर में कथित घटना की निंदा की, जिसमें सीईटी की परीक्षा दे रहे दो छात्रों को परीक्षा केंद्रों पर अपना जनेऊ उतारने को कहा गया। हालांकि कर्नाटक सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं और बताया है कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षाकर्मियों ने ऐसा किया, लेकिन भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए सड़कों पर उतर आई है। अग्रहारा सर्किल पर मैसूरु ब्राह्मण युवा वेदिके द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले श्रीवत्स ने कहा कि इस घटना से ब्राह्मण समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। प्रदर्शनकारियों ने वाणी विलास

रोड से पैदल मार्च किया और कृष्णराजा पुलिस को शिकायत दी। विधायक ने कहा कि 'जनेऊ' लड़कों को कम उम्र में 'ब्रह्मोपदेश' और 'उपनयन' के माध्यम से आध्यात्मिक शिक्षा में दीक्षा देने का संकेत देता है। उन्होंने कहा यह एक पोषित परंपरा है और देश के हर समुदाय को अपनी मान्यताओं और सांस्कृतिक प्रथाओं का पालन करने का अधिकार है। लेकिन दो लड़कों को 'पवित्र धागा' हटाने के लिए मजबूर करके जो उत्पीड़न किया गया, वह पूरे समुदाय और उसके रीति-रिवाजों का अपमान करने के बराबर है। मंच के लगभग 300 सदस्यों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और घटना की निंदा करते हुए नारे लगाए। श्रीवत्स ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने धमकी दी कि अगर सरकार जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहती है तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा, मैसूरु इकाई के डी.टी. प्रकाश, होयसला कर्नाटक संघ के के.आर. सत्यनारायण, मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन के पूर्व पार्षद एम.वी. रामप्रसाद, विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों में शामिल थे।

तेज हवाओं और बारिश के साथ बेमौसम बारिश ने आम की फसल को पहुंचाया नुकसान

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।
हाल ही में बेमौसम बारिश के साथ तेज हवाओं और ओलावृष्टि ने कर्नाटक के यादगीर जिले में, खास तौर पर वडगेरा तालुक में आम की फसल को नुकसान पहुंचाया। आम उत्पादकों को अच्छी पैदावार की उम्मीद थी और वे एक-दो दिन में आम तोड़ने वाले थे। लेकिन तेज हवाओं, ओलावृष्टि और बारिश के कारण आम पेड़ों से गिर गए। मल्लिकार्जुन रेड्डी बिलहर ने बताया हमने अच्छी पैदावार पाने के लिए हजारों रुपये खर्च किए। बेमौसम बारिश और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि ने हमारे सपने को तोड़ दिया। चांद पाशा कुरकुंडी ने कहा गिरे हुए आम खराब हो गए हैं। बाजार में उन्हें कम कीमत पर भी खरीदार नहीं मिलेंगे, क्योंकि ग्राहक ऐसे

गिरे हुए फल खरीदना नहीं चाहते। किसानों की किस्मत भी ऐसी ही है। जब भी वे अधिक मात्रा में अनाज या फल उगाते हैं, तो उन्हें या तो उम्मीद के मुताबिक कीमत नहीं मिलती या फिर प्राकृतिक आपदा के कारण फसल खराब होने का जोखिम रहता है। सरकार को बेमौसम बारिश के कारण आम की फसल को हुए नुकसान के लिए मुआवजे की घोषणा करनी चाहिए। अब तक हुए नुकसान पर राजस्व और बागवानी विभागों द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण किया गया है। वडगेरा के तहसीलदार को एक रिपोर्ट भेजी गई है। कार्यकर्ता निंगू जादी ने कहा किसानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए विभागों को उचित सर्वेक्षण करना चाहिए।

मुथप्पा राय के बेटे रिक्की राय पर फायरिंग की हो रही जांच: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि पता चला है कि मुथप्पा राय के बेटे रिक्की राय को गोली मार दी गई। उन्होंने अधिकारियों से इस बारे में अधिक जानकारी देने को कहा है। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि घायल व्यक्ति को मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वह खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कानून-व्यवस्था बिगड़ने के भाजपा के आरोप का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में सभी मामलों में कमी आई है। साइबर मामलों में कमी आई है। आप किस आधार पर कहते हैं कि कानून व्यवस्था ठीक नहीं है? उन्होंने चेतावनी दी कि

इस बारे में आरोप लगाने वालों को बोलने से पहले सावधानी से सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सभी ने चर्चा में भाग लिया। चर्चा जारी रहेगी और वे अपने विचार व्यक्त करेंगे। सरकार सभी की राय सुनने के बाद अंतिम निर्णय लेगी। यह किसी एक व्यक्ति का निर्णय नहीं है। इसका निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी मुख्यमंत्री का निर्णय नहीं होगा। हमने प्रत्येक पक्ष की आलोचनाओं पर ध्यान दिया है। सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का मूल उद्देश्य किसी समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना और सरकार को सूचित करना है। स्वाभाविक रूप से, उन्होंने सरकार को प्रत्येक समुदाय की जनसंख्या के आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। इस पर चर्चा हो रही है। अंततः सरकार को सहमत होना ही होगा। उन्होंने महसूस किया कि योजनाएँ आगे बनायी जानी चाहिए।

कुछ समुदायों ने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। मैंने रिपोर्ट पढ़ ली है। यह वैज्ञानिक डेटा युक्त एक रिपोर्ट है। जानकारी एकत्र कर ली गई है। सर्वेक्षण के दौरान जब वे घर पर गए तो उन्होंने घर के सदस्यों से हस्ताक्षर प्राप्त किए। हमारे पास इसके पर्यवेक्षकों द्वारा हस्ताक्षरित डेटा है। यह सारा डेटा रिपोर्ट में है। उन्होंने 1.37 लाख परिवारों के घरों का दौरा किया है। बहुत सारा डेटा है। उन्होंने जवाब दिया कि वह यह सब बातें पेड़ के नीचे बैठकर नहीं लिख सकते थे। इस डेटा की समीक्षा आंतरिक आरक्षण आवंटन हेतु उपयोग हेतु की जाएगी। नागामोहनदास को डेटा इकट्ठा करने का आदेश दिया गया है। वे उस डेटा की तुलना जाति जनगणना रिपोर्ट से करते हैं। हमने जाति जनगणना रिपोर्ट जारी होने से पहले आंकड़े एकत्र करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अब वे इसे वापस नहीं पा सकते। सीईटी परीक्षा से जनेउ हटाने को कहना एक बड़ी गलती थी। मैं भी इससे सहमत नहीं हूं। परीक्षा के दौरान पालन किये जाने वाले कुछ नियमों के संबंध में निर्देश दिये गये हैं। मैंने ये सब नहीं कहा है। उन्होंने किसी के कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि यह पूरे समाज को सही नहीं लगता।

दिवंगत डॉन मुथप्पा राय का बेटा रिक्की बिदादी में बंदूक हमले में घायल

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।
बदमाशों ने शनिवार सुबह रामनगर जिले के बिदादी में दिवंगत अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे रिक्की राय पर गोलियां चलाईं। गोलीबारी की घटना रात करीब 1:30 बजे बिदादी में मुथप्पा राय के घर के सामने परिसर के पास हुई। हमलावरों ने रिक्की राय को निशाना बनाते हुए तीन राउंड फायरिंग की। यह हमला उस समय हुआ जब रिक्की राय अपने ड्राइवर और गनमैन के साथ बिदादी से बेंगलूरु की ओर कार से जा रहे थे।

जैसे ही वाहन उनके घर के परिसर के पास पहुंचा, बदमाशों ने उन पर बंदूक से हमला कर दिया, जिससे रिक्की राय घायल हो गए। उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए बिदादी के एक निजी अस्पताल ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए बेंगलूरु के मणिपाल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। रामनगर के एसपी श्रीनिवास गौड़ा

और डीएसपी श्रीनिवास ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रारंभिक जांच की। यह घटना बिदादी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आती है और गहन जांच शुरू कर दी गई है। बदमाशों की पहचान करने और हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

हमले में हमलावरों ने खास तौर पर ड्राइवर की सीट को निशाना बनाया और तीन राउंड फायरिंग की। रिक्की राय आमतौर पर खुद ही कार चलाते हैं, शायद इसी वजह से हमलावरों ने उसी सीट को निशाना बनाया। हालांकि, इस मौके पर कार उनका ड्राइवर राजू चला रहा था, जो गोलीबारी के दौरान आगे की ओर झुकने की वजह से गंभीर रूप से घायल होने से बाल-बाल बच गया। ड्राइवर के बगल में बैठे रिक्की राय को गोली लगने से नाक और हाथ में गंभीर चोटें आईं। यह घटना उस समय हुई जब कार घर के सामने मुख्य सड़क पर प्रवेश कर रही थी। रिक्की राय दो दिन पहले ही रूस से लौटा था और रियल एस्टेट के कारोबार से सक्रिय था। ड्राइवर राजू ने घटना की जानकारी पुलिस को दी है और बिदादी इंस्पेक्टर शंकर नायक के नेतृत्व में जांच चल रही है। फिलहाल पुलिस अधिकारी और एफएसएल टीम घटनास्थल की जांच कर रही है। रिक्की राय की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सिद्धरामैया सरकार की हिंदू विरोधी भावना सभी विभागों में व्याप्त: एन. रवि कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की हिंदू विरोधी भावना सभी विभागों में व्याप्त हो गई है। इस संबंध में प्रेस बयान देते हुए उन्होंने कहा कि तीर्थहल्ली और बीदर में अधिकारियों के अपमानजनक कृत्यों से यह स्पष्ट है।

उन्होंने आरोप लगाया कि तीर्थहल्ली में एक ब्राह्मण छात्र को जबरन उसकी जनेऊ हटाने कको कहा गया तथा बीदर में एक छात्र, जिसने अपनी जनेऊ हटाने से इनकार कर दिया था, को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई। यह हिंदुओं की धार्मिक स्वतंत्रता के समक्ष एक बड़ी समस्या है। कुछ महीने पहले, कुछ महिलाओं को प्रतियोगी परीक्षा देने से पहले

अपना मंगलसूत्र उतारने की सलाह दी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या सिद्धरामैया एक लोकतांत्रिक, सकारात्मक और सच्ची धर्मनिरपेक्ष सरकार चला रहे हैं या तालिबान जैसा शासन चला रहे हैं। इस प्रकार, हिन्दू विरोधी कृत्य बार-बार हो रहे हैं। अधिकारी धार्मिक भावनाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर ऐसे व्यापक निर्णय नहीं लेते। मुझे यकीन है। इस प्रकार के निर्देश और दिशा-निर्देश स्वयं सरकार द्वारा जारी किये गये हैं। संबंधित मंत्री को इस अपमानजनक घटना पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। रवि कुमार ने इस शर्मनाक घटना की गहन जांच की मांग की है।

प्रदर्शनकारियों ने दुर्घटना पीड़ित को ले जाने के लिए पुलिस वाहन का इस्तेमाल किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अड्यार कन्नूर के निकट शा गार्डन मैदान में आयोजित विरोध सभा के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस अधिकारी के सरकारी वाहन का उपयोग करने का एक वीडियो सोशल मीडिया और समाचार प्लेटफार्मों पर वायरल हो गया है, जिसके बाद मेंगलूरु शहर पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी किया है। स्पष्टीकरण के अनुसार, यातायात उप-विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) यातायात बंदोबस्त ड्यूटी पर थे और अपने विभागीय वाहन में पडिल से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद, एसीपी ने उतरकर मुख्य प्रवेश द्वार के पास यातायात विनियमन कर्तव्यों का पालन किया। कार्यक्रम समाप्त होने पर, एसीपी ने आगे की ड्यूटी के लिए शहर लौटने का इरादा किया और

अपने ड्राइवर को सर्विस रोड डिवाइडर के माध्यम से अड्यार कट्टे पर यू-टर्न लेने का निर्देश दिया। हालांकि, अड्यार कट्टे के पास लगाए गए बैरिकेड्स के कारण, वाहन चालक बैरेगौड़ा को मार्ग को सह्याद्री की ओर मोड़ना पड़ा। शाम करीब साढ़े सात बजे अड्यार गार्डन के पास एक टेंपो ट्रैवलर चालक ने कथित तौर पर तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए कार्यक्रम से लौट रहे 16 वर्षीय लड़के को टक्कर मार दी। गाड़ी ने लड़के के दाहिने पैर को कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। पास में ही ड्यूटी पर मौजूद दो महिला पुलिसकर्मियों ने राहगीरों और घायल लड़के के परिवार के साथ मिलकर एसीपी की गाड़ी को रोका और पीड़ित को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाने के लिए उसका इस्तेमाल किया। घायल लड़के को चिकित्सा देखभाल के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में शामिल टेंपो ट्रैवलर और उसके चालक को कांस्टेबल आनंद ने मेंगलूरु साउथ ट्रैफिक पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। दुर्घटना के समय, चल रहे विरोध प्रदर्शन के कारण राजमार्ग पर भारी यातायात था। 'गोल्डन ऑवर' के दौरान तत्काल चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए, दो महिला पुलिस कर्मचारियों ने एसीपी की गाड़ी का इस्तेमाल किया, जो मौके पर उपलब्ध थी, ताकि घायलों को समय पर उपचार के लिए ले जाया जा सके। पुलिस ने इस बात पर जोर दिया कि आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करना उनके सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों में से एक है, और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों ने पीड़ित की सहायता करके और उसके बाद अपने निर्धारित कर्तव्यों को जारी रखते हुए तेजी से और जिम्मेदारी से काम किया।

सांसद बीवाई राघवेंद्र ने की शिवकुमार से मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई. राघवेंद्र ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की और चर्चा की। राघवेंद्र, जो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेन्द्र के भाई हैं, का डी.के. शिवकुमार से मिलना चर्चा का विषय बन गया है। इससे पहले शुक्रवार को भाजपा विधायक बी.पी. हरीश और दावणगेरे के पूर्व सांसद जी.एम. सिद्धेश्वर शिवकुमार के घर पहुंचे और गुप्त चर्चा की। इसी बीच राघवेन्द्र की यात्रा ने जल्द ही महत्व प्राप्त कर लिया। राघवेंद्र ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि उनके बेटे की शादी हो रही है। मैं इसके लिए निमंत्रण

देने आया हूं। मैंने इस क्षेत्र के विकास पर भी चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने मुझे बैठक के लिए समय दिया था, इसलिए मैं उनसे मिला। उन्होंने कहा कि उन्होंने शादी में आने का वादा किया है। मैं केवल व्यक्तिगत कारणों से ही मिला था। इसके अलावा और कुछ नहीं है। जब सरकार सत्ता में होती है तो दलीय मतभेदों को भूलकर मिलना-जुलना आम बात है, जैसा कि भाजपा विधायक बी.पी. हरीश और पूर्व सांसद जी.एम. सिद्धेश्वर से मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा कि इसे ज्यादा महत्व देने की जरूरत नहीं है। इसी बीच राघवेंद्र ने उस घटना की निंदा की, जिसमें कर्नाटक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) में शामिल होने वाले छात्रों से कथित तौर पर उनके पवित्र धागे (जनेऊ) को उतारने के लिए कहा गया था। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटना फिर न हो, साथ ही उन्होंने इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह गलत और गंभीर अन्याय है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। चाहे ऐसी घटना जानबूझकर हुई हो या अनजाने में। सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए कि यह फिर न हो। हिंदू धर्म के खिलाफ ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय किए जाने चाहिए। जो भी जिम्मेदार हैं, सरकार को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

सीईटी परीक्षा केंद्र पर छात्रों से जनेऊ उतरवाने वालों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई: रघुनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष रघुनाथ ने शनिवार को कर्नाटक सीईटी परीक्षा केंद्र पर छात्रों से जनेऊ उतरवाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। यहां पत्रकारों से वार्ता में रघुनाथ ने कहा सरकार को उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए जिन्होंने छात्रों से जनेऊ उतरवाया है।

इसलिए यह ब्राह्मण समुदाय पर हमला है और ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि भारत के संविधान के अनुसार ब्राह्मणों को भी समान दर्जा प्राप्त है और ब्राह्मणों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमने मुख्यमंत्री से मुलाकात की है और उनसे जनेऊ उतारने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और उन्हें

निलंबित करने का अनुरोध किया है। रघुनाथ ने कहा सीईटी ने हमसे माफी मांगी है, जिससे हमें शांति मिली है।

हालांकि, परीक्षा देते समय जनेऊ हटाने से ब्राह्मण समुदाय में काफी गुस्सा है। हमने उन्हें कितना भी मना लिया हो, हमारे समुदाय के नेता जिलेवार विरोध करने पर अड़े हुए हैं। इसलिए, वे जिलेवार केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने की तैयारी कर रहे हैं। जनेऊ हटाने से काफी दुख हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय के नेताओं ने जोर देकर कहा है कि वे जिलेवार विरोध प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि इससे ब्राह्मणों को बहुत पीड़ा हुई है। उन्होंने कहा शिवमोग्गा और बीदर में सीईटी परीक्षा के दौरान ब्राह्मण छात्रों की जांच की गई और उन्हें परीक्षा हॉल से बाहर निकाल दिया गया। इसलिए, हम इस घटना की निंदा करते हैं। इस घटना को लेकर पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन होंगे और इस घटना को लेकर समाज में आक्रोश है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने घटना की निंदा करते हुए कहा इस घटना ने कांग्रेस और कर्नाटक सरकार की मानसिकता को सामने ला दिया है। ऐसा इंडी गठबंधन के हर क्षेत्र में किया जा रहा है। कोलकाता से लेकर कर्नाटक तक, हिंदुओं के साथ ऐसा किया जा रहा है। कोलकाता में हिंदू होना अपराध है और कर्नाटक में हिंदू जैसा दिखना अपराध है। यह घटना कांग्रेस और इंडी गठबंधन की मानसिकता का परिचय है।

भगवद् गीता, नाट्य शास्त्र को यूनेस्को की मान्यता मिलना वैश्विक सम्मान: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि भारत के पवित्र हिंदू धर्मग्रंथ भगवद् गीता और भरत मुनि द्वारा रचित नाट्य शास्त्र को यूनेस्को द्वारा मान्यता मिलना भारतीयों के लिए एक वैश्विक सम्मान है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना हमारे देश के ज्ञान, संस्कृति, इतिहास और समृद्धि की महानता का प्रमाण है। उन्होंने इसे भारत की समृद्ध संस्कृति के प्रति एक महान श्रद्धांजलि बताया। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि दुनिया भारत को सम्मान की नजर से देख रही है क्योंकि देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी विरासत की रक्षा, ऐतिहासिक स्मारकों को विकसित करने और हमारी संस्कृति को पोषित करने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बस, मेट्रो, डीजल के बाद अब बच्चों की पाठ्यपुस्तकों के दाम भी बढ़ने की गारंटी?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दूध, पानी, बिजली और अन्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से त्रस्त राज्य के लोगों को पाठ्यपुस्तकों की कीमतों में वृद्धि सहनी पड़ रही है। इस बार पाठ्य पुस्तकों की कीमत में 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कर्नाटक पाठ्यपुस्तक सोसायटी ने मूल्य वृद्धि की पुष्टि की है। संगठन को दिसंबर में

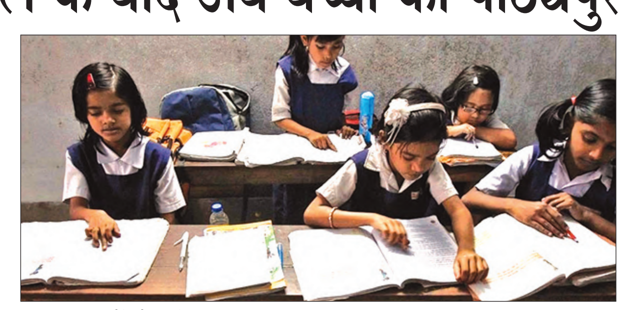

निजी स्कूलों से मांगपत्र प्राप्त हुए थे, तथा उसने 10 प्रतिशत का अग्रिम भुगतान ऑनलाइन कर दिया था। निजी स्कूलों द्वारा निर्धारित फीस में 10 प्रतिशत की वृद्धि निश्चित रूप से अभिभावकों पर बोझ बनेगी। स्कूली पाठ्यपुस्तकों की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएएमएस महासचिव शशिकुमार ने बताया कि कुछ पुस्तकों की कीमतों में न केवल 10 प्रतिशत बल्कि 100 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। निजी स्कूलों द्वारा इसका बोझ अभिभावकों पर डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि इस फीस को स्कूल फीस में शामिल किया जाएगा। हमने सरकार से कई बार अपील की है कि लोगों को परेशानी हो रही है क्योंकि हर चीज की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और पाठ्यपुस्तकों की कीमतें बढ़ाई जा रही है।

मैसूरु में पेड़ों की कटाई के खिलाफ लोगों ने मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकाला

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शुक्रवार शाम को हैदर अली रोड पर अधिकारियों द्वारा हाल ही में काटे गए 40 पूर्ण विकसित पेड़ों को श्रद्धांजलि देने के लिए मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकालने पहुंचे।

शहर के हरित आवरण पर हो रहे घृणित हमले के खिलाफ मौन मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकालने का आह्वान करने वाले पर्यावरण बचाओ कार्य समिति के कार्यकर्ताओं के साथ एकजुटता दिखाने के लिए पुरुष, महिलाएं और बच्चे सूर्यास्त से ठीक पहले मौके पर पहुंचे। कई नागरिकों ने काली पट्टियाँ पहनीं और तख्तियाँ उठाईं, जबकि कई लोगों ने काटे गए पेड़ों के तने पर अनुष्ठान करने का विकल्प चुना ताकि उनकी मृत्यु पर शोक व्यक्त किया जा सके। कई प्रतिभागियों ने मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन की सेल्फी

और वीडियो लिए और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया। पर्यावरण बचाओ कार्य समिति के संयोजक परशुराम गौड़ा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास सर्किल पर सभा को संबोधित करते हुए पर्यावरण की रक्षा की शपथ दिलाई। प्रतिभागियों ने मानवता की खातिर पेड़ों को संरक्षित करने का संकल्प लिया। मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार और कृष्णराजा के विधायक टी.एस. श्रीवत्स भी पेड़ों की कटाई की निंदा करने के लिए विरोध स्थल पर पहुंचे। लेखिका और रंगकर्मी प्रीति नागराज ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक तनवीर सैत की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया, वहीं पर्यावरण बचाओ कार्य समिति के सदस्य कमल गोपीनाथ, जो पीपुल्स यूनियन ऑफ सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) के मैसूरु चैप्टर के अध्यक्ष भी हैं, ने विरोध प्रदर्शन में यदुवीर और श्रीवत्स की उपस्थिति पर गंभीर आपत्ति जताई।

उन्होंने कहा कि परिसर उलिविगागी क्रिया समिति ने जानबूझकर किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को आमंत्रित नहीं करने का फैसला किया था क्योंकि वे उन्हें नरसंहार के लिए जिम्मेदार मानते हैं। हैदर अली रोड पर काटे गए पेड़ों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि देने के आह्वान पर मैसूरवासियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया से मैं उत्साहित हूं। नागरिकों ने जबरदस्त गरिमा और अनुशासन का प्रदर्शन किया। लेकिन श्रीवत्स और यदुवीर के नारे लगाने वाले समर्थकों ने कुछ देर के लिए इसे बिगाड़ दिया। हम नारेबाजी और विधायक और सांसद द्वारा राजनीतिक लाभ हासिल करने के इस सस्ते प्रयास की निंदा करते हैं।

अशोक ने जनेऊ विवाद पर कर्नाटक सरकार की आलोचना की

सीएम सिद्धरामैया से माफी की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भाजपा ने कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के दौरान हाल ही में हुई घटनाओं को लेकर राज्य सरकार की कड़ी निंदा की है, जिसमें कथित तौर पर पवित्र धागा (जनिवारा) पहनने वाले छात्रों को प्रवेश से वंचित कर दिया गया या परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले उन्हें धागा हटाने के लिए मजबूर किया गया। इस कृत्य को हिंदू रीति-रिवाजों का अपमान बताते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, विपक्ष के नेता आर अशोक ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला किया और उस पर 'हिंदू विरोधी मानसिकता' प्रदर्शित करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीदर और शिवमोग्गा में सीईटी केंद्रों पर अधिकारियों की हरकतें मौजूदा शासन के तहत हिंदू परंपराओं के

प्रति बढ़ती दुश्मनी को दर्शाती हैं। अशोक ने आरोप लगाया सीएम, जो कभी कुमकुम और भगवा को देखकर नाराज होते थे, अब जनिवारा जैसे पवित्र हिंदू प्रतीकों को निशाना बना रहे हैं। शिवमोग्गा के तीर्थहल्ली में ब्राह्मण छात्रों को परीक्षा के दौरान अपने पवित्र धागे उतारने के लिए मजबूर किया गया। बीदर में एक छात्र को इसे उतारने से मना करने पर प्रवेश से वंचित कर दिया गया। ये कोई अलग-थलग घटनाएं नहीं हैं - ये एक बड़ी, परेशान करने वाली प्रवृत्ति का हिस्सा हैं। अशोक ने कांग्रेस सरकार पर न केवल ब्राह्मण समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया, बल्कि मराठों और वैश्यों जैसे अन्य समूहों का भी अपमान किया, जो पवित्र धागा पहनने की परंपरा का पालन करते हैं। उन्होंने कहा यह केवल ब्राह्मणों का अपमान नहीं है - यह उन सभी पर हमला है जो भारतीय परंपराओं का पालन करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। जबकि पवित्र धागे पर सवाल उठाए जा रहे हैं, मुस्लिम लड़कियों को परीक्षा के दौरान हिजाब पहनने की अनुमति दी गई। यह दोहरा मापदंड क्यों? जनेऊ पहनना व्यक्ति की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है। यह किसी छात्र की परीक्षा लिखने की क्षमता को कैसे प्रभावित करता है? शिक्षा विभाग को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

आरएसएस मोदी को प्रधानमंत्री पद से हटाने की योजना बना रहा: कांग्रेस नेता उग्रप्पा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता वी.एस. उग्रप्पा ने दावा किया है कि आरएसएस नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में गिरावट को देखते हुए उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाने की योजना बना रहा है। यहां शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उग्रप्पा, जो कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भी हैं, ने दावा किया कि मोदी हाल ही में आरएसएस के नागपुर मुख्यालय गए थे, जो सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक स्रोत है, नेताओं को समझाने के लिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी अगले लोकसभा चुनावों में सत्ता में वापस आएगी क्योंकि देश के लोग भाजपा के नेतृत्व में महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी और गरीबी से तंग आ चुके हैं। उन्होंने मोदी को देश का अब तक का सबसे कमजोर प्रधानमंत्री भी बताया।

उन्होंने न केवल प्रधानमंत्री पर विकास विरोधी और फूट डालो और राज करो की नीति अपनाने का आरोप लगाया, बल्कि देश के कर्ज को लगभग 10 साल पहले के 52 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर अब 185 लाख करोड़ रुपये करने के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। देश के कर्ज में भारी वृद्धि के बावजूद, केआरएस, तुंगभद्रा या नारायणपुरा बांधों की स्थापना जैसी कोई विकास परियोजना नहीं है, न ही राज्य में एचएएल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के

उपक्रमों की स्थापना की गई है। राज्य में कांग्रेस सरकार के तहत महंगाई के खिलाफ भाजपा की जनाक्रोश यात्रा का जिक्र करते हुए उग्रप्पा ने कहा कि राज्य के लोग जानते हैं कि महंगाई केवल कर्नाटक तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में फैली हुई है और इसके लिए केंद्र की भाजपा सरकार ही जिम्मेदार है। उन्होंने भाजपा को मैसूरु महल या विधान सौधा के सामने सार्वजनिक बहस की चुनौती दी कि मूल्य वृद्धि के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने याद दिलाया कि देश में पूर्ववर्ती कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान एक बैरल कच्चे तेल की कीमत 120 से 139 रुपये के बीच थी, लेकिन फिर भी डीजल 56 से 57 रुपये प्रति लीटर, पेट्रोल 63 से 64 रुपये प्रति लीटर और एलपीजी सिलेंडर 2013 में 400 रुपये में उपलब्ध था। अब, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है, लेकिन केंद्र ने कीमतों में 34 लाख करोड़ रुपये की गिरावट का फायदा उपभोक्ताओं को नहीं दिया है। इसके विपरीत, भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपये का बकाया माफ कर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी को तुरंत वापस लेने की मांग की और भाजपा को चेतावनी दी कि कांग्रेस मूल्य वृद्धि के लिए भाजपा सरकार के खिलाफ अभियान चलाएगी। जब भी पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतें बढ़ती हैं, तो सभी वस्तुओं की कीमतों पर इसका असर देखने को मिलता है। पिछले 10 से 12 वर्षों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि के साथ, चीनी की कीमत, जो लगभग 30 से 45 रुपये प्रति किलोग्राम थी, अब 72 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इसी तरह, एक अंडे की कीमत 2 रुपये से बढ़कर 4 रुपये हो गई है, जबकि चावल की कीमत 30 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर वर्तमान में 70 रुपये हो गई है।

फोन नंबर को लेकर महिला को परेशान करने के आरोप में ऑटो चालक गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु पुलिस शहर में महिलाओं को निशाना बनाकर किए जाने वाले उत्पीड़न और हमले के मामलों पर सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार शाम को अधिकारियों ने पुलकेशीनगर क्षेत्राधिकार में मणि नामक एक ऑटो चालक को गिरफ्तार किया। उस पर सार्वजनिक स्थान पर एक महिला को परेशान करने, लगातार उसका संपर्क विवरण मांगने और उसके साथ सेल्फी लेने पर जोर देने, यहां तक कि कथित तौर पर उसकी इच्छा के विरुद्ध ऐसा करने का प्रयास करने का आरोप है। पीड़िता ने कहा कि वह अपने पुरुष मित्र के साथ थी और आरोपी को नहीं जानती थी, उसने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस जांच शुरू कर दी गई है।

कावेरी नदी में फिसलने से युवक की मौत

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु जिले के टी नरसीपुर तालुक के बन्नूर पुलिस स्टेशन की सीमा में बेल्टांगडी तालुक के नवूर गांव के एक युवक की कावेरी नदी में दुर्घटनावश फिसलकर गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान नवूर गांव के कुडुरु निवासी मंसूर (19) के रूप में हुई है। वह पोल्ट्री ट्रांसपोर्ट वाहन में कार्यरत था और 17 अप्रैल की रात को अपने दो सहकर्मियों के साथ टी नरसीपुर तालुक के बन्नूर गया था। शुक्रवार को वाहन धोते समय और कावेरी नदी में नहाने का प्रयास करते समय मंसूर कथित तौर पर एक गहरे स्थान पर फिसल गया और डूब गया। बन्नूर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना की जांच शुरू कर दी। साथ ही पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिए गए।

जाति जनगणना रिपोर्ट में कोली-कबालिगा समुदायों के साथ अन्याय: भाजपा एमएलसी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
रानी चेन्नम्मा विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर और एमएलसी तलवार सबन्ना ने दावा किया कि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किए गए सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण के माध्यम से कोली, कबालीगा, बेस्टा अंबिगा, गंगामाता, कब्बर, कब्बेरा, कबालीगा और मोगावीरा समुदायों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। कुछ मीडिया हाउस ने जाति सर्वेक्षण कहे जाने वाले वर्गों के सर्वेक्षण के बारे में कुछ जानकारी साझा की है। हालांकि, मेरा मानना है कि कांताराजू और जयप्रकाश हेगड़े की अध्यक्षता वाले दोनों आयोगों ने इन समुदायों और उनके समानार्थक शब्दों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने आंकड़ों को अवैज्ञानिक तरीके से विकृत किया है। अखबारों में पहले से प्रकाशित जानकारी के आधार पर, कोली/कबालिगा/बेस्टा और इसके समानार्थक शब्दों की कुल आबादी केवल 14.5 लाख है। जिनमें से बेस्टा (3,99,383), अंबिगा (1,34,230), गंगामाता (73,627), कब्बर/कब्बेरा (58,289), कब्बलिगा (3,88,082) और मोगावीरा (1,21,478) दिखाए गए हैं। समुदाय के लोगों का कहना है कि यह रिपोर्ट वास्तविकता को नहीं दर्शाती है। एल.जी. हवनूर की

1977 की रिपोर्ट के अनुसार कोली/कब्बलिगा/बेस्टा और इसके पर्यायवाची शब्दों को पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया था। बाद में 1994 में चिन्नप्पा रेड्डी की रिपोर्ट के अनुसार इस जाति के 39 पर्यायवाची शब्दों को श्रेणी-1 समूह में शामिल किया गया। अगर इन सभी पर्यायवाचियों को एक साथ लिया जाए तो पूरे कर्नाटक में 35-40 लाख की आबादी है। इसमें से कलबुर्गी और यादगीर जिलों में कोली-कब्बलिगा की आबादी 6-7 लाख है। इसी तरह, रायचूर, बेलगावी, बागलकोट, हावेरी, बेल्लारी, मेंगलूरु, उडुपी, कारवार, मांड्या, मैसूरु और अन्य जिलों में इस समुदाय की आबादी सबसे ज्यादा है। साथ ही, ये समुदाय जो अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल होने के योग्य हैं, उन्हें लगातार राज्य सरकारों की गैर-जिम्मेदारी के कारण शामिल नहीं किया गया है। दोनों रिपोर्टों की फिर से जाँच होनी चाहिए।

पूर्व विधायक रामास्वामी ने भाजपा छोड़ी

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व विधायक और भाजपा नेता ए.टी. रामास्वामी ने पार्टी छोड़ी है। उन्होंने कहा कि वह पर्यावरण संरक्षण और कृषि में पूरी तरह से शामिल होना चाहते हैं। हासन जिले के अरकलगुड से पूर्व विधायक रामास्वामी ने 12 अप्रैल को 'परिसारकगी नावू' नामक संगठन शुरू किया था। रामास्वामी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को लिखे पत्र में कहा कि उन्हें लगता है कि पर्यावरण संरक्षण राजनीति से ज्यादा महत्वपूर्ण है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन हुआ है। इस परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा, चक्रवात और भूकंप आए हैं। पानी, हवा और भोजन प्रदूषित हो गए हैं। वनों की कटाई के कारण जलस्रोत सूख रहे हैं और भूजल स्तर घट रहा है। यह समय पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने का है। हम तभी जीवित रह पाएंगे जब हम पर्यावरण को संरक्षित कर पाएंगे। रामास्वामी ने कहा कि उन्होंने विजयेंद्र को अपनी राय पहले ही बता दी है, साथ ही पार्टी अध्यक्ष को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। रामास्वामी 1 अप्रैल, 2023 को हुए विधानसभा चुनावों से पहले अरकलगुड विधायक के पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल हो गए। वे जेडी(एस) से चुने गए थे। हासन में पार्टी नेताओं के साथ मतभेदों के बाद, उन्होंने जेडी(एस) छोड़ दिया और औपचारिक रूप से दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। 2000 के दशक में उन्होंने बेंगलूरु शहरी जिले में अतिक्रमण पर संयुक्त विधानमंडल समिति का नेतृत्व किया और एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

डिप्टी कमिश्नर ने जनेऊ काटने के आरोप से किया इनकार

दो होमगार्ड को किया निलंबित

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिवमोग्गा के डिप्टी कमिश्नर गुरुदत्त हेगड़े ने संबंधित सीईटी परीक्षा केंद्र पर दर्ज सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की पुष्टि करने के बाद कहा कि किसी ने भी छात्रों की 'जनेऊ' नहीं काटी है।

यहां शनिवार को मीडिया को दिए गए एक बयान में हेगड़े ने कहा कि उन्होंने आदिचुंचनगिरी कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों से पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि की।

एक छात्र ने स्वेच्छा से अपने द्वारा पहना हुआ 'जनेऊ' दिखाया और प्रवेश द्वार पर मौजूद होमगार्ड से पूछा कि क्या उसे जनेऊ पहनने की अनुमति है। गार्ड ने 'नहीं'

कहा और छात्र ने जनेऊ उतार दिया। जनेऊ पहने दूसरे छात्र की जांच करते समय गार्ड ने कहा कि वह 'जनेऊ' पहनकर सीईटी में शामिल नहीं हो सकता। छात्र ने इसे उतारने से इनकार कर दिया। डीसी ने कहा सुरक्षा कर्मचारियों ने उसे अंदर नहीं जाने दिया। उसे वहीं रहने दिया गया। जब प्रिंसिपल मौके पर आए, तो उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से पूछा कि छात्र हॉल के बाहर क्यों है। जब उन्हें इस बारे में पता चला, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि 'पवित्र धागा' हटाने का कोई नियम नहीं है। उन्होंने छात्र को परीक्षा देने के लिए अंदर भेज दिया। अधिकारी ने कहा कि किसी भी छात्र को परीक्षा देने में कोई परेशानी नहीं हुई। जागरूकता की कमी के कारण सुरक्षा कर्मचारियों ने छात्रों को रोक दिया था। उन्होंने कहा प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि सुरक्षा कर्मचारियों की जागरूकता की कमी के कारण धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। आगे की जांच के लिए दो होमगार्ड को निलंबित कर दिया गया है। कॉलेज प्रिंसिपल और पीयू शिक्षा के उप निदेशक के समय पर हस्तक्षेप के कारण छात्रों को कोई परेशानी नहीं हुई। ब्राह्मण संघ के आरोप का जवाब देते हुए डीसी ने स्पष्ट किया कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से यह स्पष्ट है कि किसी ने पवित्र धागा नहीं काटा। शिवमोग्गा के डोड्डापेट पुलिस स्टेशन ने ब्राह्मण संघ के जिला अध्यक्ष नटराज भागवत की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया। डीसी ने कहा कि उन्होंने घटना और दो होमगार्डों के निलंबन के बारे में एक रिपोर्ट कर्नाटक सरकार को सौंप दी है।

मंदिर में रथोत्सव के दौरान रथ का ऊपरी हिस्सा गिरा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुल्की के प्रसिद्ध बप्पनडु श्री दुर्गापरमेश्वरी मंदिर में वार्षिक रथोत्सव (रथ उत्सव) के दौरान शुक्रवार देर रात ब्रह्मरथ (रथ) का ऊपरी हिस्सा ढहने से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना का वीडियो तब से वायरल हो रहा है, जिससे भक्तों में चिंता पैदा हो गई है। यह घटना शनिवार को सुबह 1.40 से 2 बजे के बीच ब्रह्मरथोत्सव के दौरान हुई, जो मंदिर के वार्षिक जात्रा महोत्सव का एक मुख्य आकर्षण है। जब हजारों भक्त भव्य रथ को खींच रहे थे, तब ढांचे का ऊपरी हिस्सा अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। गिरने के समय, रथ के अंदर कई पुजारी बैठे थे। रथ की गति को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल की गई रस्सी के अचानक टूटने के कारण, ऊपरी हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। सौभाग्य से, एक पुजारी को मामूली चोटें आने के अलावा, किसी को गंभीर चोट नहीं आई। इस अप्रत्याशित घटना से वहां मौजूद बड़ी संख्या में भक्तों में दहशत फैल गई। हालांकि, थोड़े समय के व्यवधान के बाद, चंद्र मंडल रथ (वैकल्पिक रथ) का उपयोग करके उत्सव की कार्यवाही फिर से शुरू की गई, और कार्यक्रम बिना किसी बाधा के जारी रहा। मंदिर के अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि जात्रा महोत्सव का बाकी हिस्सा सुचारू रूप से और सुरक्षित रूप से संपन्न हो।

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके, दिल्ली जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान भी हिला

काबुल/नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी महसूस किए गए।

राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गयी। केंद्र ने बताया कि अफगानिस्तान में शनिवार को दोपहर बाद 12:17 बजे (भारतीय समयानुसार) यह भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

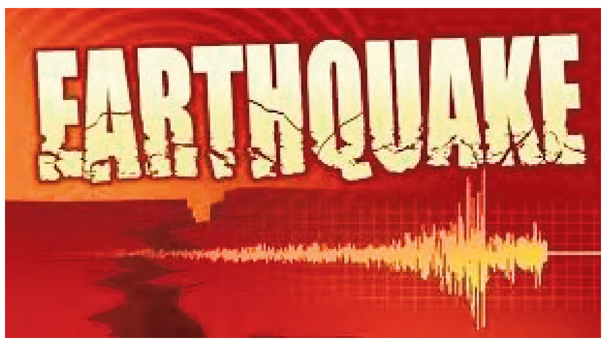

अफगानिस्तान में अभी भूकंप से हताहतों और नुकसान के बारे में कोई प्रारंभिक रिपोर्ट नहीं मिली है। इसके अलावा भारत में भी अभी तक किसी नुकसान या हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है।

अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने पूर्वाह्न 11:47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 5.9 तीव्रता का भूकंप बताया। भूकंप का केंद्र अफ़गानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र के पास 94 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

पाकिस्तान के इस्लामाबाद, लाहौर, रावलपिंडी, पेशावर और खैबर पख्तूनख्वा के कई इलाकों जैसे लोअर डीर, बाजौर, मलकंद, नौशेरा, डीर बाला, शबकदर और मोहमंद समेत पूरे पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे निवासियों में अफरातफरी का माहौल देखा गया। अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की रिपोर्ट सामने नहीं आयी है।

इससे पहले पिछले शनिवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा तथा पंजाब प्रांतों के कुछ हिस्सों में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था।

पाकिस्तान भूकंपीय गतिविधि के मद्देनजर अत्यधिक संवेदनशील स्थान बना हुआ है। वर्ष 2005 का भूकंप हाल के दिनों का सबसे विनाशकारी भूकंप था, जिसमें 74,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

दिल्ली की अदालत ने मकोका मामले में नरेश बाल्यान समेत सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ायी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान और अन्य छह आरोपियों की न्यायिक हिरासत शनिवार को 23 अप्रैल तक बढ़ा दी।

ड्यूटी जज जितेंद्र सिंह ने जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बाल्यान, रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना, सचिन चिकारा, साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू और ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा की पेशी के बाद उन सभी की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी।

सरकारी वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और जांच अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नरेश अदालत के समक्ष पेश हुए और साहिल उर्फ पोली तथा विजय उर्फ कालू की न्यायिक हिरासत चार दिन बढ़ाने की मांग की। अदालत ने अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी।

पुलिस ने गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से चलाये जा रहे संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ मामला दर्ज किया है और पुलिस हिरासत के दौरान चार अप्रैल को मकोका के प्रावधानों के तहत गैंगस्टर नंदू के सगे भाई ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा का बयान दर्ज किया।

इस मामले में अदालत ने एक मार्च को दिल्ली पुलिस को बालियान के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का और समय दिया था, जिसे चार दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती विकसित भारत की संकल्पना : शाह

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि विकसित भारत की संकल्पना रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती ,इसीलिए यह बहुत ज़रूरी है कि देश का हर नागरिक स्वस्थ रहे।

श्री शाह ने शनिवार को यहां विश्व यकृत (लीवर) दिवस के अवसर पर यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के सामने आज़ादी की शताब्दी के समय 2047 में एक विकसित भारत की रचना करने का लक्ष्य रखा है जो हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो और विश्व का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती और इसीलिए ये बहुत ज़रूरी है कि हर नागरिक स्वस्थ रहे।

उन्होंने कहा कि आज विश्व यकृत दिवस के अवसर पर पूरे देश की जनता को अपने यकृत के प्रति सजग, प्रयत्नशील और पूरी जानकारी के साथ यकृत को स्वस्थ रखने का संकल्प लेना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि संस्थान ने एक विशेष योजना का शुभारंभ किया है और यह अभिनव पहल यकृत को स्वस्थ रखने के प्रति देश में जागरूकता फैलाने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि वेदों में कहा गया है कि आहार ही औषधि है और आज इस थीम को स्वीकार कर पूरा विश्व आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 तक 11 साल में मोदी सरकार ने हॉलिस्टिक दृष्टिकोण के साथ देश के नागरिकों को स्वस्थ बनाने के अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय एक ऐसी पद्धति विकसित करने का काम कर रहा है जिससे हम बीमार ही न हों। उन्होंने कहा कि आज बड़े-बड़े एलोपैथिक अस्पताल भी अपने यहां आयुष का विंग खोल रहे हैं। विश्व योग दिवस की कल्पना में ही व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को समाहित किया गया था।

आधुनिकता के दौर में विलुप्त हो गई शादी, ब्याह से डोली की परम्परा

देवरिया, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कभी शादी, ब्याह में शाही सवारी मानी जाने वाली डोली आज आधुनिकता के दौर में विलुप्त होती जा रही है और आज के नवयुवक अब डोली को इतिहास के पन्नों से समझने का प्रयास करते दिख रहे हैं।

वैसे तो पूरे देश से ही डोली का नाता रहा है लेकिन डोली का नाता बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से यह संबंध और विशेष रहा है। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलो में 80 के दशक तक शादी ब्याह में डोली से जाने की परम्परा कायम रही। लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे समाज में डोली अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष करती दिखी। इसका कारण धीरे-धीरे समाज में आधुनिकता का पैर पसारना और डोली के स्थान पर

शादी ब्याह में मोटर गाड़ियों का चलन आ जाना माना गया। आज के वर्तमान परिवेश में डोली की परम्परा करीब-करीब विलुप्त के कगार पर पहुँच चुकी है और कहार भी डोली उठाने के अपने पुश्तैनी व्यवसाय को छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

इस सम्बन्ध में 80 वर्षीय डा. रविन्द्र द्विवेदीने कहा कहा कि एक जमाना था जब, शादी ब्याह में बारात के वक्त में डोली का अहम रोल माना जाता था।इसके बिना दरवाजा यानी बारात नहीं लगती थी, लेकिन बदलते दौर के इस वक्त में डोली की प्रथा अब धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रही है। उन्होंने कहा कि इस रोजगार से जुड़े कई लोग बेरोजगार हो गए हैं। उनका कहना है अब तो क्षेत्र जवाब में इक्का-दुक्का डोली दिख जाए, तो यह बड़ी बात है।

डा. रविन्द्र द्विवेदी का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी को यह जानना बेहद जरूरी है कि आखिर डोली क्या होती है, डोली प्रथा क्या थी। उन्होंने कहा कि डोली की प्रथा बहुत ही प्राचीन प्रथा रही है।

लेकिन बदलते जमाने ने डोली के स्थान पर शादी ब्याह में लग्जरी गाड़ियों ने स्थान ले लिया है। उन्होंने कहा कि डोली प्रथा का इतिहास काफ़ी पुराना है। उन्होंने कहा कि एक जमाना वो था जब डोली राजाओं और उनकी रानियों के लिए यात्रा का प्रमुख साधन हुआ करती थी। इसे ढोने वालों को कहार कहा जाता था।

उन्होंने बताया कि शादी के लिए बारात निकलने से पूर्व दूल्हे की सगी संबंधी महिलाएं बारी-बारी से दूल्हे के साथ डोली में बैठती थी।

इसके बदले कहारों को यथाशक्ति दान देते हुए शादी करने जाते दूल्हे को आशीर्वाद देकर भेजती थी। दूल्हे को लेकर कहार उसकी ससुराल तक जाते थे। विदा हुई दुल्हन अपने ससुराल डोली में ही जाती थी। इस दौरान जब डोली गांवों से होकर गुजरती थी, तो महिलाएं और बच्चे कौतूहलवश डोली रुकवा देते थे तथा कहारों को पानी पिलाकर ही जाने देते थे। जिसमें अपनेपन के साथ मानवता और प्रेम भरी भारतीय संस्कृति के दर्शन होते थे लेकिन आज डोली प्रथा लगभग समाप्त हो चुकी है।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत ढहने से छह की मृत्यु

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक चार मंजिला इमारत के ढहने से छह लोगों मृत्यु हो गयी, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना करीब रात करीब तीन बजे मिली। इस आधार पर दिल्ली पुलिस के अलावा दिल्ली फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम शक्ति विहार गली नंबर एक स्थित घटना स्थल पर पहुंच गई। घायलों को तत्काल जीटीबी अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां बाद में छह लोगों को मृत्यु घोषित कर दिया गया।

सूत्रों ने बताया कि मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। इसके मद्देनजर राहत और बचाव कार्य जारी है।

वंचितों की भागीदारी सुनिश्चित होने तक न्याय अधूरा: राहुल

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जब तक वंचित और पीड़ित वर्ग की भागीदारी तय नहीं होगी तब तक न्याय सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। श्री गांधी ने कहा जब तक वंचित वर्गों की असल हिस्सेदारी और भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी - न्याय अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा अगर आप महिला, दलित, महादलित, पिछड़े, अति पिछड़े, पसमांदा, इडब्ल्यूस या अल्पसंख्यक वर्ग से हैं, या इन वर्गों का नेतृत्व करते हैं- तो हमारे 'संविधान लीडरशिप प्रोग्राम' से जुड़ें अपने अधिकारों की रक्षा, जाति जनगणना से सामाजिक न्याय और अपनी भागीदारी की लड़ाई को मज़बूत करने के लिए साथ आएं। कांग्रेस नेता ने इस अभियान से जुड़ने का सबसे आवाहन किया और कहा कि यह वक्त है एकजुट होकर मजबूती से आवाज़ उठाने का। अभियान से जुड़ने के लिए पर मिस्ड कॉल दें।

दिल्ली पुलिस ने किया हेरोइन तस्करी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने करीब दो महीने चले अभियान में मादक पदार्थों और आतंकवाद के वित्तपोषण मे शामिल एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर कम से कम 10 संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दिल्ली सहित भारत के चार राज्यों और केन्द्र शासित में फैला हुआ था।

दिल्ली पुलिस के संयुक्त आयुक्त सुरेन्द्र सिंह जाखड़ और उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने यहां विशेष संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले 50 दिनों के लंबे अभियान और जांच-पड़ताल के बाद इनके पास से 1.6 किलोग्राम अफगानिस्तान में बनी हेरोइन, नशे के लिये इस्तेमाल किये जाने वाला 130 ग्राम एक खास किस्म का रसायन, मादक द्रव्यों को पहुंचाने में इस्तेमाल की जाने वाली दो मोटरसाइकिल, 16 मोबाइल फोन, करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य की पांच संपत्तियां जब्त की।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल पर बढ़ा रासुका

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में खालिस्तान समर्थक खडूर साहिब से निर्दलीय सांसद अमृतपाल सिंह को अभी जेल की ही रोटियां खानी पड़ेंगी। उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की अवधि को एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। अमृतपाल सिंह के ऊपर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाई गई है। पहले इसकी अवधि दो साल थी, जो 23 अप्रैल को पूरी हो रही है। अब पंजाब सरकार ने इसे एक साल के लिए बढ़ा दिया है। ऐसे में अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2026 तक जेल में रखा जाएगा। अमृतपाल सिंह पिछले दो साल से असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है।

23 अप्रैल को अमृतपाल की बंदी के दो साल पूरे हो रहे हैं। अब उसके बंदी की कुल अवधि तीन साल हो गई है। उसे 23 अप्रैल 2026 तक जेल में रखा जाएगा। अमृतपाल ने 2024 का लोकसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ा था और खडूर साहिब सीट से जीत दर्ज की थी। उसकी बंदी की अवधि पूरी होने के चलते पंजाब पुलिस की एक टीम ने अमृतपाल को पंजाब में लाने के लिए असम जाने की पूरी तैयारी भी कर ली थी, लेकिन ऐन मौके पर राज्य और केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों ने आपसी विचार-विमर्श के बाद अमृतपाल को एक साल के लिए और एनएसए के तहत बंदी रखने का फैसला लिया है। अमृतसर के जिला मजिस्ट्रेट की सिफारिश पर राज्य के गृह विभाग ने एक साल की हिरासत अवधि को और बढ़ाया है। अमृतपाल के ऊपर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के के अतिरिक्त अवैध गतिविधि निरोधक अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी केस दर्ज है।

खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस पंजाब दे का स्वयंभू मुखिया बना अमृतपाल देश विरोधी विचारों से लैस है और उस पर अपने साथियों के साथ गुरु ग्रन्थ साहिब की आड़ लेकर अजानला के थाने पर हमला करने का भी आरोप है। इसी अपराध के चलते उसको कई दिनों तक जान बचाने के लिए भागना भी पड़ा था परन्तु बाद में उसने पुलिस बल की सख्ती के सामने हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद अमृतपाल समेत खालिस्तान समर्थक संगठन के 10 सदस्यों को मार्च 2023 में डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में रखा गया था। उसे संगठन पर कार्रवाई के तहत पंजाब के विभिन्न हिस्सों से रासुका के तहत गिरफ्तार किया गया था। अमृतपाल सिंह के सात सहयोगियों को इसी साल 21 मार्च को पंजाब लाया गया था। इसके बाद पपलप्रीत को 11 अप्रैल को पंजाब लाया गया था। रासुका की अवधि खत्म होने पर उसके खिलाफ दूसरे मामले में मुकदमा चलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। अमृतपाल ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख कर संसद के अधिवेशन में हिस्सा लेने की भी गुहार लगाई थी और कहा था कि लगातार अनुपस्थित रहने के कारण उसकी सदस्यता जा सकती है।

ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप का सत्य उजागर

जिस अफसर पर उछल रहे थे, वह चुनावी ड्यूटी पर था ही नहीं

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ईवीएम में गड़बड़ी और उससे छेड़छाड़ का लगातार आरोप लगाने वाले लोगों का सच उजागर हुआ है।

एक पुलिस अधिकारी द्वारा ईवीएम से छेड़छाड़ किए जाने का आरोप लगाया गया और उस पुलिस अधिकारी से बयान भी दिलवाया गया। लेकिन जांच हुई तो सच्चाई कुछ और ही निकली। कांग्रेस टास्क फोर्स नामक सोशल मीडिया अभियान चलाने वाले अमित मयंक ने पुलिस सब इंसपेक्टर रंजीत कासले के बयान का वीडियो शेयर करते हुए लिखा था कि चुनावी ड्यूटी के दौरान उन्हें ईवीएम से छेड़छाड़ और वोटिंग मशीनों को स्ट्रांग रूम से हटाने के लिए 10 लाख रुपए की पेशकश की गई थी।

यह आरोप जिस पुलिस अधिकारी के जरिए लगाया गया, वह पहले ही निलंबित चल रहा था। इसके जानकारी के बावजूद चुनाव आयोग ने जिलाधिकारी और एसएसपी से इस मामले को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तलब की। जांच में पता चला कि जिस रंजीत कासले के जरिए आरोप लगाया गया वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की ड्यूटी पर था ही नहीं। रंजीत कासले के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए वरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मामला परली विधानसभा क्षेत्र का है।

पुलिस वाहन डायल 112 पर पथराव, छह आरोपी गिरफ्तार

गया, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले में डायल 112 पुलिस वाहन पर शरारती तत्वों ने पथराव का मामला प्रकाश में आया है। हालांकि, पुलिस ने पुलिस वाहन पथराव मामले में छह आरोपियों को वारदात स्थल से गिरफ्तार किया है। वहीं, स्थानीय थाना में छह नामजद और अन्य पर एफआईआर दर्ज किया गया है। वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। यह पूरा मामला गया जिले के गुरुआ थाना क्षेत्र के कौड़िया गांव की है।

मिली जानकारी के मुताबिक, गया के गुरुआ थाना क्षेत्र के कौड़िया गांव के रहने वाले हरिचंद मांझी के पुत्र का तिलकोत्सव समारोह चल रहा था। इसी बीच लड़के पक्ष के लोगों ने अपाची बाइक को लेकर लड़की पक्ष वाले भीड़ गए।

विवाद की गंभीरता को देखते हुए लड़की पक्ष के लोगों ने फौरन डायल 112 की पुलिस को सूचना दे दिया। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस कौड़िया गांव पहुंची। काफी देर तक पुलिस के सामने दोनों पक्षों के बीच नोक-झोंक होती रही।

किसी तरह डायल 112 की पुलिस दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर कर दोनों पक्षों को शांत करा दिया।

विवादित स्थल पर पहुंचने से पहले डायल 112 के पुलिस गांव के बाहर वाहन लगाकर कौड़िया गांव पहुंचे थे। जब दोनों पक्षों के विवाद सुलझा कर वाहन के पास लौट तो शरारती तत्वों ने पुलिस वाहन पर पथराव शुरू कर दिया। शरारती तत्वों के पथराव में पुलिसकर्मियों को तो कोई नुक़सान नहीं हुआ। लेकिन, पुलिस वाहन के शीशा टूट गया।

पुलिस वाहन पर पथराव के बाद डायल 112 के पुलिस ने गुरुआ थाना में छह नामजद और अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस एक्शन में आई और छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है।

सीएम ममता बनर्जी पर जमकर बरसे अखिलेश्वर दास कर डाली बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

दरभंगा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शन मंडल के सदस्य धर्माचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वर दास जी महाराज (अहमदाबाद) शनिवार को समस्तीपुर जिले में पहुंचे। जिला विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने डीएम रोशन कुशवाहा से मुलाकात की।

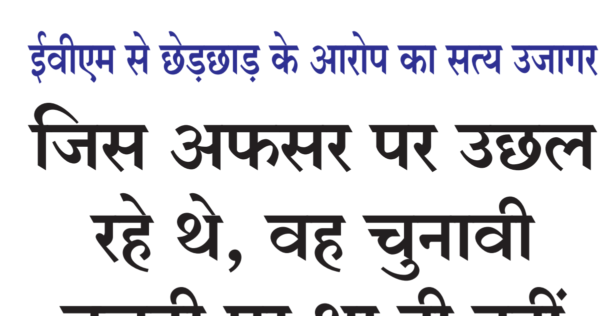

बता दें कि डीएम से मिलकर उन्होंने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने बंगाल में हो रही हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए ममता बनर्जी की सरकार को बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को ममता कहना ठीक नहीं होगा। उन्हें उन्होंने मुमताज बेगम बतलाते हुए कहा कि उन्होंने बंगाल में उपद्रवियों को छूट दे रखा है। ममता बनर्जी को राष्ट्रपति पदच्युत करते हुए बंगाल में तुरंत राष्ट्रपति शासन लागू करें। साथ ही बंगाल में जो हिंसा कर रहे हैं, उन्हें गिरफ्तार कर जेल के अंदर डालें और कड़ी से कड़ी सजा दें। साथ ही जो बाहरी हैं, उन्हें बाहर भेजें।

उन्होंने कहा कि राजकीय रोटी सेकने वाली ममता बनर्जी का जन्म हिंदू परिवार में हुआ है। लेकिन मैं उन्हें हिंदू नहीं मानता। वह मुसलमान की मसीहा बनी हुई हैं। ऐसे लोगों को राज्य सत्ता से दूर रखना चाहिए। अगर वह सत्ता में आएंगे तो हिंदुओं के ऊपर ही असर होगा, उन्हें सत्ता से उखाड़ कर फेंक देना चाहिए। इस दौरान समस्तीपुर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी के साथ ही आरएसएस और भाजपा से जुड़े कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

राणा सांगा पर सपाइयों की बेजा टिप्पणी पर बोले योगी आदित्यनाथ

ये जिन्नावादी हैं, अपने महापुरुषों का अपमान करते हैं

लखनऊ/गोरखपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

शूरवीर राणा सांगा के खिलाफ अभद्र एवं अमर्यादित टिप्पणी करने वाले सपा सांसद रामजीलाल सुमन के समर्थन में उतरे अखिलेश यादव की बेजा प्रतिक्रिया पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा जवाब दिया है। योगी ने कहा, ये ऐसे लोग हैं जो जिन्ना का महिमामंडन करते हैं और राणा सांगा जैसे महापुरुषों का मान मर्दन करते हैं।

सीएम योगी ने कहा, विपक्ष के लोग देश में जातीय संघर्ष करवाना चाहते हैं। सपा का एक संसद महाराणा सांगा का अपमान करता है। जबकि समाजवादी पार्टी जिन्ना का महिमामंडन करती है। सबका साथ सबका विकास अभियान को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती। समाज को जातीय आधार पर बांट कर रख देना चाहती है। आत्मनिर्भर और विकसित भारत में ही हर जाति और समुदाय का हित है। महर्षि वाल्मीकि की जन्मस्थली लालापुर का विकास सपा ने ही रोक दिया था। उल्लेखनीय है कि सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा था कि आगरा हिंसा के पीछे सरकार की फंडिंग है ताकि यह दिखाया जा सके कि राजपूत समाज उनके साथ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष के लोग जाति के नाम पर लोगों को फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए वे महापुरुषों के नाम का बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान बाबा साहेब ने दिया। यह प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है। सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया,लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए।

इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने। लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है। समाजवादी पार्टी ने अपने गठन के बाद षडयंत्र किए जिसके कारण समाज में अराजकता पैदा हो। कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए। आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हूं तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहेब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया।

इंग्लैंड के जिस भवन में रहकर बाबा साहेब ने डिग्री ली थी उसे वहां की सरकार बेच रही थी। मोदी सरकार ने उसे लेकर स्मारक बनाया। बाबा साहेब के पांच तीर्थ बनने में सपा, कांग्रेस या आरजेडी किसी का योगदान नहीं है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के नाम से मनाया जाता है।

बाबा साहेब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। हैदराबाद में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा था लेकिन बाबा साहेब ने पत्र लिख कहा था कि निजाम के सामने झुकना नहीं, किसी भी हाल में इस्लाम को न स्वीकारना।

कुशीनगर में मुसहर जाति के लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था। पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित कर दिए। ये काम सपा, बसपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं किया। संसद के तौर पर जब कुशीनगर में मुसहर जाति के लोगों के पास गया तब पता चला कि उनके राशन कार्ड सपा के पदाधिकारियों के पास थे। वो गरीबों का राशन उठते थे। डबल इंजन की सरकार जीरो पावर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रही है। 2017 के पहले यूपी में लोगों को राशन क्यों नहीं मिल पाता था। इंसेफलाइटिस को पूरी तरह समाप्त किया जा चुका है। बाबा साहेब अनुसूचित जाति के लोगों से कहते थे शिक्षित बनो। सपा ने कांशीराम के नाम से बने विश्वविद्यालय को उर्दू फारसी अरबी विश्वविद्यालय बना दिया।

ये लोग केवल वोट बैंक के रूप में अनुसूचित जाति को इस्तेमाल करना चाहते हैं। इन्होंने चार बार के शासन में गरीबों को मकान और राशन तक नहीं दिलवाया। अनुसूचित जाति को छात्रवृत्ति रोक दी। ये कार्य करते थे कि विकास हो लेकिन मेरा हो परिवार का हो। परिवार के आगे नहीं निकल पाए। मोदी सबको साथ लेकर चलते हैं। आज ये लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ना चाहते है। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ शुरू

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया उद्घाटन

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग खेलों के महत्व को समझे बिना कहा करते थे कि खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब, पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब। लेकिन, मैं समझता हूं कि नई कहावत मार्केट में आ गई है कि पढ़ोगे, लिखोगे और खेलोगे तो बनोगे उससे भी बड़े नवाब। आज माता-पिता अपने बच्चों को लिएंडर पेस, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा, पीवी सिंधु की तरह बड़ा खिलाड़ी बनते हुए देखना चाहते हैं।

राजधानी लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शनिवार को सांसद खेल महाकुंभ की शुरुआत हुई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से कई सांसदों ने अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर समाज के विकास के लिए एक नई राह तैयार की है। इस कड़ी में अब लखनऊ का नाम भी जुड़ गया है। किसी भी समाज के विकास के लिए यह जरूरी है कि खेल और खिलाड़ियों को महत्व दिया और उन्हें समझा जाए।

रक्षामंत्री ने कहा कि लखनऊ शहर अपने स्पोर्टिंग कल्चर के लिए उत्तर प्रदेश में ही नहीं, देश विदेश में भी जाना जाता रहा है। जिन महान हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के नाम से यह स्टेडियम जाना जाता है, उन्होंने यहां पर काफी लंबा समय बिताया है। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद ने भी लखनऊ को खासा समय दिया है। यहां की खेल संस्कृति को उन्होंने संवारा और निखारा है। उनके बेटे अशोक कुमार और ओलंपियन जमन लाल शर्मा की भी यह कर्मभूमि रही है।

राजनाथ ने कहा, एक समय था जब इसी केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शीशमहल ट्रॉफी के नाम पर क्रिकेट टूर्नामेंट होता था। टीम इंडिया के बड़े-बड़े खिलाड़ी यहां खेलते नजर आते थे। भले ही वह टूर्नामेंट अब नहीं होता, लेकिन उसकी स्मृतियां आज भी लोगों के जेहन में कायम हैं। आज यह सांसद खेल महाकुंभ भी लखनऊ के स्पोर्टिंग कैलेंडर से जुड़ चुका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्पोर्टिंग कल्चर का विकास हुआ है। पहले भारतीय खिलाड़ी जीतने से अधिक पार्टिसिपेट पर ही संतुष्ट हो जाया करते थे। लेकिन, आज भारत के खिलाड़ी पूरी दुनिया में जहां भी खेले, उन्हें गंभीरता से लिया जाता है। यह बहुत ही गौरव का विषय है। इसका सबसे बड़ा कारण बदलावों के बीच हमारी केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की स्पोर्ट्स फ्रेंडली पॉलिसी भी है। आज खेलो इंडिया के तहत तीन हजार से अधिक खिलाड़ियों को प्रति माह 50 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। जो उन्हें प्रशिक्षण, आहार, किट और उपकरण सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है। जमीनी स्तर पर खेलो इंडिया केंद्रों पर इस समय हजारों खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। मैं सभी खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज महाकुंभ जो यहां आयोजित किया गया है, उसके परिणाम आने वाले वर्षों में साफ दिखाई देंगे। जब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल कर लखनऊ की धरती पर लौटेंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा, खेलों को हम लोग गंभीरता से लेते हैं। आज हमारी सरकार 2026 में होने वाले ओलंपिक खेलों का आयोजन गुजरात में करने का पूरा प्रयास कर रही है। वहीं अन्य विश्व स्तरीय खेलों का आयोजन भारत में हो, इसका भी प्रयास चल रहा है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रचारकों को दिया निर्देश

शताब्दी वर्ष में प्रत्येक बस्ती में आयोजित होंगे हिंदू सम्मेलन

अलीगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के प्रवास के दौरान जिला और विभाग प्रचारकों के साथ बैठकें हुईं। पंच परिवर्तन के पांच और शाखा विस्तार के सात बिंदुओं पर प्रचारकों के साथ चर्चा की। विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में गणवेशधारी स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण तथा हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य तय किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने ब्रज प्रांत में संघ कार्य के विस्तार के मंत्र जिला और विभाग प्रचारकों को दिए। ब्रज प्रांत के प्रवास पर अलीगढ़ आए संघ प्रमुख ने 18 अप्रैल को दो सत्रों में प्रचारकों के साथ बैठकें कीं। कार्य विस्तार के तहत पंच परिवर्तन के पांच और शाखा विस्तार के सात बिंदुओं पर प्रचारकों के साथ चर्चा की। शताब्दी वर्ष में संघ के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति तैयार की गई। विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में गणवेशधारी स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण तथा हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य तय किया गया।

संघ प्रमुख ब्रज प्रांत के प्रवास पर 17 अप्रैल की शाम को अलीगढ़ आए। यहां 21 अप्रैल तक मथुरा रोड स्थित केशव सेवाधाम परिसर में स्थित डॉ.शन्नोरानी सरस्वती कन्या महाविद्यालय में रुकेंगे। 18 अप्रैल को उन्होंने ब्रज प्रांत के 29 जिलों के जिला प्रचारक और 8 विभागों के विभाग प्रचारकों के साथ सुबह और शाम के दो सत्रों में बैठकें कीं। पहले सत्र में पंच परिवर्तन पर चर्चा हुई, जिसमें कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि इन बिंदुओं पर आधारित कार्य करके परिवारों को मजबूत करना है, पर्यावरण को शुद्ध करना है और सभी तरह के मतभेद भुलाकर समाज को एकजुट करना है। इसी तरह अपनी सांस्कृतिक विरासत का बोध करते हुए समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। इस संबंध में प्रचारकों को साहित्य भी दिया गया।

दूसरे सत्र की बैठक में शाखा विस्तार पर जोर दिया गया। इसके तहत प्रत्येक बस्ती में घर-घर जाकर संघ के स्वयंसेवक संपर्क करेंगे और संघ की जानकारी देंगे। इसी तरह प्रत्येक बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिला केंद्रों पर नागरिक गोष्ठियों का आयोजन, नगर केंद्रों पर सामाजिक सद्भाव बैठकें होंगी। अभियान के तहत अधिकतम शाखाएं लगाई जाएंगी। युवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा संघ के स्थापना दिवस विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में अधिकतम गणवेशधारी स्वयंसेवकों के कार्यक्रम होंगे। संघ प्रमुख के साथ बैठक के बाद सभी जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक अपने-अपने क्षेत्रों में रवाना हो गए।

गोरखपुर में 1498 करोड़ की 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

पूरी दुनिया देख रही है नया उत्तर प्रदेश : योगी

गोरखपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद गोरखपुर में 1498 करोड़ रुपए लागत की 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को टूलकिट, प्रतीकात्मक चेक व चाभी, प्रमाण पत्र, लैपटॉप तथा पांच आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन तथा महिलाओं की गोदभराई की। विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता। जो लोग विकास नहीं कर सकते वे लोग जाति, मत, पंथ, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर सामाजिकता के ताने-बाने को छिन्न भिन्न कर सकते हैं। वर्ष 2017 के पहले का प्रदेश और वर्ष 2014 के पहले का भारत भ्रष्टाचार के आतंक में डूबा हुआ था। विश्वास का वातावरण नहीं था, नौजवान भटक रहा था, नक्सलवाद और आतंकवाद देश की सुरक्षा को चुनौती दे रहा था। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम एक नया भारत देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। आज के भारत ने आतंकवाद व नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के संकल्प के साथ जो कार्य प्रारम्भ किया, वह सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंच कर दुनिया के सामने मॉडल बना है। विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय स्थापित करते हुए नया भारत 140 करोड़ भारतवासियों के जीवन में परिवर्तन करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश और नए उत्तर प्रदेश का नया गोरखपुर दुनिया के सामने है। नए उत्तर प्रदेश में अन्नदाता किसानों का सम्मान है। नारी गरिमा तथा व्यापारियों की सुरक्षा व नौजवानों के रोजगार की गारण्टी भी नए उत्तर प्रदेश में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 08 वर्षों के इस विकास यात्रा को आपने बदलते हुए परिवेश में देखा है। नौजवानों को मिलने वाली नौकरियों, बेटियों और बहनों को मिलने वाली सुरक्षा तथा अन्नदाता किसानों के जीवन में होने वाले परिवर्तन को देखा है। वर्ष 2017 से पहले गोरखपुर में विद्युत आपूर्ति कम होती थी। शहर में 05 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में सप्ताह में रोटेशन में विद्युत आपूर्ति होती थी। आज 24 घंटे विद्युत आपूर्ति हो रही है। पहले गोरखपुर से बड़हलगंज पहुंचने में 03 घंटे लगते थे। आज मात्र 45 मिनट में बड़हलगंज से गोरखपुर आ सकते हैं। पहले भटहट से गोरखपुर आने में 01 घण्टा लगता था। आज भटहटसे गोरखपुर के लिए 4-लेन सड़क बन गई है। भटहट में आयुष विश्वविद्यालय बन रहा है। यह परिवर्तन एक सकारात्मक सोच के कारण ही हो पाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यहां स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था। लोगों को इंसेफेलाइटिस, मलेरिया, डेंगू जैसी अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ता था। गोरखपुर के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। नौजवान पलायन को मजबूर था। पूर्वी उत्तर प्रदेश में मुसहर जनजाति भुखमरी का शिकार होती थी। बुन्देलखण्ड में किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर था। बेटी व बहन घर से बाहर निकलने तथा व्यापारी व्यापार करने में असुरक्षा महसूस करता था। आज उत्तर प्रदेश माफिया, गुण्डा, दंगा मुक्त हो गया है। 'एक जनपद-एक उत्पाद', 'एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज' पर कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले भूमि के लिए गोरखपुर विकास प्राधिकरण और किसानों के मध्य संघर्ष होता था। हमने उनकी समस्याओं का समाधान किया। आज गरीबों के लिए मकान बन रहे हैं। फर्टिलाइजर कारखाना, सैनिक स्कूल, पिपराइच की चीनी मिल पुनः प्रारम्भ हो गई है। गोरखपुर में सड़कों का नया जाल बिछ चुका है। लखनऊ, वाराणसी, नेपाल, कुशीनगर और देवरिया को 4-लेन की कनेक्टविटी के साथ जोड़ा गया है। आज गोरखपुर एयर कनेक्टिविटी के साथ जुड़ चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हो रहा है, यह परियोजनाएं गोरखपुर की सभी 09 विधानसभाओं के लिए हैं। पहले कोई सोचता था कि गोरखपुर में फर्टिलाइजर कारखाना फिर से प्रारम्भ होगा। गोरखपुर में एम्स आएगा, गोरखपुर से 14 फ्लाइटें चलेंगी। बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बनेगा, आयुष विश्वविद्यालय बनेगा। पिपराइच की चीनी मिल, बड़हलगंज में होम्योपैथिक कॉलेज चल पाएगा। कोई सोचता था कि गीडा में उद्योग आएंगे। गोरखपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लिंक एक्सप्रेस-वे आएगा, लेकिन आज यह सब हकीकत है। पहले कोई सोचता भी नहीं था कि रामगढ़ताल झील का रूप लेगा, आज यह हकीकत में एक विश्वस्तरीय झील है। यह झील गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश, नेपाल तथा बिहार के लोगों के लिए पयर्टन के आकर्षण का केन्द्र बनी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक सकारात्मक सोच बनती है, तभी विकास आगे बढ़ता है। आज गोरखपुर का विकास देखकर लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं कि यह वही गोरखपुर है, जो पहले था। आज कोई भी वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, अयोध्या, मेरठ, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहारनपुर तथा अन्य तमाम जनपदों में जाता है तो कहता है कि विकास हुआ है। आज उत्तर प्रदेश नई पहचान बना रहा है। बेटियां बिना भय के स्कूल जा रही हैं, नौजवान स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त कर रहा है, यही परिवर्तन है। आज नए उत्तर प्रदेश में बिना भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। नए उत्तर प्रदेश में स्थानीय हस्तशिल्पियों को आगे बढ़ाने के लिए एक जनपद-एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पी0एम0 विश्वकर्मा योजना सुचारू ढंग से संचालित हो रही हैं। स्ट्रीट वेण्डरों के लिए भी एक नई योजना आयी है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत घरौनी वितरित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कोई भूखा नहीं मर सकता। आज प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। कुछ ही दिनों में जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए डबल इंजन सरकार एक नए कार्यक्रम को लेकर आ रही है। हर ग्राम पंचायत में ऐसे परिवार, जो किसी कारणवश शासकीय योजनाओं से वंचित रह गये हैं, उनका सर्वे कराया गया है। उन सभी को अपने-अपने जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योजनाओं से आच्छादित करने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। जिसके पास मकान नहीं है, उनको पक्का मकान मिलेगा। जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उन्हें आयुष्मान कार्ड प्राप्त होगा। जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें राशन कार्ड मिलेगा। जिन पात्र व्यक्तियों को पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है, उन्हें पेंशन का लाभ मिलेगा। जिनके पास रोजगार नहीं है, उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास डबल इंजन सरकार कर रही है।

बसपा में घर वापसी का दौर, संगठन की मजबूती पर जोर

मुरादाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

बहुजन समाज पार्टी में घर वापसी का दौर चल रहा है। वापसी के साथ संगठन की मजबूती पर जोर दिया जा रहा है। गिरीश चंद्र की पार्टी में वापसी के बाद इन नेताओं की भी नजर है। आकाश आनंद और नगीना के पूर्व सांसद गिरीश चंद्र की वापसी के बाद अब पश्चिमी यूपी के पूर्व बसपा नेताओं पर पार्टी की नजर है। बसपा से निकाले गए या छोड़कर गए कुछ नेता पार्टी में वापसी की राह देख रहे हैं। इसमें पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक भी शामिल हैं। पूर्व नेताओं की घर वापसी कर बसपा संगठन को मजबूत करना चाहती है।

वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा का प्रदर्शन निराशाजनक था। इसके बाद से पार्टी का जनाधार लगातार गिरता जा रहा है। 2012 से 2024 के बीच हुए तीन विधानसभा चुनावों में बसपा मंडल में एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन के सहारे पार्टी मंडल की तीन सीटें जीतने में सफल रही थी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में अकेले उतरी बसपा 2019 की सफलता को नहीं दोहरा पाई।

वहीं बसपा के गिरते जनाधार के बीच हाथी के साथी भी लगातार बिछड़ते चले गए। कभी पश्चिमी यूपी में पार्टी का चेहरा रहे 15 से अधिक पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री और पदाधिकारी अब बसपा में नहीं हैं। कुछ को बसपा प्रमुख मायावती ने अनुशासनहीनता का हवाला देकर पार्टी से निकाल दिया तो कुछ ने खुद ही पार्टी से किनारा कर लिया। माफी मांगने पर पिछले दिनों भतीजे आकाश आनंद की बसपा में वापसी हो गई। इसके बाद बृहस्पतिवार को पूर्व सांसद गिरीश चंद्र को दोबारा पार्टी में शामिल कर लिया गया। यही नहीं, गिरीश चंद्र को बिजनौर और अमरोहा के मुख्य सेक्टर प्रभारी की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई। वहीं चार माह पहले पार्टी से निकाले गए प्रमोद निरंकारी को फिर से रामपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

इसके साथ ही बसपा ने संगठन को दोबारा से मजबूत करने के लिए नए सिरे से काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी की नजर उन नेताओं पर है, जो पूर्व में बसपा से जुड़े थे और किसी कारणवश पार्टी से निकाले गए या खुद ही पार्टी छोड़कर गए चले गए थे। ऐसे कुछ नेता पार्टी के संपर्क में भी हैं।

जिज्ञासा

जेटलैग क्या है?

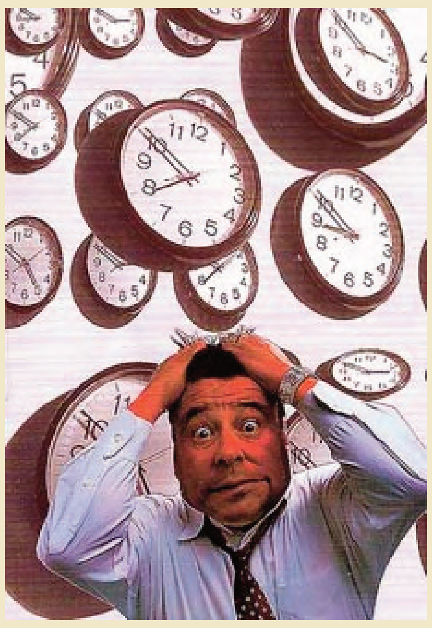

जब आप हवाई सफर करते हैं, तो दूसरे देश में पहुंचकर ज्यादा थकावट महसूस होती है। क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है?

वैज्ञानिक भाषा में इस तरह होने को जैटलैग कहा जाता है। यानी अलग-अलग समयचक्र वाले देशों में जाने पर थकान ज्यादा महसूस होती है। वैज्ञानिकों ने अब पता लगाया है कि आदमी के दिमाग में दो समय केंद्र होते हैं, जिनमें से एक तो घड़ी के मुताबिक चलता है और दूसरा दिन निकलने और रात होने के प्रभाव में रहता है। वैज्ञानिकों के अनुसार जब दिमाग के ये दोनों केंद्र आपस में तालमेल नहीं बिठा पाते, तो जैटलैग महसूस होता है। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि इन कारणों का पता लगाए जाने के बाद ऐसी कोई दवाई बनाई जा सकती है, जिससे जैटलैग पर काबू पाया जा सके। असल में दिमाग में सुपराशियास्मेटिक न्यूक्लियस नाम के एक छोटा-सा हिस्सा होता है जो नींद, हारमोन और शरीर के तापमान के उतार-चढाव को नियंत्रित करता है। कहा जाता है कि दिमाग का यही हिस्सा दिन निकलने और दिन ढलने जैसे बाहरी तत्वों के असर में रहता है। दिमाग का दूसरा छोटा हिस्सा 24 घंटे के चक्र से प्रभावित होता है और यह बाहरी तत्वों से अप्रभावित रहता है।

हमारा राष्ट्रीय जलीयजीव डॉलफिन

बच्चो, आज से कुछ देर पहले हमने आपको अपने देश के चिन्हों के बारे में बताया था। अपने देश की अन्य जरूरी और राष्ट्रीय वस्तुओं के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए। इसलिए आइए आज आपको देश की कुछ अन्य चीजों के बारे में बताते हैं, जिन्हें देश के प्रतीक के रूप में पहचाना जाता है। यह ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में आपने सुना तो होगा, लेकिन यह पता नहीं होगा कि ये हमारे राष्ट्र से जोड़कर देखी जाती हैं। आइए इन पर एक नजर डालें—

राष्ट्रीय नदी

गंगा नदी भारत की राष्ट्रीय नदी है। यह हमारे देश की सबसे लंबी नदी है, जो पर्वतों, घाटियों और मैदानों में 2,510 किलोमीटर की दूरी तय करती है। यह हिमालय के गंगोत्री ग्लेशियर में भागीरथि नदी के नाम से बर्फ के पहाड़ों के बीच जन्म लेती है। इसमें आगे चलकर अन्य नदियां जुड़ती हैं, जैसे कि अलकनंदा, यमुना, सोन, गोमती, कोसी और घाघरा। गंगा नदी का बेसिन विश्व के सबसे अधिक उपजाऊ क्षेत्र के रूप में जाना जाता है और यहां सबसे अधिक घनी आबादी निवास करती है। नदी पर दो बांध बनाए गए हैं- एक हरिद्वार में और दूसरा फरक्का में। इस नदी को शास्त्रों में भी पवित्र नदी कहा गया है। मुख्य धार्मिक आयोजन नदी के किनारे स्थित शहरों में किए जाते हैं जैसे वाराणसी, हरिद्वार और इलाहाबाद। बंगाल की खाड़ी में मिलकर इसकी यात्रा पूरी होती है।

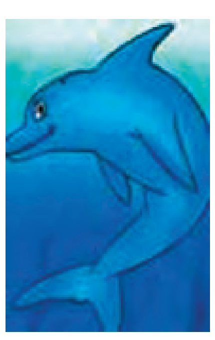

जलीय जीव

आपको यह जरूर पता होना चाहिए कि डॉलफिन मछली हमारा राष्ट्रीय जलीय जीव है। मगर इसमें एक बात ध्यान में रखें कि जिस डॉलफिन को राष्ट्रस जलीय जीव की सज्ञा दी गई है, वो मीठे पानी की डॉलफिन है। खास बात यह है कि यह हमारी पवित्र नदी गंगा में ही पाई जाती है। यह केवल शुद्ध और मीठे पानी में ही जीवित रह सकती है। प्लेटेनिस्टा गेंगेटिका नामक यह मछली लंबे नोकदार मुंह वाली होती है और इसके ऊपरी तथा निचले जबड़ों में दांत भी दिखाई देते हैं। इनकी आंखें लैंस रहित होती हैं और इसलिए ये केवल प्रकाश की दिशा का पता लगाने के साधन के रूप में कार्य करती हैं। इस स्तनधारी जंतु का माथा होता है जो सीधा खड़ा होता है। इन्हें स्थानीय भाषा में इसे सुसु कहा जाता है क्योंकि यह सांस लेते समय ऐसी ही आवाज निकालती हैं। इस प्रजाति को भारत, नेपाल, भूटान और बंगलादेश की गंगा, मेघना और ब्रह्मपुत्र नदियों में तथा बंगलादेश की कर्णफूली नदी में देखा जा सकता है। पिछले समय में इस प्रजाति का बड़ी तादाद में शिकार किया गया, जिस कारण ये अब संकट में आ गई है। भारत सरकार ने इसे वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम 1972 में शामिल किया है।

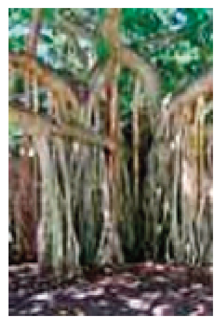

राष्ट्रीय पेड़

भारतीय बरगद का पेड़ फाइकस बैंगालेंसिस, जिसकी शाखाएं और जड़ें एक बड़े हिस्से में एक नए पेड़ के समान लगने लगती हैं, को राष्ट्रीय पेड़ बनाया है। इसके लंबे जीवन की विशेषता के कारण इसे अनश्वर माना जाता है। यह भारत के इतिहास और लोक कथाओं का एक अविभाज्य अंग है। आज भी बरगद के पेड़ को ग्रामीण जीवन का केंद्र बिंदु माना जाता है और गांव की परिषद इसी पेड़ की छाया में बैठक करती है। देश के विभिन्न इलाकों में इस पेड़ की पूजा की जाती है। शहरों में इस पेड़ की संख्या बहुत कम हो चुकी है। हम सबको इस ओर ध्यान देना चाहिए।

राष्ट्रीय पंचांग

हमारा राष्ट्रीय कैलेंडर शक संवत पर आधारित है, चैत्र इसका माह होता है। राष्ट्रीय कैलेंडर की तिथियां ग्रेगोरियम कैलेंडर की तिथियों से स्थाई रूप से मिलती-जुलती हैं। सामान्यत: 1 चैत्र 22 मार्च को होता है और लीप वर्ष में 21 मार्च को।

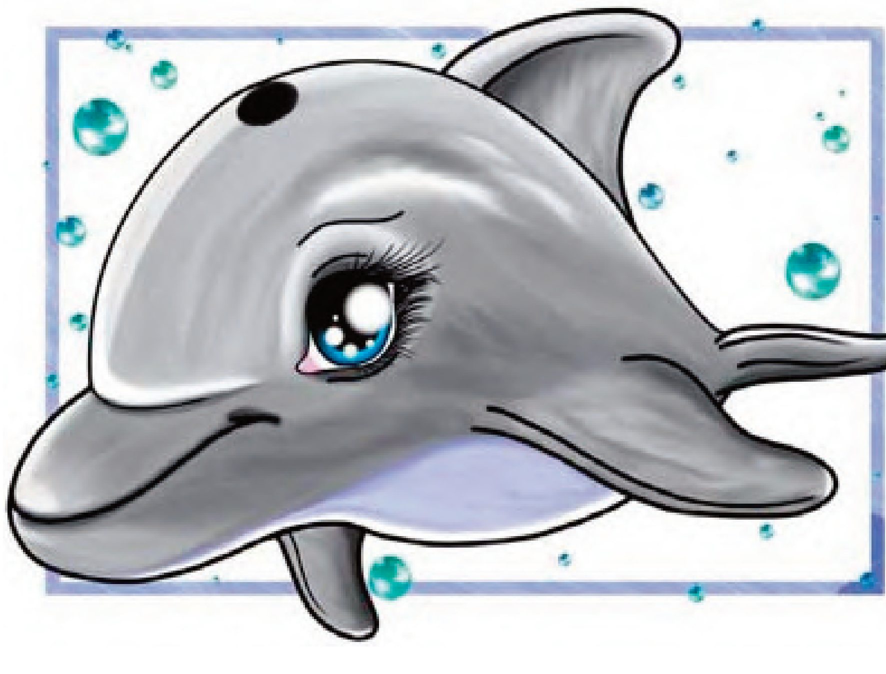

राष्ट्रीय पशु

राजसी बाघ, तेंदुआ टाइग्रिस धारीदार जानवर है। इसका मोटा पीला लोमचर्म का कोट होता है, जिस पर गहरी धारीदार पट्टियां होती हैं। लावण्यता, ताकत, फुर्तीलापन और अपार शक्ति के कारण बाघ को भारत के राष्ट्रीय जानवर के रूप में गौरवान्वित किया है। ज्ञात आठ किस्मों की प्रजाति में से शाही बंगाल टाइगर (बाघ) उत्तार पूर्वी क्षेत्रों को छोड़कर देश भर में पाया जाता है और पड़ोसी देशों में भी पाया जाता है, जैसे नेपाल, भूटान और बांग्लादेश। भारत में बाघों की घटती जनसंख्या की जांच के लिए अप्रैल 1973 में प्रोजैक्ट टाइगर (बाघ परियोजना) शुरू किया गया।

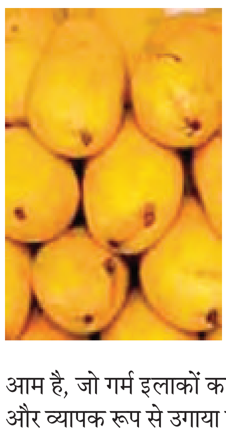

राष्ट्रीय फल

अंत में एक और जरूरी बात। हमारा राष्ट्रीय फल एक गूदे दार फल है, जो पकने पर खाया जाता है। अगर यह कच्चा हो, तो इसका आचार डाला जाता है। जी हां, यह मेग्नीफेरा इंडिका का फल अर्थात आम है, जो गर्म इलाकों का सबसे अधिक महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से उगाया जाने वाला फल है। इसका रसदार फल विटामिन ए, सी तथा डी का एक समृद्ध स्रोत है। भारत में विभिन्न आकारों, मापों और रंगों के आमों की 100 से अधिक किस्में पाई जाती हैं। आम को बहुत पुराने समय से भारत में उगाया जाता रहा है। कवि कालीदास ने इसकी प्रशंसा में गीत लिखे हैं।

बारिश के बाद इन्द्रधनुष क्यो?

बच्चो, बारिश होकर हटने के बाद जब एकदम धूप निकलती है, तो आपको आसमान पर आसमान में इंद्रधनुष दिखाई देता है। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों और कैसे होता है?

आसमान में इंद्रधनुष का बनना असल में बारिश की नन्ही बूंदों का कमाल है। बारिश के दिनों में बारिश की नन्ही-नन्ही बूंदें प्रि म का काम करती हैं। इंद्रधनुष के बनने का सिद्धांत यह है कि जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम में प्रवेश करता है, तो थोड़ा सा झुक जाता है।

एक नन्ही बूंद में दो सतहें होती है। जब सूर्य का प्रकाश बूंद के अंदर प्रवेश करता है, तो पहली सतह से टकराकर वह थोड़ा झुक जाता है। अब यह हम जानते ही हैं कि सूर्य के प्रकाश में सात रंग होते हैं, तो रंगों के बंडल बूंद में प्रवेश करने के बाद अलग-अलग रंग अपने-अपने हिसाब से झुकते हैं और सातों रंग दिखाई देने लगते हैं। और फिर जब अलग-अलग हुए रंग दूसरी सतह से बाहर निकलते हैं, तो फिर से थोड़ा-थोड़ा झुक जाते हैं और एक रंग का एक पट्टा दूसरे से अलग हो जाता है। इस तरह दो बार झुकने के कारण हमें रंगीन धनुष जैसी आकृति आसमान में दिखाई देती है, जिसे हम इंद्रधनुष कहते हैं। लाल रंग का प्रकाश कम मुड़ता है और इसलिए वह इंद्रधनुष में सबसे ऊपर दिखाई देता है, जबकि बैंगनी रंग का प्रकाश सबसे ज्यादा मुड़ता है इसलिए वह सबसे नीचे होता है।

सागरमथा

माउंट एवरैस्ट बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए धर्म का प्रतीक है। नेपाल में माउंट एवरैस्ट को सागरमथा कहा जाता है, जिसका अर्थ है आकाश में माथा...

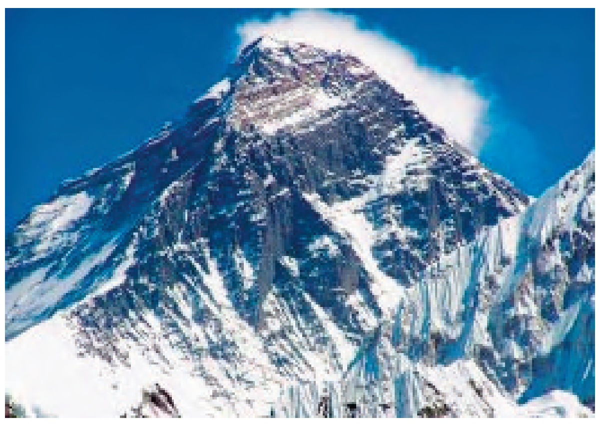

माउंट एवरैस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर (29,028 फुट) है। दुनिया की सबसे ऊंची ईमारत बुर्ज दुबई से भी यह करीब साढ़े बारह गुना ऊंची है। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी ऊंचाई हर साल एक इंच बढ़ जाती है।

तिब्बती भाषा बोलने वाले माउंट एवरैस्ट को 'चोमोलूंगमा' कहते हैं, जिसका अर्थ है 'देवी, दुनिया की मां'। इसका नाम सर जॉर्ज एवरैस्ट के नाम पर रखा गया। वह 1829 से 1843 तक भारत में सर्वेयर जनरल थे। माउंट एवरैस्ट की लोकेशन व ऊंचाई रिकॉर्ड करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 1856 में इस बात की पुष्टि की गई कि यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

माउंट एवरैस्ट ग्लेशियर्स से ढंका हुआ है। यहां का तापमान शून्य से 45 डिग्री सैल्यिस नीचे तक गिर सकता है। यहां इतनी ठंड होती है कि प्लास्टिक भुरभुरा हो जाता है, बैटरियां काम करना बंद कर देती हैं और थूक जमीन पर पहुंचने से पहले ही जम जाती है।

माउंट एवरैस्ट की ऊंचाई दुनिया भर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करती है। अब तक करीब चार हजार लोगों ने इस चुनौती को पूरा करने की कोशिश की है। इनमें से अधिकतर कोशिशें मॉनसून से पहले मई में और मॉनसून के बाद सितंबर व अ तूबर के महीनों के दौरान की गईं।

25,000 वर्ग फुट की ऊंचाई पर समुद्र के तल की अपेक्षा ऑक्सीजन केवल एक-तिहाई ही है। इस कारण हाइपोथर्मिया व फ्रोस्ट-बाइट की समस्याओं के अलावा फेफड़ों व दिमाग से संबंधित परेशानियां भी हो सकती हैं। जो पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन लेकर चढ़ाई करते हैं, उनमें भी कमजोरी, फैसला लेने में कठिनाई, सिर दर्द, नॉजिया, डबल विजन और कई बार मतिभ्रम के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसके बावजूद कई पर्वतारोहियों ने बगैर ऑक्सीजन के एवरैस्ट की चोटी तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

- 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉर्वे एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे।
- सबसे तेज गति से पहाड़ की चोटी पर पहुंचने का रिकॉर्ड फ्रांस के जीन-मार्क बॉयविन के नाम है। वह पैराग्लाइडर से केवल 11 मिनट में एवरैस्ट की चोटी पर उतरने में सफल रहे।
- नेपाल के मोनो मुलेपति और पेम दोरजी शेरपा ने 30 मई, 2005 को यहां विवाह रचाया। शादी की रस्मों को पूरा करने के लिए वे एक पुजारी को भी अपने साथ लेकर गए। वो भी एक पर्वतारोही था।
- 76 साल की उम्र में एवरैस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले मिन बहादुर शेरचन सबसे बड़ी उम्र के थे।
- नेपाल का 15 वर्षीय तेंबा तशेरी माउंट एवरैस्ट पर चढ़ने वाला सबसे छोटी उम्र का व्यक्ति था।
- 16 मई, 1973 को एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचे वाली पहली महिला जापान की जूंको तबई थी।
- माउंट एवरैस्ट की चोटी पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड बाबू चिरी शेरपा के नाम है। उन्होंने यहां साढ़े इक्कीस घंटे बिताए।

गुरुवे नमः

घर में हमें माता-पिता, बड़े भाईबहनों और परिवार के अन्य सदस्यों से शिक्षा मिलती है और घर से बाहर स्कूल और कॉलेज में हमारे शिक्षक हमें शिक्षा प्रदान करके जीवन जीने का सही रास्ता दिखाते हैं। हमारे जीवन में शिक्षक का स्थान बड़ा ऊंचा है। इसलिए शिक्षक को राष्ट्रनिर्माता भी कहा जाता है।

हमारे महापुरुषों ने भी गुरु को ईश्वर से बड़ा दर्जा दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर ईश्वर और गुरु दोनों इकट्ठे सामने आ जाएं, तो वह पहले अपने गुरु को ही नमन करेंगे।

बच्चे तो कच्ची मिट्टी के समान होते हैं, जिन्हें शिक्षक ही सुघड़ और सुंदर मूर्ति का आकार देकर जीने की राह सिखाते हैं। शिक्षक ही शिष्य के गुण पहचान कर उसे तराशते हैं। शिक्षक का प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और आर्शीवाद शिष्यों को ऊंचा मुकाम हासिल करने में मदद करता है। जो बच्चे अपने शिक्षक की बताई बातों को अपनाते हैं, वे सफलता की मंजिल आसानी से पा लेते हैं।

शिक्षा के बिन जीवन आधूरा है और गुरु के बगैर ज्ञान पाना संभव नहीं है। महान अध्यापकों की सेवाओं को याद करने और पूरे साल हमें तराशने का काम करने वाले हमारे अध्यापकों को हम साल में एक दिन समर्पित करते हैं और उसे मनाते हैं शिक्षक दिवस के रूप में।

5 सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के पहले राष्ट्रपति व सुप्रसिद्ध दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन का इस दिन जन्मदिन होता है। यह दिवस ज्ञान की सौगात देने वाले शिक्षक को नमन करने का दिन है। शिक्षक दिवस अपने आदरणीय आध्यापकों के प्रति पूर्णतया आदरभाव रखने का संकल्प करने का भी दिवस है।

वादा करें कि आप हमेशा अपने अध्यापकों का सम्मान करेंगे और उन्हें प्यार देंगे। उनके आर्शीवाद और अपनी लगन से कड़ी मेहनत करके देश के अच्छे नागरिक बनेंगे। लेकिन याद रहे कि आपका प्यार सिर्फ एक दिन का मोहताज न रहे, बल्कि झताउम्र आप अपने शिक्षकों को वही प्यार व सम्मान दें।

वह था एक मूर्ख गधा

बाल कहानी

किसी जंगल में एक शेर रहता था। एक सियार उसका सेवक था। एक बार एक हाथी से शेर की लड़ाई हो गई। शेर बुरी तरह घायल हो गया। वह चलने-फिरने में भी असमर्थ हो गया। आहार न मिलने से सियार भी भूखा था।

शेर ने सियार से कहा-'तुम जाओ और किसी पशु को खोजकर लाओ।' सियार किसी जानवर की खोज करता हुआ एक गांव में पहुंच गया। वहां उसने एक गधे को घास चरते हुए देखा। सियार गधे के पास गया और बोला-'मामा, प्रणाम! बहुत दिनों बाद आपके दर्शन हुए हैं। आप इतने दुबले कैसे हो गए?' गधा बोला-'भाई, कुछ मत पूछो। मेरा स्वामी बड़ा कठोर है। वह पेटभर कर घास नहीं देता।' सियार ने कहा-'मामा, उधर नदी के किनारे एक बहुत बड़ा घास का मैदान है। आप वहीं चलें और मेरे साथ आनंद से रहें।' गधे ने कहा-'भाई, मैं तो गांव का गधा हूं। वहां जंगली जानवरों के साथ मैं कैसे रह सकूंगा?' सियार बोला- 'मामा, वह बड़ी सुरक्षित जगह है। वहां किसी का कोई डर नहीं है। तीन और गधे वहां रहते हैं।' चाहो तो उन तीनों दोस्त बना सकते हो। गधा लालच में आ गया। गधे को लेकर धूर्त सियार वहां पहुंचा, जहां शेर छिपा हुआ बैठा था। शेर ने पंजे से गधे पर प्रहार किया लेकिन गधे को चोट नहीं लगी और वह डरकर भाग खड़ा हुआ।

तब सियार ने नाराज होकर शेर से कहा-'तुम एकदम निकम्मे हो गए! शेर झेंपता हुआ बोला-'मैं उस समय तैयार नहीं था, इसीलिए चूक हो गई।' सियार ने कहा 'अच्छा, अब तुम पूरी तरह तैयार होकर बैठो, मैं उसे फिर से लेकर आता हूं।' वह फिर गधे के पास पहुंचा। गधे ने सियार को देखते ही कहा-'तुम तो मुझे मौत के मुंह में ही ले गए थे। पता नहीं वह क्या था।' सियार ने हंसते हुए कहा-'अरे तो बिल्कुल कायर निकले! वह तो गधा था, तुम्हें देखने आया था। अब वह तुम्हें याद कर रहा है।' गधा बातों में आ गया। इस बार शेर नहीं चूका। भोजन करने से पहले शेर स्नान करने के लिए चला गया। इस बीच सियार ने उस गधे का दिल और दिमाग खा लिया। शेर स्नान करके लौटा तो नाराज होकर बोला- 'ओ सियार के बच्चे! तूने मेरे भोजन को जूठा क्यों किया? तूने इसके ह्रदय और सर क्यों खा लिए ?'

धूर्त सियार गिड़गिड़ाता हुआ बोला-'महाराज, मैंने तो कुछ भी नहीं खाया है। इस गधे का दिल और दिमाग था ही नहीं, यदि इसके होते तो यह दोबारा मेरे साथ कैसे आ सकता था।'

हम बताएं, आप बनाएं

तेज रफ्तार से पहुंचाए संदेश

जब हम किसी वस्तु को छूते हैं, तो हम अपने दिमाग तक यह संदेश 124 मील प्रति घंटे की रफ्तार से भेजते हैं। हमारे शरीर में हर सेकंड 25 मिलियन नई कोशिकाएं यानी सैल्स बनते हैं, जो लगभग कनेडा की जनसंख्या के बराबर है।

फेसबुक, एक्स, इंस्टा ने नहीं सुनी नेपाल सरकार की बात, अब प्रतिबंध लगाने की तैयारी

काठमांडू ,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

नेपाल सरकार की ओर से बार-बार आग्रह करने के बाद भी कई सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में सरकारी निर्देशों के मुताबिक पंजीकरण कराने से इनकार कर दिया। इससे नाराज नेपाल सरकार ने अब इन सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है।

नेपाल सरकार के कानून के मुताबिक कराना होगा पंजीकरण

नेपाल सरकार के प्रवक्ता एवं सूचना-संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने शनिवार को काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जिन सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में अपना पंजीकरण नहीं कराया है, उन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। पहले तीन महीना और फिर बाद में एक महीने का समय दिया गया। इसके बाद भी सोशल प्लेटफार्म फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम ने नेपाल में पंजीकरण नहीं कराया है।

कहा कि 19 अप्रैल को अंतिम एक महीने की समय सीमा भी समाप्त हो चुकी है, इसलिए रविवार को नेपाल में पंजीकरण नहीं करने वाले सभी सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय किया जाएगा। नेपाल के नियम कानून को नहीं मानने वाले, नेपाल सरकार की सूचना को बेवास्त करने वाले सोशल मीडिया कंपनियों पर प्रतिबंध आवश्यक है।

नेपाल सरकार अपने कानून के मुताबिक फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाएगी।

नेपाल सरकार द्वारा सूचना जारी करने के बाद अब तक सिर्फ यूट्यूब, वाइबर, वीचैट और टिकटॉक ने नेपाल में अपना पंजीकरण कराया है। बाकी कंपनियों ने नेपाल सरकार के इस फरमान का जवाबी पत्र तक नहीं भेजा है। फेसबुक, वाट्सएप, मैसेंजर जैसी सोशल मीडिया साइट्स चलने वाली मेटा कंपनी ने तो नेपाल सरकार के साथ वर्चुअल मेटिंग तक से इंकार कर दिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

खाना बनाते वक्त नाव में हुआ धमाका 143 की मौत, कई दर्जन हुए लापता

मबंडाका। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में ईंधन ले जा रही एक बड़ी नाव में खाना बनाते वक्त धमाका हो गया। इसके बाद लोग घबरा गए और भगदड़ मच गई। इससे नाव असंतुलित होकर पलट गई। जिसके कारण 143 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई दर्जन लापता हो गए। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम के पास हुई। इस जगह पर यह दुनिया की सबसे गहरी नदी है। नाव तय सीमा से ज्यादा लोगों को लेकर यात्रा कर रही थी, तभी अचानक हुए विस्फोट से उस पर आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और नाव पलट गई। स्थानीय नागरिक समाज के नेता जोसेफ लोकोंडो ने कहा कि हमारी टीम ने शवों को दफनाने में मदद की है। मरने वालों लोगों की मौत जलने की वजह से हुई है तो कई लोग डूबने की वजह से मारे गए। फिलहाल स्थानीय लोग और प्रशासन मदद के लिए अपना काम कर रहा है। हम शवों की तलाश कर रहे हैं। जांच के लिए पहुंचे प्रतिनिधि मंडल के प्रमुख जोसेफिन लोकुम के मुताबिक इस घटना के बाद लोगों की तलाश जारी थी। हमने बुधवार को 131 शवों को बरामद किया, जबकि गुरुवार और शुक्रवार को हमें 12 शव और मिले हैं। इन शवों में से कई की हालत बहुत खराब है और कई बुरी तरह से जले हुए हैं। लोकुमु ने बताया कि शुरुआती जांच में अभी यह सामने आया है कि एक महिला ने नाव पर ही भोजन पकाने के लिए आग जलाई थी। वहां से थोड़ी ही दूरी पर बहुत ही ज्वलनशील ईंधन रखा हुआ था। आग के संपर्क में आते ही ईंधन में तेज विस्फोट हो गया, जिससे तत्काल ही कई लोगों की मौत हो गई ।

टाइप-5 डायबिटीज को लेकर चिकित्सा जगत में नई हलचल

न्यूयॉर्क। हाल ही में कम जानी-पहचानी बीमारी टाइप-5 डायबिटीज को लेकर चिकित्सा जगत में नई हलचल मच गई है। हाल ही में थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन (आईडीएफ) की बैठक में इसे पहली बार औपचारिक रूप से टाइप-5 डायबिटीज नाम दिया गया।

यह मधुमेह की एक अनोखी किस्म है, जो खासतौर पर कमजोर और कुपोषित युवाओं में पाई जाती है। इस बीमारी का पहली बार ज़िक्र 1955 में जमैका में हुआ था, जहां इसे जे-टाइप डायबिटीज कहा गया था। 1960 के दशक में भारत, पाकिस्तान और अफ्रीका जैसे देशों में कुपोषित किशोरों और युवाओं में इसके लक्षण देखे गए। 1985 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएच) ने इसे एक अलग प्रकार की डायबिटीज माना, लेकिन 1999 में शोध की कमी के कारण यह मान्यता वापस ले ली गई। अब, करीब सात दशक बाद, दुनिया फिर से इस बीमारी को गंभीरता से लेने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-5 डायबिटीज, टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज से पूरी तरह अलग है। पहले माना जाता था कि यह बीमारी इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण होती है, लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि इन मरीजों के शरीर में इंसुलिन बनता ही नहीं है।

पोटैशियम से भरपूर फल और सब्जियां खाकर नियंत्रित कर सकते हैं हाई ब्लडप्रेशर

ओटावा। डॉक्टरों की माने तो पोटैशियम से भरपूर फल और सब्जियां खाने से हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में

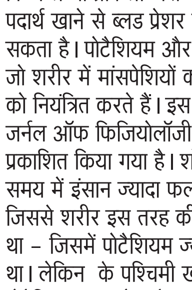

मदद मिल सकती है। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू के वैज्ञानिकों ने पाया कि खाने में पोटेशियम की मात्रा बढ़ाकर और नमक (सोडियम) की मात्रा घटाकर ब्लड प्रेशर को बेहतर ढंग से कंट्रोल किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आमतौर पर हमें कम नमक खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन हमारा अध्ययन बताता है कि केले या ब्रोकली जैसे पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने से ब्लड प्रेशर पर और भी अच्छा असर पड़ सकता है। पोटैशियम और सोडियम दोनों ही ऐसे तत्व हैं जो शरीर में मांसपेशियों की क्रिया और पानी की मात्रा को नियंत्रित करते हैं। इस अध्ययन को अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी- रीनल फिजियोलॉजी में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने कहा कि पुराने समय में इंसान ज्यादा फल और सब्जियां खाते थे, जिससे शरीर इस तरह की डाइट के हिसाब से ढल गया था - जिसमें पोटैशियम ज्यादा और सोडियम कम होता था। लेकिन के पश्चिमी खानपान में नमक ज्यादा और पोटेशियम कम होता है। शायद इसी कारण विकसित देशों में हाई ब्लड प्रेशर ज्यादा पाया जाता है, जबकि दूरदराज के इलाकों में यह कम होता है।

जेलों में सक्रिए इस्लामी गिरोह : चला रहे शरिया अदालतें, कहते हैं धर्म बदलो या मार खाओ

लंदन,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्रिटेन की हाई सिक्योरिटी जेलों में इस्लामी कट्टरपंथी गिरोहों ने आतंक का माहौल बना रखा है। एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह जेल कर्मचारियों को डराने-धमकाने के साथ-साथ गैर-मुस्लिम कैदियों को जबरन इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। जो कैदी इन गिरोहों की बात नहीं मानते, उन्हें हिंसा और धमकियों का सामना करना पड़ता है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जेल प्रशासन का नियंत्रण कमजोर पड़ता दिख रहा है।

ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिटेन की हाई सिक्योरिटी जेलों, जैसे कि एचएमपी फ्रैंकलैंड, व्हाइटमूर, और फुल सटन, में इस्लामी गिरोहों ने पूरे विंग पर कब्जा जमा लिया है। इस गिरोह को ब्रदरहुड के नाम से जाना जाता है और यह गैर-मुस्लिम कैदियों को धर्म परिवर्तन करो या मार खाओ का अल्टीमेटम दे रहे हैं। जो कैदी इन गिरोहों में शामिल होने या इस्लाम अपनाने से इनकार करते हैं, उन्हें हिंसक हमलों, धमकियों, या अलग-थलग यूनिट में भेजे जाने का खतरा रहता है।

2022 में आतंकवाद संबंधी कानून के स्वतंत्र समीक्षक जोनाथन हॉल केसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि जेल प्रशासन इस्लामी समूहों के प्रभाव को लंबे समय तक कम करके आंकता रहा है। उन्होंने कहा, जेलों में धार्मिक आधार पर स्व-विभाजन ने हिंसक इस्लामवादी गतिविधियों के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की है। कुछ जेलों में तो शरिया अदालतें स्थापित की गई हैं, जो इस्लामी कानून के उल्लंघन पर कोड़े मारने जैसी सजा देती हैं। इस्लामी गिरोहों का आतंक केवल कैदियों तक सीमित नहीं है। हाल ही में, मैनचेस्टर एरेना बम विस्फोट (2017) के दोषी हाशेम अबेदी ने एचएमपी फ्रैंकलैंड में तीन जेल अधिकारियों पर घरेलू हथियारों और गर्म तेल से हमला किया, जिसमें दो अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने जेलों में बढ़ते खतरे को उजागर किया है। जेल अधिकारियों का कहना है कि इस्लामी गिरोहों के प्रभाव को रोकने के लिए बनाए गए सेपरेशन सेंटर्स अब अप्रभावी हो चुके हैं। इन केंद्रों में केवल 28 जगहें हैं, लेकिन इनका उपयोग पूरी तरह नहीं हो रहा, क्योंकि कैदियों को वहां भेजने की प्रक्रिया जटिल है और मानवाधिकार कानूनों के उल्लंघन का डर रहता है। मुस्लिम कैदियों की संख्या में वृद्धि न्याय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इंग्लैंड और वेल्स की जेलों में मुस्लिम कैदियों की संख्या 2002 में 5,500 से बढ़कर 2024 में लगभग 16,000 हो गई है, जो कुल जेल आबादी का 18 प्रतिशत है। यह संख्या सामान्य आबादी में मुस्लिमों के अनुपात (6.5 प्रतिशत) से कहीं अधिक है। इनमें से 99 प्रतिशत कैदी गैर-आतंकवादी अपराधों के लिए सजा काट रहे हैं, लेकिन वे इस्लामवादी गिरोहों में शामिल होकर जेल के भीतर शक्ति हासिल कर रहे हैं।

अमेरिका ने साफ कर दिया वो यूक्रेन का क्रीमिया इलाका रूस को दिलाकर रहेगा

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। इसे रोकने के लिए तमाम प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। अमेरिका यहां शांति बहाल कराने की कोशिश कर रहा है। जबकि यूक्रेन का आरोप है कि अमेरिका पक्षपात कर रहा है और निष्पक्ष न्याय में विश्वास नहीं कर रहा है। उसका कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप रूस का फायदा करवाना चाहते हैं। वहीं अमेरिका ने खुलकर जता दिया है कि वह क्रीमिया के यूक्रेनी इलाके को भी रूस को ही दिलवा देना चाहता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों को अल्टिमेटम देते हुए कहा है कि अगर दोनों अड़ियल रवैया अपनाते हैं तो वह पीस डील को ही छोड़ देंगे। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को कहा कि अगर तत्काल युद्धविराम को लेकर कोई प्रगति नहीं होती है तो अमेरिका इससे दूरी बना लेगा। 2014 में क्रीमिया पर रूस ने कब्जा कर लिया था। इसके बाद रूस ने यहां जनमत संग्रह भी करवाया था। हालांकि वैश्विक समुदाय ने इसे रूस का हिस्सा मानने से इनकार कर दिया था। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बार-बार कह चुके हैं कि वह इसे रूस को सौंपने को तैयार नहीं है। हालांकि अगर अमेरिका पीस डील के बदले इस मामले में रूस का साथ देने को तैयार हो जाता है तो उसे बड़ा फायदा मिलने वाला है। इसी बहाने क्रीमिया को रूस का हिस्सा माना जा सकता है। फिलहाल पुतिन ने भी डोनाल्ड ट्रंप की पीस डील को मानने से इनकार किया है। क्रीमिया को लेकर अमेरिका विदेश मंत्रालय ने कोई स्पष्ट बात नहीं कही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता अब ऐसे स्तर पर पहुंच चुकी है, जिसमें कुछ निष्कर्ष निकलना चाहिए, लेकिन दोनों में से कोई भी देश उनके (ट्रंप) युद्ध समाप्त कराने के प्रयासों का समर्थन नहीं कर रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, अगर किसी कारण से दोनों में से कोई एक पक्ष इसे बहुत कठिन बना देता है तो हम कह देंगे कि आप मूर्ख हैं और फिर हम इसे छोड़ देंगे।

अमेरिका और ईरान इटली में न्यूक्लियर डील पर करेंगे बात

वाशिंगटन,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनी के बीच ईरान न्यूक्लियर डील पर बातचीत को राजी हो गया है। इटली की राजधानी रोम में अमेरिका और ईरान के बीच बात होगी। इस बातचीत में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ शामिल होंगे। दोनों देशों की बातचीत पर विश्व की निगाहें लग गई हैं।

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका खासा नाराज है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बीते दिनों ईरान को न्यूक्लियर प्रोग्राम को छोड़ने को कहा था। साथ ही चेतावनी दी थी कि यदि न्यूक्लियर डील नहीं छोड़ी तो ईरान को इसका खामियाजा भुगतना होगा। व्हाइट की सचिव कैरोलिन लीविट ने रोम में होने वाली बैठक की पुष्टि करते हुए बताया कि अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान परमाणु हथियार हासिल कर सके। अब ईरान के पास दो विकल्प हैं, या तो वह न्यूक्लियर डील छोड़े या फिर खामियाजा भुगतने को तैयार रहे। हालांकि संकेत दिए हैं कि अमेरिका अभी कुछ दिनों तक इसी तरह की बातचीत का क्रम जारी रखना चाहता है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह बातचीत दूसरी बार हो रही है। इससे पहले 12 अप्रैल को दोनों देशों के बीच ओमान में वार्ता का एक क्रम चल चुका है। इस बैठक की मध्यस्थता ओमान के विदेश मंत्री बदर-अल-बुसैदी ने की थी। ईरान बना सकता है छह परमाणु बमभले अमेरिका के राष्ट्रपति ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोक रहे हों, लेकिन इस मामले में वह अब काफी आगे तक जा चुका है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी के सूत्रों का दावा है कि ईरान ने करीब 60 फीसदी शुद्धता का 275 किलो यूरेनियम बना लिया है। इससे कम से कम छह परमाणु बन बनाए जा सकते हैं।

संकट से जूझ रही पाकिस्तानी एयरलाइंस, अब निजी हाथों में देने की तैयारी

पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' को बेचने के प्रयास विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर सालों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपए की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान के निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक पूरा कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी।

विदेशी ताकतों की कठपुतली बनें यूनुस बनेंगे बांग्लादेश की तबाही का सबब

शेख हसीना का वर्चुअल संबोधन वाला वीडियो फिर हुआ वायरल

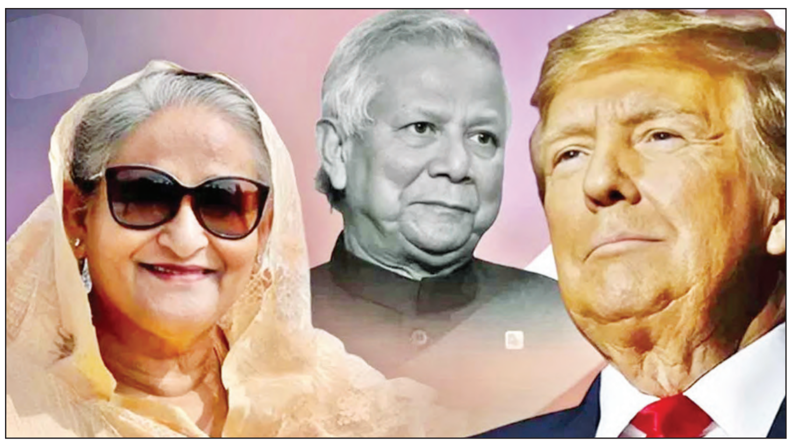

ढाका,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। अपने एक वर्चुअल संबोधन में हसीना ने यूनुस को सत्ता का भूखा और विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने देश को तबाही की राह पर धकेलने की गहरी साजिश रची है। शेख हसीना का यह वीडियो एक बार फिर तेजी से वायरल हुआ है और चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगभग 8 मिनट के इस वीडियो संदेश में यूनुस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है, कि यह आत्मकेंद्रित और पैसों का लालची व्यक्ति बांग्लादेश की आजादी की पहचान को मिटाने पर तुला है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर यूनुस ने अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। देशभर में हमारे समर्थकों के कारोबार, अस्पताल और यहां तक कि स्मारकों तक को आग के हवाले किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यूनुस, आग से खेलोगे तो वो तुम्हें जला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में बनाए गए मुक्ति योद्धा स्मारकों को जलाया जा रहा है और आजादी के नायकों का अपमान खुलेआम किया जा रहा है। हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति चरमराई है। उन्होंने कहा, हजारों कारखाने बंद हो चुके हैं, डॉक्टरों को बर्खास्त किया जा रहा है, और पुलिस की वर्दी ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दी गई है जो किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं हैं,। अबू सईद की मौत पर सनसनीखेज खुलासा संबोधन में शेख हसीना ने बीते वर्ष कोटा आंदोलन के दौरान मारे गए अबू सईद की मौत पर भी सनसनीखेज खुलासा किया।

नाव में खाना बनाते समय हुआ धमाका, 143 लोगों की गई जान, कई दर्जनों हुए लापता

कांगो ,19 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में एक भयावह नाव हादसे में कम से कम 143 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। यह दर्दनाक घटना मंगलवार को राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम पर हुई, जहां दुनिया की सबसे गहरी नदी मानी जाती है।

बताया जा रहा है कि यह नाव तय सीमा से ज्यादा यात्रियों को लेकर यात्रा कर रही थी। इसी दौरान नाव पर मौजूद एक महिला खाना बना रही थी, तभी आग पास रखे अत्यधिक ज्वलनशील ईंधन से संपर्क में आ गई और जोरदार विस्फोट हो गया। इससे नाव में आग लग गई और कुछ ही देर में अफरा-तफरी के बीच नाव पलट गई। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। जांच प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख जोसेफिन लोकुमु ने बताया कि अब तक 145 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें कई शव बुरी तरह जले हुए हैं, जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो रही है।

स्थानीय नागरिक संगठनों और प्रशासन की मदद से शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। नागरिक नेता जोसेफ लोकोंडो ने बताया कि कई लोग विस्फोट में जलकर मारे गए, जबकि कई लोग डूबने से जान गंवा बैठे। लापता लोगों की तलाश और राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इस हादसे ने कांगो में जल परिवहन की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रंप के फैसले को चुनौती: भारतीयों समेत 1100 से अधिक छात्रों के निर्वासन की आशंका

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों से प्रभावित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मदद के लिए एक बड़ा मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में अदालत से अनुरोध किया गया है कि इन छात्रों की कानूनी स्थिति फिर से बहाल की जाए। इस फैसले से करीब 1100 से ज्यादा विदेशी छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अमेरिका से निकाले जाने का डर सता रहा है। मार्च के अंत से अब तक 170 से ज़्यादा यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में पढ़ रहे करीब 1,100 छात्रों के वीज़ा या कानूनी स्थिति को खत्म कर दिया गया। ये सब बिना किसी उचित सूचना के हुआ। मीडिया रिपोर्ट की माने तो अभी और भी छात्रों के ट्रंप के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना है। वहीं छात्रों का कहना है कि उन्हें न तो कोई चेतावनी दी गई, न ही सफाई का मौका मिला। कुछ मामलों में तो बहुत पुराने और मामूली ट्रैफिक उल्लंघन को भी बहाना बना लिया गया। बता दें कि यह मुकदमा अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) और उससे जुड़े कई संगठनों ने मिलकर दायर किया है। ये न्यू इंग्लैंड और प्यूर्टो रिको के 100 से अधिक छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मामले में एसीएलयू न्यू हैम्पशायर के कानूनी निदेशक गिल्स बिस्नोनेट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का एक अहम हिस्सा हैं। किसी भी सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वो छात्रों की स्थिति अचानक खत्म कर दे और उन्हें उनकी पढ़ाई पूरी किए बिना देश से निकालने की कोशिश करे। ट्रंप के इस फैसले से भारत और चीन के भी कई छात्र प्रभावित हुए है। इसमें भारत के मणिकांत पासुला, जो न्यू हैम्पशायर के रिवियर यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स कर रहे थे, अब अमेरिका में पढ़ाई पूरी करने और नौकरी की संभावना खो चुके हैं।

गुजरात ने आईपीएल में हासिल किया अपना सबसे बड़ा लक्ष्य, दिल्ली को हराकर शीर्ष पर पहुंची टीम

अहमदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 के हाईवोल्टेज मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की टीम ने बोर्ड पर 203 रन लगाए। जवाब में गुजरात की टीम ने बल्लेबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया और 7 विकेट से मैच जीत लिया। गुजरात की ओर से उनके खतरनाक बल्लेबाज जोस बटलर ने शानदार बल्लेबाजी की। बटलर ने सिर्फ 54 गेंद पर 97 रन की पारी खेली। लेकिन वो विराट कोहली का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए।

जोस बटलर ने गुजरात के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी की। बटलर के बल्ले से इस मुकाबले में सिर्फ 54 गेदों पर नाबाद 97 रन की पारी आई। इस पारी में बटलर ने 11 चौके और 4 लंबे छक्के लगाए। मैच में भले ही बटलर की सेंचुरी नहीं लगी, लेकिन वो अपनी टीम को 200 से ज्यादा का टारगेट चेज कराने में कामयाब रहे। यह पहला मौका है जब गुजरात की टीम ने आईपीएल में 200 से ज्यादा का टारगेट चेज किया है।

अगर आज के मैच में बटलर 97 रन के बजाय शतक लगाते तो वो आईपीएल के एक बड़े रिकॉर्ड के मामले में विराट कोहली की बराबरी कर लेते। विराट कोहली के आईपीएल में सबसे ज्यादा 8 शतक हैं। वहीं लिस्ट में दूसरे नंबर पर बटलर हैं जिन्होंने 7 शतक इस लीग में लगाए हैं। दिल्ली के खिलाफ शतक से बटलर इस लिस्ट में विराट के पास टॉप पर पहुंच जाते।

आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक
विराट कोहली– 8 शतक
जोस बटलर– 7 शतक
क्रिस गेल– 6 शतक
शुभमन गिल– 4 शतक
केएल राहुल– 4 शतक

गुजरात की बेहतरीन जीत

गुजरात टाइटंस ने कांटे के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हरा दिया। इस मैच में गुजरात की टीम 203 रन का पीछा कर रही थी। गुजरात की टीम में बटलर के 97 रन के अलावा शेरफेन रदरफोर्ड ने 43 रन की पारी खेली। वहीं साई सुदर्शन के बल्ले से 36 रन निकले।

न्यूज ब्रीफ

सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लें बाबर आजम : जहीर अब्बास

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने कहा है कि खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज बाबर आजम को सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लेनी चाहिये। अब्बास ने कहा कि इससे बाबर को पता चलेगा कि वह कहां गलती कर रहे हैं। उसमें सुधार कर वह पहले की तरह बेहतर बल्लेबाजी कर पायेंगे। अब्बास ने कहा कि जिस प्रकार से बाबर किसी से बात नहीं कर रहे उससे लगता है कि वह घमंडी हैं और किसी से सलाह लेना अपमान समझते हैं। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज रहे जहीर ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तानी और भारतीय खिलाड़ियों ने खराब दौर से गुजरने के दौरान एक-दूसरे से सलाह मांगी थी। उन्होंने कहा कि साल 2016 में यूनिस खान ने मोहम्मद अजहरुद्दीन से बात की और इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाया। वहीं साल 1989-90 में भारत के पाकिस्तान दौरे पर अजहरुद्दीन ने मुझसे सलाह मांगी थी। तब भी रन नहीं बना पा रहा था। ऐसे में मैंने उसे बल्लेबाजी की ग्रिप बदलने के लिए कहा था जिससे उसे लाभ मिला। इसके अलावा सईद अनवर ने भी खराब दौर में सुनील गावस्कर से सलाह मांगी थी। गौरतलब है कि बाबर पिछले काफी समय से रन बनाने में विफल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा वह अब पाक सुपर लीग में भी असफल रहे हैं।

वानखेड़े स्टेडियम पर अपने नाम से पेवेलियन बनने पर सम्मानित अनुभव कर रहा : रोहित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके नाम पर कोई स्टैंड बनेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) द्वारा वानखेड़े स्टेडियम के दिवेचा पवेलियन लेवल 3 का नाम बदलकर रोहित शर्मा स्टैंड करने के फैसले से वह गर्व और सम्मान का अनुभव कर रहे हैं। ये उनके लिए भावुक कर देने वाला क्षण है। इस क्रिकेटर ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया, जब वह आजाद मैदान में अंडर-16 प्रशिक्षण के बाद मुंबई रणजी खिलाड़ियों को देखने जाते थे। उन्होंने कहा कि साल 2003-04 में, हम रणजी खिलाड़ियों को देखने ट्रैक पर जाते थे। तब से ही वानखेड़े से पुड़ी मेरी कई यादें हैं। स्टेडियम के पुनर्निर्माण के बाद हमने विश्व कप जीता। अब अपने नाम पर स्टैंड देखना अवास्तविक लगता है। रोहित ने 2007 में भारतीय टीम की ओर से डेब्यू किया था। वह 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अब तक 159 टी20आई, 273 एकदिवसीय और 67 टेस्ट मैच खेले हैं। पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर दिया था। रोहित को 26 मई से शुरू होने जा रहे मुंबई टी20 लीग के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। 2018 में शुरू हुई टी20 मुंबई लीग, एमसीए द्वारा आयोजित एक प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट है, जो युवा प्रतिभाओं के लिए मंच प्रदान करती है।

फ्रेजर को अभी टीम में बनाये रखे कैपिटल्स : बदानी

अहमदाबाद। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी को उम्मीद है कि इस आईपीएल सत्र में अबतक विफल रहे दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। फ्रेजर अब तक इस सत्र में छह मैचों में केवल 55 रन ही बना पाये हैं। वहीं इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र के नौ मैचों में 330 रन बनाए थे। दिल्ली टीम अभी छह मैचों में से पांच में मिली जीत के बाद अंक तालिका में नंबर एक पर है। बदानी को उम्मीद है फ्रेजर को टीम का समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि फ्रेजर एक ऐसा खिलाड़ी है जो हमें अच्छी शुरुआत देता है और वह एक मैच विजेता है हालांकि पिछले साल की तुलना में उसका प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि अभी टीम मजबूत स्थिति में है और उसे अवसर दे सकती है। साथ ही कहा अगर एक बार फ्रेजर लय हासिल कर लें तो आगे के मैचों में टीम के लिए अच्छा होगा।

एफ 1 : क्रिस्टियन हॉर्नर का बड़ा बयान, 2026 में भी रेड बुल का हिस्सा रहेंगे मैक्स वर्स्टापेन

जेद्दाह

फॉर्मूला वन की दुनिया में मैक्स वर्स्टापेन के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच रेड बुल टीम प्रिंसिपल क्रिस्टियन हॉर्नर ने बड़ा बयान दिया है। हॉर्नर ने शुक्रवार को साफ किया कि वर्स्टापेन अगले सीजन भी रेड बुल के साथ ही नजर आएंगे और टीम में किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

अफवाहों पर लगाया ब्रेक

पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि रेड बुल के मोटरस्पोर्ट सलाहकार हेल्मुट मार्को की चिंता के बाद वर्स्टापेन अपने एग्जिट क्लॉज का इस्तेमाल कर सकते हैं। माना जा रहा था कि मर्सिडीज और एस्टन मार्टिन उन्हें साइन करने के इच्छुक हैं। हालांकि, हॉर्नर ने सऊदी अरब ग्रां प्री के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, टीम के बाहर बहुत शोर है। मैक्स ने कल अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। हम कार को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और मैक्स उसका अहम हिस्सा हैं। बाकी सब अफवाहें हैं।

एस्टन मार्टिन का 88 मिलियन डॉलर का ऑफर

इटली के अखबार गजेट्टा डेल्लो स्पोर्ट ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत के खबर दी थी कि एस्टन मार्टिन, सऊदी फंडिंग के साथ वर्स्टापेन को तीन साल के लिए हर साल 88 मिलियन डॉलर देने को तैयार है। हालांकि, एस्टन मार्टिन टीम बॉस एंडी कोवेल ने फिलहाल 2026 के लिए फर्नांडो अलोंसो और लांस स्ट्रोल पर फोकस करने की बात कही है।

मर्सिडीज में नहीं बनती जगह — जेम्स वाउल्स

मर्सिडीज और वर्स्टापेन की संभावित डील को लेकर भी चर्चाएं थीं, लेकिन मर्सिडीज के पूर्व रणनीति प्रमुख और अब विलियम्स टीम बॉस जेम्स वाउल्स ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा, वर्स्टापेन शानदार ड्राइवर हैं, लेकिन वह कुछ मुश्किलें भी साथ लाते हैं। मर्सिडीज के पास बेहतरीन टीम कल्चर है और दो शानदार ड्राइवर हैं। मुझे नहीं लगता वहां उनके लिए जगह है।

क्राइसिस मीटिंग की खबर भी अफवाह

रेड बुल टीम की बहरीन में हुई एक बैठक को क्राइसिस समिट बताने की खबरों पर भी हॉर्नर ने सफाई दी। उन्होंने कहा, अगर आप अपनी इंजीनियरिंग टीम के साथ रेस की समीक्षा करते हैं, तो उसे संकट बैठक नहीं कहा जा सकता। हम जानते हैं कि कार में क्या दिक्कतें हैं और उन्हें दूर करने के लिए आगामी रेस में कई अपग्रेड लाने की योजना है।

मुंबई इंडियंस ने अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगायी अपने स्टार खिलाड़ियों की प्रतिमाएं

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) के टर्मिनल 2 आगमन पर अपने चार स्टार खिलाड़ियों की प्रतिमाएं लगायी हैं। टीम ने जिन खिलाड़ियों की प्रतिमाएं लगायीं वे हैं। रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव फ्रेंचाइजी ने साथ ही कहा, ये चारों सिर्फ मुंबई के लिए नहीं खेले हैं, वे मुंबई की तरह ही खेले हैं निडर और अजेय की तरह। साथ ही कहा किमुंबई इंडियंस नई पीढ़ियों को प्रेरित करना जारी रखती है, यह पहल प्रशंसकों को टीम के करीब लाने और इन दिग्गजों द्वारा बनाई गई विरासत का सम्मान करने की दिशा में एक और कदम है। गौरतलब है कि साल 2008 में उद्घाटन वर्ष से लेकर अब तक के सफर में मुम्बई इंडियंस चेन्नई की टीम ने सबसे अधिक पांच बार खिताब जीता है। इस प्रकार वह लीग चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ ही सबसे सफल फ्रेंचाइजी भी है। सीएसके ने भी पांच बार खिताब जीता है। टीम के पास बुमराह जैसा तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर पंड्या जैसा कप्तान है।

एशेज सीरीज के बाद गाबा मैदान पर नहीं होंगे क्रिकेट मुकाबले

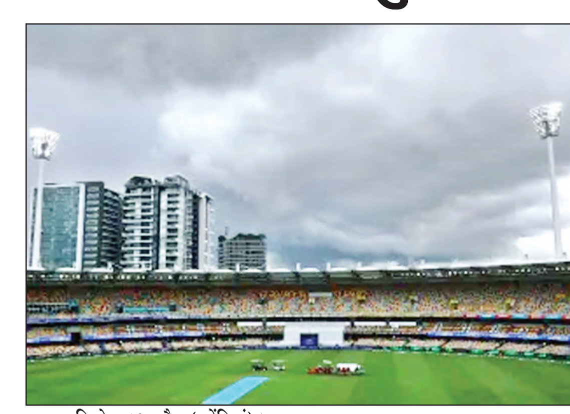

ब्रिस्बेन, 19 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था। गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा।

मैकलरेन के चालक अभ्यास सत्र के बाद गैराज से बाहर आते हुए

सउदी अरब में मैकलरेन के चालक ब्रिटेन के नोरिस दूसरे अभ्यास सत्र के बाद गैराज से बाहर आते हुए।

ऑबामेयांग के लेट गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां) ।

प्रिंस मोहम्मद बिन फहद स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में पियरे-एमरिक ऑबामेयांग के देर से किए गए विजयी गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया। इस हार के साथ ही अल नस्र की खिताबी दौड़ को बड़ा झटका लगा है।

पहले हाफ में अल क़दीसिया ने बनाई बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल क़दीसिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 35वें मिनट में तुर्की अल-अम्मार के आसान टैप-इन गोल की मदद से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इस गोल की नींव रखी ऑबामेयांग ने, जो लगातार विपक्षी डिफेंस के पीछे दौड़ लगाकर दबाव बना रहे थे। उनकी तेज़ शॉट को गोलकीपर बेंटो ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर अल-अम्मार ने कोई गलती नहीं की।

अल नस्र का आक्रमण, डुरान ने गंवाया सुनहरा मौका

दूसरे हाफ में अल नस्र ने बराबरी की पूरी कोशिश की। 57वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो गेंद को काबू नहीं कर पाए, जिसके बाद जॉन डुरान को शानदार मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोल के ऊपर चला गया। यह मौका अल नस्र के लिए मैच बदलने वाला हो सकता था।

सादियो माने ने दिलाई बराबरी

84वें मिनट में ब्राज़ीली मिडफील्डर ओटावियो के बेहतरीन क्रॉस पर सादियो माने ने शानदार टच के बाद गेंद को गोलकीपर के पास से गोल में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के बाद अल नस्र के खेमें में खुशी लौट आई थी।

ऑबामेयांग ने फिर रचा इतिहास

लेकिन माने के गोल के महज तीन मिनट बाद ऑबामेयांग ने नाहितान नांदेज़ के क्रॉस पर हेडर लगाकर अल क़दीसिया को फिर से बढ़त दिला दी। यह गोल निर्णायक साबित हुआ और अल नस्र को हार झेलनी पड़ी।

अंक तालिका में हाल

इस जीत के बावजूद अल क़दीसिया पांचवें स्थान (55 अंक, 28 मैच) पर बना हुआ है। वहीं, हार के बाद अल नस्र तीसरे स्थान (64 अंक) पर है और अब वह लीग लीडर अल इत्तिहाद से आठ अंक पीछे रह गया है। इससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप एशिया क्वालिफायर्स के फाइनल में

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप क्वालिफाइंग इवेंट (एशिया) में भारत के वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। वीर चोत्राणी ने सेमीफाइनल मुकाबले में हांगकांग, चीन के आठवें वरीय ची हिम वोंग को 3-1 (11-7, 11-6, 7-11, 11-4) से हराया। वेर अब फाइनल में पाकिस्तान के टॉप सीड मोहम्मद असीम खान और मलेशिया के तीसरे वरीय अमीशेनराज चंद्रन में से किसी एक के खिलाफ खिताबी भिड़ंत करेंगे। महज 17 साल की अनाहत सिंह ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की आठवीं वरीय हेलेन टैंग को सीधे गेमों में 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से मात दी। फाइनल में अनाहत का सामना हांगकांग, चीन की टोबी टसे से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में भारत की अकांक्षा सालुंखे को 3-1 (11-3, 12-10, 10-12, 11-8) से हराया। इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों को 9 से 17 मई तक शिकागो (अमेरिका) में होने वाली वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय खिलाड़ियों के फाइनल तक पहुंचने से देश में स्क्वैश फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

राहुल ने अपने जन्मदिन पर नवजात बेटी इवारा की तस्वीरें साझा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल 19 अप्रैल को 33 साल के हो गये। इस अवसर पर राहुल उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने अपनी नवजात बेटी की पहली तस्वीर सार्वजनिक की। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम इवारा रखा है, जिसका मतलब है भगवान का उपहार। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के आते ही प्रशंसकों ने उसे काफी पसंद किया। राहुल और अथिया की बेटी का जन्म पिछले माह 24 मार्च हुआ था। अब दोनों ने अपने बेटी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें राहुल बेटी को गोद में लिए हुए हैं और अथिया प्यार भरी नजरों से उन्हें देख रही हैं। इस लिखा था- हमारी बेटी, हमारे लिए सबकुछ हैं इवारा। राहुल ने बेटी का पूरा नाम इवारा विपुला राहुल बताया है।इसमें इवारा का अर्थ भगवान का उपहार है, विपुला उनकी परदादी और रक्षक के सम्मान में रखा गया है, और राहुल उनके पिता के नाम से लिया गया है। इस तस्वीर में इवारा राहुल के कंधे पर लेटी हुई है पर उसका चेहरा छिपा हुआ है। बॉलीवुड सितारों और प्रशंसकों ने इसके कमेंट सेक्शन में प्यार और बधाइयां दीं। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने लाल हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा- नाम बताने के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता। जन्मदिन की बधाई हो केएल। वहीं अथिया के पिता अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक भावुक जन्मदिन संदेश साझा करते हुए राहुल को सबसे कीमती उपहार बताया।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

2000 से ज्यादा के यूपीआई पर जीएसटी नहीं लगाएगी सरकार : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पिछले वित्तवर्ष में यूपीआई ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड 260.56 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के उत्साहजनक खबरों के बीच लोगों को जैसे ही पता चला कि सरकार 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर जीएसटी वसूलने की तैयारी कर रही है, सब निराश हो गए। सोशल मीडिया पर इसे लेकर यूजर्स की नाराजगी साफ दिखने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि वित्त मंत्रालय को खुद आकर पूरी बात

सोशल मीडिया में चल रही खबरें झूठी और भ्रामक

बतानी पड़ी। वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी कर बताया कि 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। सोशल मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और बिना किसी आधार के वायरल हो रही हैं। साफ कर दिया है कि यूपीआई पर किसी भी तरह का जीएसटी नहीं वसूला जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने आगे कहा कि कुछ उपकरणों के जरिये भुगतान जैसे क्रेडिट कार्ड आदि पर लगने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर ही जीएसटी लगाया जाता है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2020 से केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर हटा दिया है. चूंकि, वर्तमान में यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर नहीं लगाया जाता है, लिहाजा इस तरह के लेनदेन पर कोई जीएसटी लागू नहीं होता है। मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण में बताया है कि यूपीआई के विकास को समर्थन बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू है. यह योजना विशेष रूप से कम-मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन को प्रोत्साहित करती है, ताकि छोटे व्यापारियों को लेनदेन की लागत में राहत मिल सके ।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के गुस्से का शिकार हुए पॉवेल, इन्हें हटाने की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने तानाशाही रूप का परिचय देना जारी रखा है, जब

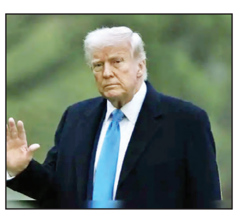

उन्होंने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चीफ जेरोम पॉवेल की ब्याज दरें घटाने की मांग की थी और उनके फैसले को मानने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। ट्रंप के इस गुस्से का शिकार अब भूमिकाधारक योगदान देने वाले पॉवेल हैं, जिनके हटाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। पॉवेल ने ट्रंप की इस मांग को मानने से इनकार कर दिया था, जिससे ट्रंप का दिल और भी बुरा हो गया। अब सरकार इन्हें अपनी बाधा मानते हुए कुर्सी से हटाने के लिए उनकी तलाश में है। पॉवेल ने ट्रंप की ब्याज दर घटाने की मांग को मानने से कर दिया था इनकार इस विवाद की गतिविधियों में शामिल होने वाले नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक ने भी इस दिशा में संकेत दिया है। ट्रंप और पॉवेल के बीच जो टकराव सामने आया है, यह उनकी विचारधारा और आर्थिक नीति में अनैतिकता और संघर्ष की दिशा में जा रहा है। ट्रंप की गुस्सा भरी धमकियों के बाद पॉवेल के सामने कैसे रामू की तरह उनकी उपस्थिति कायम रहेगी, यह अब देखने को मिलेगा। फेडरल रिजर्व गवर्नरों को सीधे तौर पर निकालने का अधिकार राष्ट्रपति के पास नहीं है, लेकिन ट्रंप इस प्रक्रिया को शुरू करने की कोशिशें कर रहे हैं ताकि पॉवेल के खिलाफ कोई कार्रवाई की जा सके। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान पॉवेल को चेयरमैन के रूप में नामित किया था, लेकिन अब वे उनके खिलाफ चुनौती बने।

वॉट्सऐप ने वीडियो स्टेटस की ड्यूरेशन को बढ़ाकर 90 सेकेंड किया

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने अपने स्टेटस अपडेट के लिए एक नया फीचर पेश किया है।

भारतीय दवा कंपनियों की नजर 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार पर

साल 2034 तक अमेरिकी दवा बाजार 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय दवा कंपनियां 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी दवा बाजार हर साल 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर के हिसाब से बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से कई भारतीय दवा कंपनियों को कैंसर की जेनेरिक दवाइयों के लिए अमेरिकी औषधि नियामक (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिली है, जिससे अमेरिकी बाजार में जेनरिक और बायोसिमिलर दवाओं में प्रवेश लगातार बढ़ा है। साल 2024 में अमेरिकी कैंसर दवा बाजार का मूल्य 145.52 अरब डॉलर आंका गया था और साल 2034 तक इसके 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 से 2034 के बीच इसके सालाना 11.1 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। जानकारों का मानना है कि सिप्ला, बायोकॉन बायोलॉजिक्स और जायडस लाइफसाइंसेज को मिली मंजूरी कैंसर उपचार के जटिल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की बढ़ती क्षमताओं और आकर्षक अमेरिकी बाजार में उनकी बढ़ती उपस्थिति की ओर इशारा करते हैं। भारतीय कंपनियां पिछले कुछ समय से जटिल जेनेरिक पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जो उन्हें अमेरिका में जेनेरिक क्षेत्र में मूल्य निर्धारण के दबाव से भी कहीं न कहीं बचाता है।

इक्रा की उपाध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक महामारी के बाद से एफडीए प्रक्रिया सामान्य हो गई है और अब भारतीय कंपनियां कैंसर की दवाओं जैसे जटिल मॉलिक्यूल्स पर ध्यान दे रही हैं, क्योंकि बुनियादी जेनरिक श्रेणी अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गई है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने 10 अप्रैल को एवास्टिन के बायोसिमिलर जोबेवेन (बेवाकिजुमाब-एनयूजीडी) के लिए एफडीए मंजूरी मिलने की घोषणा की थी। इसका उपयोग कोलोरेक्टल, फेफड़े और ग्लियोब्लास्टोमा जैसे विभिन्न कैंसर के उपचार में किया जाता है। यह बायोकॉन का अमेरिका में स्वीकृत सातवां बायोसिमिलर है, इसके साथ ही इसके कैंसर की

मुंबई एयरपोर्ट नौ मई को छह घंटे बंद रहेगा

मुंबई। शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उड़ान संचालन मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण नौ मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह भी कहा कि सभी हितधारकों को सूचित करने के लिए अनिवार्य नोटम (एयरमैन को नोटिस) छह महीने पहले जारी किया गया था। निजी क्षेत्र के परिचालक ने कहा कि दोनों हवाई

पट्टी- 09/27 और 14/32 पर मानसून से पहले होने वाला रखरखाव कार्य नौ मई को सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

दवाओं के पोर्टफोलियो का विस्तार हुआ है। कंपनी अमेरिका, यूरोप और कनाडा में ओगिवरी और फुलफिला जैसे बायोसिमिलर भी बेचती है। सिप्ला ने एब्राक्सेन के अपने एबी-रेटेड-जेनरिक संस्करण के लिए अमेरिकी औषधि नियामक से मंजूरी हासिल कर ली। इसका उपयोग स्तन कैंसर, गैर स्मॉल सेल फेफड़ों के कैसंर और पैंक्रियाटिक कैंसर में उपयोग होता है और सिप्ला की यह दवा 2025-26 की पहली छमाही में अमेरिका में आ सकती है। मार्च में जायडस को भी मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन-सेंसिटिव प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एर्लेडा की जेनेरिक दवा को मंजूरी मिली थी।

अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां) ।

होंडा कार्स इंडिया ने अपनी पॉपुलर कारों अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च की है। भारत में डीजल कारों की संख्या कम होने के साथ ही लोग अब सीएनजी को एक बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह ना सिर्फ सस्ता है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी उपयुक्त है। ये किट्स सरकारी मान्यता प्राप्त हैं और डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। पहले होंडा केवल पेट्रोल इंजन वाली कारें बेचती थी, लेकिन अब कंपनी ने सीएनजी ऑप्शन भी पेश किया है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि ये सीएनजी किट्स फैक्ट्री-फिटेड नहीं होंगी, बल्कि डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। कुछ विशेष डीलर्स ही यह किट्स इंस्टॉल करेंगे, और इसका काम प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा किया जाएगा। इंस्टॉलेशन के बाद कार का रजिस्ट्रेशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों के तौर पर कराना होगा। इस समय, यह कंफर्म नहीं है कि होंडा की सिटी को भी यह सीएनजी किट मिलेगी या नहीं। फिलहाल, कंपनी ने केवल अमेज और एलिवेट के लिए इस सुविधा की घोषणा की है।

हालांकि, कंपनी ने सीएनजी किट्स के साथ गाड़ियों की माइलेज के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है, लेकिन सामान्यत: सीएनजी से चलने वाली कारें पेट्रोल की तुलना में 30-40 प्रतिशत सस्ती चलती हैं। यह कदम उस समय आया है जब डीजल विकल्पों की कमी हो रही है और सीएनजी एक सस्ती, किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। अगर आप पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं और एक किफायती व स्टाइलिश गाड़ी की तलाश में हैं, तो होंडा की नई पेशकश आपके लिए खुशखबरी लेकर आई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

स्तर लोकसभा...

कम-से-कम 5 न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा निर्णय लिया जाना चाहिए। फिर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रपति को आदेश देने वाले दो न्यायाधीशों को न्यायिक मर्यादा का उल्लंघन करने की क्या सजा दी? यहां यह रेखांकित किया जाना आवश्यक है कि पांच न्यायाधीशी की संवैधानिक पीठ तब गठित हुई थी जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या आठ थी। अब सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। अब संवैधानिक पीठ सुप्रीम कोर्ट के जजों की मौजूदा संख्या के मुताबिक गठित होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा भी कि संविधान पीठ में न्यायाधीशों की न्यूनतम संख्या बढ़ाने के लिए अनुच्छेद 145 (3) में संशोधन करने की आवश्यकता है।

जहां तक वरीयता क्रम का सवाल है तो राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च पद होता है। राष्ट्रपति को भारत का पहला नागरिक कहा जाता है। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति और संसद को मिलाकर ही भारत बनता है और वह संघ के प्रशासन का प्रमुख होता है। इसी प्रशासन का एक अंग न्यायपालिका भी है। भारत में राष्ट्रपति और राज्यपाल ही ऐसे दो पद हैं, जिनके खिलाफ अदालती कार्रवाई नहीं की जा सकती है। भारत के संविधान ने अनुच्छेद 361 के तहत इसका प्रावधान किया है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति और राज्यपालों के खिलाफ अदालती कार्यवाही से सुरक्षा प्रदान करता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट न ही इन दोनों को किसी मामले में नोटिस जारी कर सकता है और न ही निर्देश दे सकता है।

राष्ट्रपति के बाद देश में दूसरा सर्वोच्च पद उपराष्ट्रपति का होता है। इसके बाद तीसरे नंबर पर प्रधानमंत्री आते हैं। देश का चौथा सर्वोच्च पद राज्यपाल का होता है, जो उनके कार्य वाले राज्यों में होता है। इसके बाद वरीयता क्रम में पांचवें स्थान पर पूर्व राष्ट्रपति आते हैं। इसके बाद भारत के उपप्रधानमंत्री का पद वरीयता क्रम में 5-ए स्थान पर आता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा स्पीकर का पद एक समान होता है। दोनों वरीयता क्रम में छठे नंबर पर आते हैं। इसके बाद सातवें नंबर पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री अपने राज्यों में होते हैं। योजना आयोग के उपाध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री, राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता भी सातवें क्रम पर ही आते हैं।

भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति का क्रम 7-ए होता है। आठवें क्रम में राजदूत, भारत द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रमंडल देशों के आयुक्त, अपने राज्य के बाहर मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल होते हैं। नौवें क्रम पर सुप्रीम कोर्ट के आते हैं। इसके बाद 9-ए पर संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, मुख्य चुनाव आयुक्त और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) आते हैं। वरीयता क्रम में 10वें स्थान पर राज्यसभा के उपसभापति, राज्यों के उपमुख्यमंत्री, लोकसभा के उपसभापति, योजना आयोग (वर्तमान में नीति आयोग) के सदस्य और केंद्र सरकार के राज्यमंत्री आते हैं। वहीं, 11वें स्थान पर भारत के अटॉर्नी जनरल, कैबिनेट सचिव और अपने-अपने केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर लेफ्टिनेंट गवर्नर (उपराज्यपाल) तक शामिल हैं। वरीयता क्रम में 12वें स्थान पर पूर्ण जनरल या समकक्ष रैंक के पद पर कार्यरत चीफ ऑफ स्टाफ आते हैं।

श्रीलंका ने रद्द...

परियोजनाओं को अपनी कंपनियों से कराने का करार करके नेपाल के खजाने पर डाका डाल रहा है। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण चीन की सरकारी कंपनी सीएएमसी इंजीनियरिंग ने किया था। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के अंतर्गत यह एक प्रमुख परियोजना मानी जा रही थी। लेकिन अब इस परियोजना को लेकर अनेक विवादों के सामने आने और बीजिंग पर घोटाले के आरोप लगने से नेपाल सरकार सकते में है। एक तरफ, इन आरोपों के निशाने पर चीन की निर्माण प्रक्रिया है। तो दूसरी तरफ, चीन और नेपाल के बीच संबंधों को भी लेकर सवाल उठे हैं।नेपाल के दूसरे सबसे बड़े शहर में स्थित पोखरा हवाईअड्डे को पर्यटन को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से बनाया गया था। नेपाल को उम्मीद थी कि यह एयरपोर्ट देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। लेकिन, इसके निर्माण और संचालन में कई समस्याएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में अब चीन की शह पर शुरू हुई यह परियोजना नेपाल के लिए सफेद हाथी पालने जैसी साबित हो रही है। नेपाल की संसदीय जांच समिति ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में चीन की उक्त कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी ने हवाई अड्डे के निर्माण में घटिया गुणवत्ता वाले उपकरणों का इस्तेमाल किया है और तय मानकों का भी पालन नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनी ने परियोजना की मंजूरी के लिए नेपाल के अधिकारियों और सांसदों को रिश्वत दी थी। यह बात साबित करती है कि चीनी प्रभाव वाले नेताओं और अधिकारियों ने इस हवाई अड्डे के रास्ते अपने ही देश के खजाने से अपनी जेबें गर्म की हैं।इस परियोजना की लागत शुरू में 12 अरब नेपाली रुपए आंकी गई थी, लेकिन बाद में यह बढ़कर 24 अरब कर दी गई। चीन के निर्यात-आयात बैंक से 20 साल के कर्ज के साथ इस हवाई अड्डे का निर्माण किया गया था। लेकिन चालाक चीन ने बाद में ब्याज दर बढ़ा दी, जिससे नेपाल पर कर्ज का बोझ और बढ़ गया। नेपाल की सरकार ने चीन से इस कर्ज को अनुदान में बदलने की मांग तो की है लेकिन वह मान ली जाएगी, इसमें संशय है। आज हालत यह है कि पोखरा हवाईअड्डे से सप्ताह में केवल एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित होती है, जो इसके निर्माण के उद्देश्य को कामयाबी से बहुत दूर दिखाती है। इसके अलावा, हवाईअड्डे पर टेकऑफ और लैंडिंग के लिए दो अलग अलग रनवे बनाए जाने थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से अभी केवल एक रनवे का उपयोग हो रहा है।

इस परियोजना में नेपाल के कुछ राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों के आर्थिक स्वार्थ भी जुड़े रहे हैं। समिति की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चीन की कंपनी को सीमा शुल्क और वैट में छूट दी गई थी, जबकि समझौते में ऐसा कुछ नहीं था। पोखरा हवाईअड्डे के निर्माण को नेपाल और चीन के बीच संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ की उपमा दी जा रही थी। लेकिन यह परियोजना न केवल नेपाल की आर्थिक स्थिति पर खराब असर डाल रही है, बल्कि चीन की कर्ज जाल की रणनीति को भी उजागर कर रही है। नेपाल को इस परियोजना से सबक लेते हुए भविष्य में चीन के साथ व्यवहार में अधिक सतर्कता और पारदर्शिता लानी होगी, नहीं तो उस हिमालयी देश को अपने सामने घुटने टेकने को मजबूर करने के सपने नेपाल बैठा कम्युनिस्ट ड्रैगन पूरी निर्ममता के साथ कर्ज वसूलने के लिए कुख्यात है।

सऊदी अरब...

मैं पहले ही यह नहीं कह सकता कि बातचीत की प्रकृति कैसी होगी। लेकिन इतना जरूर कह सकता हूं कि यह मुद्दा दोनों नेताओं के बीच प्रमुख चर्चा का विषय होने जा रहा है। विक्रम मिस्री ने कहा, यह एक बहुत महत्वपूर्ण मौका है। हम इस यात्रा के दौरान कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत कर सकेंगे। दोनों देशों के साझा हितों से जुड़े मामलों पर विचार साझा करना जरूरी है। हूती विद्रोहियों द्वारा शिपिंग और नेविगेशन पर किए गए हमले भी चिंता का विषय हैं। भारत इन घटनाओं पर बहुत नजदीक से नजर रख रहा है। भारतीय नौसेना ने इस क्षेत्र में बड़ा अभियान शुरू किया है। हमने पहले ही व्यापारी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। इसी तरह, पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी बातचीत होगी। इस्राइल और फलस्तीन के बीच हालात भी चिंता का कारण बने हुए हैं। सऊदी अरब इस मुद्दे को सुलझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। भारत भी इस मसले से जुड़े सभी प्रमुख पक्षों के साथ लगातार संवाद में है। इसलिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है कि हम इन मुद्दों पर सऊदी अरब जैसे अहम साझेदार के साथ बातचीत करें।

स्टालिन ने अब...

दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 11 अप्रैल को कहा था कि स्टालिन सरकार गंभीर मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए भावनात्मक मुद्दों को हवा दे रही है। उन्होंने विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके के साथ मिलकर सरकार बनाने की बात कही थी। तमिलनाडु सरकार ने भाषाई घृणा फैलाने की सुनियोजित नीति के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की किताबों के नाम पर भी बवाल शुरू कर दिया है।

रॉबर्ट वाड्रा के...

सीसी थम्पी और संजय भंडारी के साथ मिलकर उनपर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। स्विट्जरलैंड की कंपनी पाइलेटस से 75 ट्रेनर एयरक्राफ्ट की खरीद में इन दोनों ने पैसे कमाए थे। ईडी ने पूरे मनी ट्रेल का विवरण तैयार किया है। संजय भंडारी की दुबई स्थित कंपनी के खाते में दलाली की 310 करोड़ रुपए की रकम भेजी गई। इस कंपनी का नाम ऑफसेट इंडिया सोलूशन्स है। इन रुपयों का बाद में दुबई व लंदन में सम्पत्ति खरीदने के लिए इस्तेमाल किया गया। ईडी ने 150 करोड़ रुपयों का पता लगाया और संजय भंडारी की 26 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां जब्त की। लंदन में संजय भंडारी द्वारा खरीदी गई सम्पत्तियों से रॉबर्ट वाड्रा के भी तार जुड़े। एक अन्य मामला बीकानेर लैंड डील का भी है।राजस्थान के बीकानेर में रॉबर्ट वाड्रा ने विस्थापितों के लिए जमीन खरीदने का दावा किया। बताया जाता है कि इसके लिए उन्होंने अपने सहयोगियों के माध्यम से फर्ज़ी प्रमाण-पत्रों का सहारा लिया। उनकी कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के माध्यम से 275 बीघा जमीन खरीदी गई। मात्र 72 लाख रुपए में इन जमीनों को खरीद कर इन्हें 5.20 करोड़ रुपए में बेचा गया। एक अन्य मामले में प्रियंका गांधी भी आरोपी हैं, जिसमें 21 नवंबर, 2023 को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की जा चुकी है।रॉबर्ट वाड्रा, प्रियंका गांधी और सीसी थम्पी ने मिलकर हरियाणा के फरीदाबाद में 2005-08 के बीच रिटेलर एचएल पाहवा से 531 एकड़ जमीन खरीदी। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में 12 एकड़ जमीन खरीद के एक मामले में भी वाड्रा और थम्पी के विरुद्ध जांच चल रही है। तीनों ने मिलकर उस जमीन को वापस पाहवा को बेचा, फिर पाहवा ने उस जमीन को डीएलएफ को बेच दिया। 22 दिसंबर, 2023 को जब कोर्ट ने चार्जशीट का संज्ञान लेकर आरोप तय करने शुरू किए, तब रॉबर्ट वाड्रा और प्रियंका गांधी इस मामले में आरोपी नहीं थे।

हिंदू नेता भावेशचंद्र...

हम इस बर्बर घटना की कड़ी निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह हर अल्पसंख्यक, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुंह न मोड़े और बहानेबाजी या भेदभाव करना तत्काल बंद करे।

भावेश चंद्र रॉय बांग्लादेश पूजा उपासना परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष और क्षेत्र में हिंदू समुदाय के नेता थे। भावेश की पत्नी शांतना का कहना है कि किडनैपिंग से पहले एक कॉल आई थी। इसके 30 मिनट बाद चार लोग मोटरसाइकिल पर आए और भावेश को अगवा कर लिया गया। वह लोग उनको नाराबारी गांव ले गए, जहां उनके साथ बेरहमी से मारपीट हुई। जब उन्हें वापस भेजा गया तो वह अचेत अवस्था में थे। अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना पर बिरला पुलिस थाने के प्रभारी अब्दुस सबूर ने बताया कि केस दर्ज करने की अभी तैयारी ही चल रही है। बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली इस्लामी सरकार में अपराधी और कट्टरपंथी उपद्रवी जमातें बिल्कुल बेखौफ हैं। सरकार का संरक्षण पाए इस्लामिक कट्टरपंथी लगातार हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं। हिंदुओं की हत्या, हिंदू लड़कियों का रेप और कन्वर्जन वहां सामान्य हो गया है।

सूर्याष्टक पाठ से सूर्यदेव की मिलेगी विशेष कृपा

प्रबल भाग्य से तेज रफ्तार से बढ़ेगा करियर

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर सूर्यदेव को आत्मा का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा सूर्यदेव भाग्य, मान-सम्मान, अधिकारीवर्ग, नेतृत्व क्षमता, पिता, शक्ति और ऊर्जा के कारक माने जाते हैं। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति को भाग्य का साथ हर कदम पर मिलता है। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति न केवल करियर में सफलता पाता है बल्कि उसका मान-सम्मान भी बढ़ता जाता है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति को प्रबल भाग्य के लिए सूर्यदेव की कृपा प्राप्त करना बहुत जरूरी है। आपको अगर मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिल पा रही है, तो तुरंत फल पाने के लिए आपको सूर्याष्टक का पाठ जरूर करना चाहिए।

सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए सूर्याष्टक पाठ

आदि देव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्करः।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते ।।
सप्ताश्वरथ मारुढ़ं प्रचण्डं कश्यपात्पजम्।
श्वेत पद्मधरं तं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम् ।।
लोहितं रथमारुढं सर्वलोक पितामहम्।
महापाप हरं देवं तं सूर्य प्रणमाम्यहम्
त्रैगुण्यं च महाशूरं ब्रह्मा विष्णु महेश्वरं।
महापापं हरं देवं तं सूर्य प्रणमाम्यहम् ।।
वृहितं तेजः पुञ्जच वायुराकाश मेव च।
प्रभुसर्वलोकानां तं सूर्य प्रणमाम्यहम् ।
बन्धूक पुष्प संकाशं हार कुंडल भूषितम्।
एक चक्र धरं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम् ।
तं सूर्य जगत् कर्तारं महातेजः प्रदीपनम्।
महापाप हरं देवं तं सूर्य प्रणमाम्यहम् ।
तं सूर्य जगतां नाथं ज्ञान विज्ञान मोक्षदम्।
महापापं हरं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम्
सूर्याष्टकं पठेन्नित्यं गृहपीड़ा प्रणाशनम।
अपुत्रो लभते पुत्रं दरिद्रो धनवान भवेत।
अभिषं मधु पानं च यः करोत्तिवेदिने।
सप्तजन्म भवेद्रोगी जन्म-जन्म दरिद्रता।
स्त्री तेल मधुमां-सा नित्य स्त्यजेन्तु रवेद्रिने।
न व्याधिः शोक दारिद्रयं सूर्यलोकं सगच्छति

सूर्याष्टक पाठ करने के नियम

-रविवार के दिन जल्दी उठकर सूर्यदेव को जल अर्पित करें। इसके बाद कम से कम 7 बार सूर्याष्टक का पाठ जरूर करें।

-सूर्याष्टक का पाठ रविवार के दिन करना सबसे ज्यादा उत्तम है लेकिन आप रोजाना सूर्योदय के समय पर सूर्याष्टक का पाठ कर सकते हैं।

-सूर्याष्टक का पाठ करने से पहले नमक का सेवन न करें।

-शुरुआत में 7 रविवार जरूर करें सूर्याष्टक का पाठ।

त्रिपुष्कर योग में आज मनाई जाएगी भानु सप्तमी

वैदिक पंचांग के अनुसार रविवार 20 अप्रैल को भानु सप्तमी है। यह पर्व हर महीने कृष्ण और शुक्ल पक्ष के दिन मनाया जाता है। रविवार के दिन पड़ने पर भानु सप्तमी का महत्व और बढ़ जाता है। इस शुभ तिथि पर आत्मा के कारक सूर्य देव की पूजा की जाती है। साथ ही दान-पुण्य किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि रविवार 20 अप्रैल को भानु सप्तमी है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इनमें दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का भी संयोग बन रहा है। इन योग में सूर्य देव की पूजा करने से साधक को अक्षय और अमोघ फल की प्राप्ति होगी। यह पर्व पूर्णतया सूर्य देव को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर साधक गंगा नदी में स्नान करते हैं। साथ ही मां गंगा और सूर्य देव की पूजा करते हैं। सुविधा न होने पर घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। इसके बाद भक्ति भाव से सूर्य देव की पूजा करते हैं।

धार्मिक मत है कि सूर्य देव की उपासना करने से साधक को हर काम में सफलता मिलती है। साथ ही शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। भानु सप्तमी पर साधक अपनी इच्छा अनुसार अन्न, जल और धन का दान भी करते हैं। अगर आप जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति और जॉब में तरक्की पाना चाहते हैं, तो भानु सप्तमी के दिन गंगा स्नान कर सूर्य देव की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय मां गंगा के नामों का जप करें।

तिथि – वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि 19 अप्रैल को शाम 06:21 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि का समापन 20 अप्रैल को शाम 07 बजे होगा। उदया तिथि की गणना से 20 अप्रैल को भानु सप्तमी है।

त्रिपुष्कर योग– भानु सप्तमी पर दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इस योग का संयोग दोपहर 11:48 मिनट से बन रहा है। वहीं, त्रिपुष्कर योग का समापन शाम 07 बजे होगा। इस दौरान सूर्य देव की पूजा एवं उपासना करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

शुभ योग – भानु सप्तमी पर सिद्ध योग का संयोग है। सिद्ध योग देर रात 12 13 मिनट तक है। भानु सप्तमी पर सिद्ध योग में सूर्य देव की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी। साथ ही सभी बिगड़े काम बनने लगेंगे। इसके अलावा, आरोग्यता का वरदान भी मिलता है। इस शुभ अवसर पर पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा नक्षत्र का भी संयोग है।

पूजा विधि –भानु सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नहा लें और साफ-सुथरे कपड़े पहनें। फिर सूर्य को तांबे के लोटे से अर्घ्य दें। इसमें शुद्ध जल के साथ थोड़ा लाल चंदन, अक्षत (चावल) और लाल फूल डालें। अर्घ्य देते समय सूर्य मंत्र का जाप करें। मंत्र इस प्रकार है – 'ॐ घृणि सूर्याय नमः'। फिर हाथ जोड़कर व्रत का संकल्प लें और सूर्य देव की पूजा करें। उन्हें लाल फूल, धूप, नैवेद्य और अक्षत अर्पित करें। सूर्य देव की आरती करें और भानु सप्तमी की कथा सुनें या पढ़ें। इसके बाद किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं और गाय को हरा चारा खिलाएं। दिन के अंत में जरूरतमंद लोगों को कुछ दान देना भी बहुत पुण्य का काम माना गया है। व्रत का पारण मीठे भोजन से करें और कोशिश करें कि इस दिन नमक न खाएं।

महत्व –पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब पहली बार सूर्य का प्रकाश धरती पर पड़ा था, उस दिन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि थी। तभी से इस तिथि को भानु सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन जो भी भक्त सच्चे मन से व्रत रखता है और पूजा करता है, उस पर सूर्य देव की विशेष कृपा होती है। माना जाता है कि इस व्रत से शरीर की बीमारियां दूर होती हैं, आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में नई ऊर्जा आती है।

त्रिपुष्कर योग में भानु सप्तमी पूजा का मनोवांछित फल

भानु सप्तमी पर दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इस योग का संयोग सुबह 11:48 बजे बन रहा है। वहीं, त्रिपुष्कर योग का समापन शाम 07 बजे होगा। इस दौरान सूर्य देव की पूजा एवं उपासना करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

भानु सप्तमी पर सिद्ध योग, बनेगे बिगड़े काम

ज्योतिषाचार्य के अनुसार भानु सप्तमी पर सिद्ध योग का भी संयोग है। सिद्ध योग देर रात 12 13 बजे तक है। भानु सप्तमी पर सिद्ध योग में सूर्य देव की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी। साथ ही सभी बिगड़े काम बनने लगेंगे। इसके अलावा, आरोग्यता का वरदान भी मिलता है। इस शुभ अवसर पर पूर्वाषाढ़ और उत्तराषाढ़ नक्षत्र का भी संयोग है।

क्यों मनाते हैं भानु सप्तमी

ज्योतिषाचार्य के अनुसार जब पहली बार सूर्य का प्रकाश धरती पर पड़ा था, उस दिन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि थी। तभी से हर सप्तमी को भानु सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। इसलिए हर महीने में कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की सप्तमी पर भानु सप्तमी मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन जो भी भक्त सच्चे मन से व्रत रखता है और पूजा करता है, उस पर सूर्य देव की विशेष कृपा होती है। माना जाता है कि इस व्रत से शरीर की बीमारियां दूर होती हैं, आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में नई ऊर्जा आती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

एकादशी पर लाभ देंगे तुलसी से जुड़े यह कार्य, बनी रहेगी श्रीहरि कृपा

पंचांग के अनुसार, इस बार वरूथिनी एकादशी का व्रत 24 अप्रैल को किया जाएगा। एकादशी के दिन तुलसी का महत्व और भी बढ़ जाता है। ऐसे में रूथिनी एकादशी के दिन तुलसी से संबंधित कुछ नियमों का ध्यान रखकर भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की भी कृपा के पात्र बन सकते हैं।

मिलेगी विष्णु जी की कृपा

भगवान विष्णु का भोग तुलसी के बिना अधूरा माना जाता है। ऐसे में एकादशी के दिन विष्णु जी के भोग में तुलसी जरूर शामिल करें। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना वर्जित होता है, ऐसे में आप एक-दो दिन पहले ही तुलसी के पत्ते उतारकर रख सकते हैं।

जरूर करें ये काम

एकादशी के दिन शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक भी जलाएं और तुलसी मंत्रों का जाप कर आरती करें। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और साधक को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। आप पूजा के दौरान तुलसी जी के इन मंत्रों का जप कर सकते हैं –

महाप्रसाद जननी सर्व सौभाग्यवर्धिनी,
आधि व्याधि हरा नित्यं तुलसी त्वं नमोस्तुते।।

तुलसी नामाष्टक मंत्र –

वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी।
पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी।।
एतभामांष्टक चैव स्त्रोतं नामर्थं संयुतम।
यः पठेत तां च सम्पूज्य सौश्रमेघ फलंलमेता।।

भूलकर भी न करें ये काम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी तिथि पर तुलसी में जल अर्पित नहीं करना चाहिए और न ही इस दिन पर तुलसी के पत्ते तोड़ने चाहिए। इसी के साथ तुलसी के आस-पास साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखें।

तुलसी को गंदे या फिर जूठे हाथों से नहीं छूएं। इन सभी नियमों को नरजअंदाज करने से आपका एकादशी व्रत खंडित हो सकता है। अगर आप एकादशी व्रत नहीं भी करते हैं, तब भी इन नियमों का ध्यान रखना जरूरी है।

आज त्रिदेव की कृपा का लाभ दिलाएगा त्रिपुष्कर योग

मेष-कर्क समेत अन्य राशियों को होगा अप्रत्याशित धन लाभ

आज सप्तमी तिथि का संयोग बना है। और दिन रविवार होने से दिन और तिथि के स्वामी सूर्यदेव होंगे। और तो और कल सूर्यदेव का शुभ योग रवियोग भी वर्तमान रहेगा। और कल के दिन चंद्रमा धनु उपरांत मकर राशि में उत्तराषाढा नक्षत्र से संचार कर रहा है। और इसके साथ ही कल के दिन त्रिपुष्कर योग का भी संयोग बना है जो त्रिदेवों की कृपा का लाभ दिलाने वाला योग है जिसके प्रभाव से मेष, कर्क, तुला, वृश्चिक और मीन राशि के जातकों को भाग्य कई क्षेत्रों से लाभ और कामयाबी प्रदान करेगा। तो आइए जानते हैं इसके साथ कल रविवार के उपाय भी, जिससे आपका दिन भाग्यशाली बनेगा।

मेष राशि– मेष राशि के जातकों के लिए रविवार का दिन त्रिदेव की कृपा से शानदार रहने वाला है। कल कारोबार में नए मौके मिलेंगे। साहसिक फैसले आपको अच्छा धन लाभ दिलाएंगे। तांबे, खनिज, सीमेंट आदि से जुड़ा काम करने वालों को अच्छा मुनाफा होगा। आय के साधनों में बढ़ोतरी होगी। सुख-सुविधाओं में इजाफा होने से मन खुश रहेगा। कार्यक्षेत्र में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा जातकों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कम मेहनत में ज्यादा लाभ कमाने के आसार हैं। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति के मार्गदर्शन की मदद से आपको लाभ होगा। पुराना उधार वापस मिल सकता है। आत्मविश्वास में इजाफा होगा। दांपत्य जीवन सुख-शांति भरा रहेगा। जीवनसाथी की मदद से आप लाभ कमाने में कामयाब होंगे। पिता का सहयोग प्राप्त होगा। संपत्ति से जुड़े कार्यों में लाभ होगा।

मेष राशि : सुबह सूर्यदेव को रोली डालकर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इस दौरान एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजो राशे जगत्पते। अनुकम्पयं मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकर मंत्र का जप करें।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातकों की किस्मत रविवार के दिन सूर्य की कृपा से चमकेगी। कल अचानक धन लाभ हो सकता है। नौकरी की तलाश में भटक रहे जातकों को कल प्राइवेट सेक्टर से कोई खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। कारोबार के लिहाज से दिन अनुकूल रहने वाला है। कल रचनात्मक कार्यों से जुड़े जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। यातायात और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े कर्क राशि के लोग अच्छी कमाई करेंगे। भोग-विलास और सुख-सुविधाओं के साधनों में बढ़ोतरी होगी। व्यापार के सिलसिले में किसी यात्रा पर जा सकते हैं। यह यात्रा आपके लिए मनचाहा परिणाम दिलाने वाली होगी। परिवार में कल खुशियों का माहौल रहेगा। संतान की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है। किसी धार्मिक आयोजन की तैयारी कर सकते हैं। कुल मिलाकर कल भाग्य का साथ मिलने वाला है।

कर्क राशि : सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद 108 बार ॐ घृणि सूर्याय नमः मंत्र का जप करें।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए रविवार का दिन कारोबार के लिहाज से जबरदस्त रहने वाला है। कल आपकी आय में इजाफा होगा। किसी पुराने क्लाइंट का भरोसा आप पर फिर बन सकता है और आपको अच्छा सौदा हासिल हो सकता है। कार्यक्षेत्र में विरोधी सक्रिय जरूर होंगे, लेकिन आप अपनी विवेकशीलता के दम पर उन्हें पराजित करने में सफल होंगे। नौकरी आदि की तलाश कर रहे लोगों को नया काम मिल सकता है। सोना, अगरबत्ती, इत्र, पान आदि का काम करने वालों को अच्छा मुनाफा कमाने का मौका मिलेगा। नौकरी में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे। भाइयों में प्रेम बना रहेगा। पिता का सहयोग मिलेगा। अगर निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो संपत्ति आदि में धन लगाना फायदेमंद हो सकता है। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रेमपूर्वक रहेंगे। विवाह योग्य जातकों के लिए शादी का रिश्ता आ सकता है।

तुला राशि : तुला राशि वाले सुबह-शाम घर के द्वार पर घी का दीया जलाएं। सुबह सूर्य को अर्घ्य देने के बाद सूर्य चालीसा का पाठ करें।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि वालों के लिए रविवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। कल आपकी आय के साधनों में बढ़ोतरी हो सकती है। तकनीक, आयात-निर्यात, इलेक्ट्रॉनिक्स का काम करने वालों को कल विशेष रूप से लाभ हो सकता है। पार्टनरशिप में काम करने वालों के लिए दिन खास तौर पर अच्छा रहने वाला है। धन लाभ के आसार हैं। किसी पुराने विवाद में आपके पक्ष में फैसला हो सकता है। माता का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन ठीकठाक रहने वाला है। घरेलू कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग मिलने से मन खुश रहेगा। ससुराल से लाभ हो सकता है। करीबी मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बाहर घूमने की योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों में पार्टनर के साथ तालमेल बना रहेगा। बच्चों की शिक्षा को लेकर चली आ रही किसी परेशानी का समाधान निकल सकता है।

वृश्चिक राशि : स्नान-ध्यान के बाद पूजन के दौरान 1 माला गायत्री मंत्र का जप करें। गाय को गुड़ और रोटी खिलाएं।

सिंह राशि – भानु सप्तमी 2025 पर हने शुभ योग का फायदा सिंह राशि वालों को मिलेगा। सिंह राशि वालों के मान सम्मान में अच्छी वृद्धि होगी और अपनी वाणी व कौशल से सभी का दिल जीतने में सफल रहेंगे। समाज के कई खास लोगों के साथ आपका उठना बैठना शुरू होगा, जिससे आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। शुभ योग के प्रभाव से सिंह राशि वालों को धन प्राप्ति के कई अवसर मिलेंग और आपको प्रतिभा दिखाने का मौका भी मिलेगा।

मकर राशि – भानु सप्तमी 2025 पर बन रहे शुभ योग से मकर राशि वालों को शत्रुओं से मुक्ति मिलेगी और आपके विचारों से लोग काफी प्रभावित भी होंगे, जिसकी वजह से आपके सलाह भी लेंगे। आपके द्वारा की गई मेहनत का पूरा फल मिलेगा और सफलता आपको ऊंचाइयों पर ले जाएगी। नौकरी व कारोबार करने वालों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा और आप अधिक प्रेरित भी होंगे।

सुबह उठते ही भूलकर भी न देखें ये पांच चीजें, कार्यों में आ सकती हैं रुकावटें

आज के समय में हर कोई इंसान चाहता है कि उसका जीवन खुशहाल हो। उसे किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े, लेकिन अगर आप वास्तु के नियम का पालन नहीं करते हैं, तो इससे आपके जीवन में कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं और मां लक्ष्मी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सुबह उठते ही कुछ चीजों को भूलकर भी नहीं देखना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि कुछ चीजों को देखने से मन में नकारात्मक ऊर्जा आती है। साथ ही दिन खुशियों से भरा नहीं होता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि सुबह उठते ही किन चीजों को भूलकर भी नहीं देखना चाहिए?

भूलकर भी न देखें ये चीजें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रात के समय जूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। अगर किसी वजह से रात को जूठे बर्तन साफ नहीं कर पाएं, तो उन्हें सुबह उठते के साथ ही न देखें। ऐसा माना जाता है कि सुबह उठने के साथ ही जूठे बर्तनों को देखने से मन में नकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, रात को जूठे बर्तन छोड़ने से घर में मां अन्नपूर्णा का वास नहीं होता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को जीवन में अन्न की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र की मानें तो घर या ऑफिस में बंद घड़ी को रखना अशुभ माना जाता है। घड़ी को लगाने के लिए पूर्व और उत्तर दिशा को शुभ माना जाता है। सुबह उठते ही बंद घड़ी को देखने से दिन खराब हो सकता है और कामों में बाधा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आपके भी घर में बंद घड़ी है, तो उसे ठीक करवा लें या घर से बाहर निकाल दें।

इसके अलावा सुबह उठते ही अपनी या किसी व्यक्ति की परछाई को देखना अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, परछाई को देखने से कामों को पूरा करने के लिए समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा उठते ही कूड़ेदान और झाड़ू को भी नहीं देखना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि इन चीजों को देखने से व्यक्ति आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

अभिनेत्री शिला ने किया एक ही हीरो के संग 130 फिल्में

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है नाम

जानिए उस एक्ट्रेस के बारे में, जिसने अपने 60 साल के करियर में 500 फिल्मों में काम किया, दर्जनों हिट फिल्में दीं। और तो और ऐसे कारनामे किए कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज हो गया। यह 60 और 70 के दशक की सबसे महंगी एक्ट्रेस रही, और हीरो से भी ज्यादा फीस लेती थी। पता है यह कौन है? इस एक्ट्रेस ने एक ही हीरो के के साथ 130 फिल्मों में काम करके रिकॉर्ड बना दिया था।इस एक्ट्रेस का नाम है शीला, जो मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस रही हैं। फिल्मों में उनकी जोड़ी एक्टर प्रेम नज़ीर के साथ बनती थी, और बेहद पसंद की जाती थी। प्रेम नजीर भी शीला को अपना लक मानते थे।

शीला का असली नाम, इस एक्टर ने फिल्मों में किया था लॉन्च

मलयाली परिवार में पैदा हुईं शीला का असली नाम सेलीन है। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदल लिया था। उन्हें फिल्मों में एक्टर एमजीआर लेकर आए थे। तब शीला 17 साल की थीं। उन्होंने ही सेलीन का नाम बदलकर शीला देवी रखा था। शीला ने तमिल फिल्मों से साल 1962 में एक्टिंग डेब्यू किया था, और उसी साल उन्होंने मलयालम फिल्मों में भी कदम रखे।

प्रेम नज़ीर संग 130 फिल्में, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम

इसके बाद शीला ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा, और दो दशक के वक्त में करीब 475 अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया। फिल्मों में प्रेम नजीर के साथ उनकी जोड़ी खूब पसंद की गई और तहलका मचा दिया था। ये जोड़ी इतनी हिट थी कि साथ की गईं 130 फिल्मों में से 50 सुपरहिट रही थीं। शीला ने प्रेम नज़ीर के साथ 130 फिल्मों में बतौर हीरोइन काम किया। इस कारण उनका और प्रेम नज़ीर का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है।

शीला के नाम एक और रिकॉर्ड ये भी

यही नहीं, शीला के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज है। दरअसल साउथ की एकमात्र एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने कोई फिल्म लिखी और डायरेक्ट भी की। वह एक पेंटर भी हैं। उन्होंने एक बार होटल ली-मेरीडियन में अपनी पेंटिंग्स की प्रदर्शनी लगाई थी, जिसमें 93 पेंटिंग्स बिकी थीं। उनसे इकट्ठा किए गए पैसों को चेन्नई बाढ़ के पीड़ितों को डोनेट कर दिया गया था।

साल 1983 में फिल्मों से ले लिया रिटायरमेंट

शीला ने 70 के दशक तक फिल्मों में खूब काम किया, और फिर साल 1983 में रिटायरमेंट ले लिया। इसके बाद वह तमिलनाडु के ऊटाकामुंड में बस गईं। अपने करियर में उन्होंने नेशनल अवॉर्ड से लेकर केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड और लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड समेत कई सम्मान जीते।

ऐसे किरदार पसंद हैं जो रियल और नेचुरल दिखें : पूजा हेगड़े

साउथ के सुपरस्टार सूर्या और एक्ट्रेस पूजा हेगड़े की जोड़ी जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है। दोनों की आने वाली फिल्म 'रेट्रो' का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित यह रोमांटिक एक्शन ड्रामा 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के पोस्टर्स और अब तक सामने आई झलकियों ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में पूजा हेगड़े ने फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि जब वो पहली बार निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज से फिल्म की कहानी सुनने जा रही थीं, तो उन्हें साफ कहा गया कि बिना मेकअप और हेयरस्टाइल के आना है। इस पर पूजा ने खुशी जताई और कहा कि उन्हें ऐसे किरदार पसंद हैं जो रियल और नेचुरल दिखें। इसी पल से उन्हें इस फिल्म से एक खास जुड़ाव महसूस हुआ।

फिल्म की कहानी पारिवेल कन्नन नाम के एक शख्स पर आधारित है, जिसका किरदार निभा रहे हैं सूर्या। पारिवेल एक ऐसा इंसान है जो अपने पुराने हिंसक जीवन को पीछे छोड़कर, प्यार और सुकून की तलाश में है। रुक्मिणी (पूजा हेगड़े) के साथ उसे एक नई शुरुआत की उम्मीद नजर आती है, लेकिन किस्मत उन्हें फिर एक बार अलग कर देती है। कहानी प्यार, खोए रिश्ते और आत्म-खोज की एक भावुक यात्रा पर आधारित है, जिसमें एक्शन और इमोशन दोनों का जबरदस्त मेल है।

शानदार कास्ट और दमदार तकनीकी टीम

फिल्म में सूर्या और पूजा के अलावा जोजू जॉर्ज, जयराम, नासर, प्रकाश राज और सुजीत शंकर जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी श्रेयस कृष्णा ने निभाई है, जबकि म्यूजिक दिया है संतोष नारायणन ने। एडिटिंग शफीक मोहम्मद अली ने की है।

रेट्रो का निर्माण सूर्या और ज्योतिका की कंपनी 2ऊ एंटरटेनमेंट के तहत हुआ है। यह फिल्म न सिर्फ एक मजबूत कहानी लेकर आ रही है, बल्कि सूर्या और पूजा हेगड़े जैसे सितारों की परफॉर्मेंस भी इसे खास बनाएगी। 'रेट्रो' निश्चित ही साल 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

सस्पेंस नहीं, मिस्ट्री से भरी सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म निकिता रॉय, पहला लुक रिवील

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर दर्शकों को एक दिलचस्प कहानी सुनाने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म निकिता रॉय का पहला पोस्टर हाल ही में जारी किया गया है जिसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है। फिल्म सस्पेंस न सही, लेकिन मिस्ट्री से भरी रहने वाली है।

सोनाक्षी सिन्हा की आगामी फिल्म निकिता रॉय एक हॉरर-मिस्ट्री जॉनर की फिल्म है। इससे पहले अभिनेत्री ने हॉरर फिल्म ककुड़ा में काम किया था जिसके लिए उन्हें खूब सराहना मिली थी। अब वह एक और मिस्ट्री हॉरर लेकर आ रही हैं। उनकी पिछली फिल्म भले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई, लेकिन निकिता रॉय सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म से अभिनेत्री का पहला पोस्टर भी दमदार है।

निकिता रॉय से सोनाक्षी का पहला लुक

19 अप्रैल यानी शनिवार को सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी आगामी फिल्म निकिता रॉय से पहला पोस्टर शेयर कर दिया है। पोस्टर सस्पेंस से भरा है। एक्ट्रेस के साथ-साथ पोस्टर में अर्जुन रामपाल और परेश रावल भी हैं। तीनों अपने-अपने इंटेंस लुक में हैं। पोस्टर में फिल्म के डायरेक्टर कुश सिन्हा भी दिख रहे हैं।

फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किए जाने के साथ-साथ यह भी अनाउंस कर दिया गया है कि यह कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म इसी साल 30 मई को बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी। पोस्ट के साथ सोनाक्षी सिन्हा ने कैप्शन में लिखा है, बिना किसी सस्पेंस... वो पिक्चर में देख लेना। मेरी रहस्यमयी अगली निकिता रॉय का पहला लुक यहां है। फिल्म 30 मई 2025 को सिनेमाघर में रिलीज हो रही है। इस फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं।बात करें सोनाक्षी सिन्हा की अगली फिल्म निकिता रॉय की कहानी की तो यह एक डरावनी और रहस्य से भरी फिल्म होगी। यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जिसमें रहस्य और तनाव भरपूर होगा। इस फिल्म को आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, महनाज शेख और प्रेम राज जोशी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

हॉस्टल की दीवारों के पीछे का खौफ दहला देगा दिल!

हॉरर फिल्में और सीरीज देखने पर थोड़ा डर जरूर महसूस होता है, लेकिन इस जॉनर के शौकीन समझ सकते हैं कि ऐसी वेब सीरीज का अपना एक अलग ही मजा होता है। अमेजन प्राइम वीडियो पर खौफ वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसकी चर्चा ओटीटी लवर्स के बीच लंबे समय से चल रही थी। बिग बॉस फैंस, तो इसमें चुम दरांग के रोल को लेकर एक्साइटेड थे। अब सीरीज की स्ट्रीमिंग शुरू हो चुकी है। अगर आप वीकेंड पर इस हॉरर शो को देखने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले रिव्यू पढ़ लें। इससे आपको पता चल जाएगा कि खौफ की कहानी क्या है।

खौफ की कहानी एक वर्किंग वुमन हॉस्टल में सेट है, जो वहां की लड़कियों के लिए डर का केंद्र बना हुआ है। छोटे शहर से नौकरी और आजादी की तलाश में आना आज के समय में हर तीसरी लड़की की कहानी को दर्शाता है, लेकिन सीरीज देखते ही देखते खौफ का रूप ले लेती है, जब उन लड़कियों के अतीत की कहानियां पुराने जख्मों पर नमक लगाने का काम करती है, तो कई तरह की डरावनी घटनाएं शुरू हो जाती हैं।

खौफ की कहानी में बड़ा ट्विस्ट आता है, जब ग्वालियर की एक लड़की मधु (मोनिका पंवार) की महिलाओं के हॉस्टल में एंट्री होती है। जहां पहले से ही कुछ डरी हुई महिलाएं (प्रियंका सेठिया, चुम दरांग, रिया शुक्ला, सुची मल्होत्रा) रहती हैं और रात के समय वापस लौटने पर थोड़ा असहज और डर महसूस करती हैं। मधु की एंट्री के बाद इस डरावने हॉस्टल की कहानी आगे बढ़ती है और कई रोचक मोड़ आते हैं, जिन्हें देखकर आपकी रूह कांप सकती है। इस सीरीज में रजत कपूर एक रहस्यमयी हकीम के किरदार में नजर आते हैं, जो पुरानी दिल्ली की तंग गली में बसता है। उनका किरदार अपने अजीब इलाज के लिए जाना जाता है। एक पुलिसवाली और सिंगल मदर (गीतांजलि कुलकर्णी) अपने बेटे के कारण थोड़ा परेशान रहती है, क्योंकि उसका बेटा चुपचाप हकीम के लिए गलत काम करता है। वह परेशान मां अपनी तकलीफ को हॉस्टल की वार्डन (शालिनी वत्स) से सांझा करती हैं।

हॉस्टल में भटकती आत्माएं, खुद अचानक चालू होने वाला ग्राइंडर मिक्सर, खून से लथपथ हमले, और पुरुषों से महिलाओं का बदला जैसे सीन्स डर पैदा करते हैं।

खौफ सीरीज को देखने के बाद इसका सबसे मजबूत पक्ष महिलाओं का किरदार लगा है। एक्टिंग की बात करें, तो मोनिका पंवार ने अपने रोल के साथ न्याय किया है। सीरीज में पुराने जख्मों से जूझ रही महिला अचानक आत्मविश्वास से भर जाती है। इतना ही नहीं, उसका एक्स ब्वॉयफ्रेंड के साथ रिश्ता भी अच्छे से दिखाया गया है, जो आज के युवा को रिलेशनशिप से जुड़ी जरूरी सीख देता है। अगर इसके कमजोर पक्ष की बात करें, तो वह साइकेट्रिस्ट (शिल्पा शुक्ला) का किरदार है। जिस तरह से उसकी एंट्री सीरीज में होती है, वह कहानी के साथ थोड़ा फिट नहीं हो पाती है। वहीं, हकीम के किरदार को थोड़ा डरावना बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन वह ज्यादा प्रभावशाली साबित नहीं होता है।

खौफ सीरीज को वीकेंड पर देखा जा सकता है। हमारी तरफ से इसे 2.5 स्टार की रेटिंग दी जा रही है। अगर आपको हॉरर जॉनर पसंद है, तो इसे देख सकते हैं। सीरीज की कास्ट में मोनिका पंवार, शालिनी वत्स, गीतांजलि कुलकर्णी, रजत कपूर, प्रियंका सेठिया, चुम दरांग, रिया शुक्ला, सुची मल्होत्रा, सत्यम शर्मा, सुधाकर मणि, गगन अरोड़ा, डेलजाद हीवाले और शिल्पा शुक्ला शामिल है। वहीं, इसका निर्देशन पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन ने किया है।

प्रेग्नेंट हैं क्या...?

अमीषा पटेल की बिकिनी फोटोज में दिखाई दिया बेबी बंप!

गदर 2 एक्ट्रेस अमीषा पटेल 49 साल की उम्र में जितनी फिट और फाइन दिखती हैं उससे उनसे हर कोई इंस्पायर होता है। एक्ट्रेस ने ऋतिक रोशन के साथ पिल्म कहो ना प्यार है से डेब्यू किया था और इसके बाद गदर की सकीना बनकर सबका दिल जीत लिया।हालांकि अब अमीषा पटेल की एक लेटेस्ट फोटो ने फैंस को कंफ्यूज कर दिया है। एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर की मोनोकिनी में पोज देते हुए एक फोटो शेयर की है जिसमें वो उनका पेट काफी दिखाई दे रहा है। उनकी लेटेस्ट फोटो देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वो प्रेग्नेंट हैं?

अमीषा के लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार अभिनेत्री दुबई में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने कई फोटोज और वीडियोज शेयर की है जिसमें उन्होंने ग्रीन कलर की मोनोकिनी बिकनी के ऊपर व्हाइट कलर की शर्ट पहनी है। एक्ट्रेस इसी के साथ पूल में आईस्क्रीम खाती नजर आईं। वहीं एक फोटो में उन्होंने केवल बिकिनी पहनी है जिसमें उनका पेट साफ दिखाई दे रहा है। अमीषा ने अपने बाल खुले रखे हैं और टोपी के साथ धूप वाला काला चश्मा भी पहना हुआ है।

हालांकि, सोशल मीडिया पर तस्वीरें सामने आने के तुरंत बाद फैंस आश्चर्य में पड़ गए। उन्हें लगा कि अभिनेत्री प्रेग्नेंट हैं? एक प्रशंसक ने पूछा। प्रेग्नेंट लग रहे हो..??? या मेरी गलतफेहमी है??? एक अन्य ने लिखा - क्या आप प्रेग्नेंट हैं? एक तीसरी ने कमेंट किया-वह प्रेग्नेंट लग रही हैं। हालांकि कई फैंस उनकी तारीफ भी करते नजर आए। कुछ ने उन्हें खूबसूरत कहा, तो कुछ ने अभिनेत्री को हॉटी कहकर बुलाया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमीषा की कहो ना प्यार है इस साल जनवरी में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई। एक इंटरव्यू में अपनी इस फिल्म के बारे में बात करते हुए अमीषा ने कहा,एक सामान्य लड़का और लड़की-नेक्स्ट-डोर होने से हम सनसनी बन गए। रोहित और सोनिया पूरे देश के क्रश बन गए। यह कोई साधारण फिल्म नहीं थी। लोगों ने किरदारों को जिया है!

अजित कुमार का विदेशों में धमाका

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार अजित कुमार की हालिया रिलीज फिल्म गुड बैड अग्ली बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। रिलीज के महज 8 दिनों के अंदर ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कमाई का एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

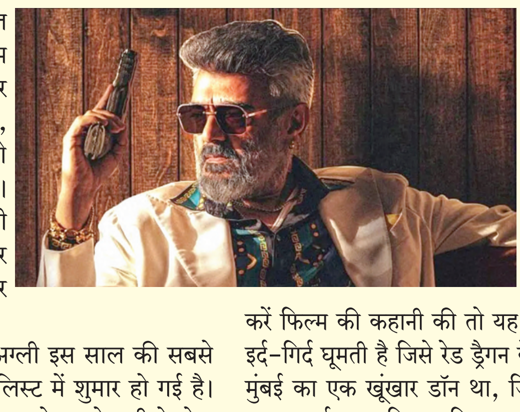

एक्शन कॉमेडी जॉनर की गुड बैड अग्ली इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शुमार हो गई है। अधिक रविचंद्रन के निर्देशन में बनी फिल्म के आगे सनी देओल की मूवी जाट का भी जादू नहीं चल पाया है। दोनों फिल्में एक ही दिन सिनेमाघरों में आई थीं। गुड बैड अग्ली का वर्ल्डवाइड बिजनेस का नया डाटा जानकर हैरान रह जाएंगे। गुड बैड अग्ली भारतीय सिनेमाघरों में खूब धूम मचा रही है। सिर्फ दो भाषाओं में रिलीज इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये के पार कमाई कर ली है और यह आंकड़ा सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस का है। दूसरी ओर वर्ल्डवाइड में इसने 8 दिन के अंदर एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। मैत्री मूवी मेकर्स के मुताबिक, अजित कुमार स्टारर फिल्म ने मात्र 8 दिन के अंदर वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।बात करें फिल्म की कहानी की तो यह -घ नाम के एक ऐसे गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे रेड ड्रैगन के नाम से भी जाना जाता है। वह मुंबई का एक खूंखार डॉन था, जिसने 2007 में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया ताकि वह अपनी पत्नी राम्या और बेटे विहान के साथ शांति से जिंदगी जी सके। तभी उसकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है कि उसे अपना गैंगस्टर वाला रूप दोबारा अपनाना पड़ता है। फिल्म में अजित कुमार तीन अलग-अलग किरदार में नजर आ रही हैं। तृषा कृष्णन, अर्जुन दास, प्रिया प्रकाश वॉरियर और राहुल देव जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आज जीवन के कई अहम मुद्दों पर आप घरवालों के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आज आपका धन कई चीजों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता है इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मन में आज अपने किसी खास को लेकर निराशा रेहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौक़ों का भरपूर फ़ायदा उठाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। आपके जीवनसाथी की सुस्ती आपके कई कामों पर पानी फेर सकती है। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। व्यापाार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 अप्रैल 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 07:03 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रातः 11:48 तक
योग : सिद्ध रात्रि 12:11 तक
करण : विष्टि प्रातः 06:49 तक
चन्द्रराशि : धनु सायं 06:05 तक
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 06:47 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में राजस्थान को मिला बेस्ट परफॉर्मर स्टेट का अवार्ड

जयपुर,19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान को एक और उपलब्धि मिली है। राजस्थान को केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की तरफ से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में बेस्ट परफॉर्मर का अवार्ड मिला है। यह अवार्ड LEADS 2024 की रिपोर्ट के आधार पर राजस्थान को दिया गया है।

राजस्थान को LEADS 2024 रिपोर्ट में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में सुगमता को प्रोत्साहित करने और राज्य में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में नियामक वातावरण में सुधार के लिए यह अवार्ड दिया गया है। यह रिपोर्ट केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा जारी की गई है। चार कैटेगिरी में से एक में यह अवार्ड राजस्थान को दिया गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा LEADS की रिपोर्ट निर्धारित दस मानदंडों के आधार पर जारी की जाती है। इसके तहत राज्य में लॉजिस्टिक्स पॉलिसी का निर्माण, लॉजिस्टिक्स प्लान का निर्माण, पीएम गतिशक्ति योजना का राज्य में उपयोग, मानव संसाधन को बढ़ावा देना, ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढावा देना, केंद्र सरकार की परियोजनाओं का राज्य में सुविधा प्रदान करना, पीपीपी मोड का विकास, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देना, नियामक वातावरण में सुधार, साथ ही यूनीफाइड लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म का उपयोग जैसे मानदंड निर्धारित किए गए है। प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने बताया कि निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने के क्रम में राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी–2025 जारी की जा चुकी है यह नीति राजस्थान को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी।उन्होंने बताया कि राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। साथ ही देश के राष्ट्रीय राजमार्गों का बड़ा नेटवर्क और दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क राजस्थान में ही है। इसके अलावा 8 इनलैंड कंटेनर डिपो, 7 एयरपोर्ट और 2 एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स हमें लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में मजबूत स्थिति प्रदान कर रहे हैं। राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी–2025 राजस्थान की भौगोलिक स्थिति का लाभ लेते हुए औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाते हुए उद्योगों को भी आगे बढ़ने के भरपूर अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा जारी राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी–2025 में राजस्थान को लॉजिस्टिक्स के लिए पसंदीदा गंतव्य स्थल बनाने के लिए कई आकर्षक प्रावधान किए गए हैं। इनमें कई तरह की विशेष छूट और अनुदान शामिल हैं। वेयरहाउस, साइलो, कोल्ड स्टोरेज, इनलैण्ड कन्टेनर डिपो, कन्टेनर फ्रेट स्टेशन, एयर फ्रेट स्टेशन, कार्गो टर्मिनल, ट्रकर पार्क इत्यादि के लिए 5 से 50 करोड़ रुपए तक इलिजिबल फिक्स कैपिटल इन्वेस्टमेंट (ईएफसीआई) की 25 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी दस वर्षों तक देने का प्रावधान किया गया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति के स्वागत को जयपुर तैयार

जयपुर,19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड (जेडी) वेंस 21 अप्रैल को भारत यात्रा पर आ रहे हैं। उनके स्वागत के लिए जयपुर में जोर–शोर से तैयारियां की जा रही हैं। वे चार दिन की भारत यात्रा पर रहेंगे, जिस दौरान 'पिंक सिटी' का भी भ्रमण करेंगे।

उपराष्ट्रपति वेंस फिलहाल इटली में अपने परिवार के साथ हैं और सोमवार (21 अप्रैल) को भारत पहुंचेंगे। वह सबसे पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद उसी शाम जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। जयपुर एयरपोर्ट पर उनका रेड कार्पेट वेलकम किया जाएगा। वेंस 21 से 24 अप्रैल तक जयपुर में रहेंगे। 22 अप्रैल की सुबह वह ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा करेंगे, जहां उनका पारंपरिक राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया जाएगा। वेंस और उनके परिवार को जोधपुरी साफा पहनाया जाएगा और राजस्थानी कठपुतली शो, लोक नृत्य, पारंपरिक भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम दिखाए जाएंगे।

इसके बाद वे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होने वाले यूएस–इंडिया बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगे और दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को लेकर अपना विजन साझा करेंगे। 23 अप्रैल को वे अमेरिकी वायुसेना के विशेष विमान से आगरा जाकर ताजमहल का दीदार करेंगे। वहां लगभग तीन घंटे रुकने के बाद वे दोपहर में फिर से जयपुर लौट आएंगे और उसी दिन जयपुर सिटी पैलेस भी देखेंगे।

जयपुर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिनमें राजस्थान पुलिस के सादे कपड़ों में अधिकारी, 20 गाड़ियों का काफिला और विशेष एम्बुलेंस शामिल हैं। आमेर किले को वेंस की यात्रा के दौरान ढाई घंटे के लिए आम जनता के लिए बंद रखा जाएगा।

मुर्शिदाबाद हिंसा के विरोध में दौसा में विहिप का प्रदर्शन

दौसा,19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई हिंसा के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को गांधी तिराहा पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग उठाई गई।

विहिप के विभाग मंत्री परमानंद शर्मा ने कहा कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को हिंसा की आग में झोंक दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुओं पर संगठित रूप से हमले किए जा रहे हैं, और सरकार की भूमिका निष्क्रिय ही नहीं, बल्कि कई जगहों पर दंगाइयों को सहयोग देने वाली रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि स्थिति को बिगड़ने से पहले नियंत्रण में लेने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। विहिप जिलाध्यक्ष रूपेंद्र शर्मा ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना जरूरी हो गया है। वहीं जिला सह मंत्री रोहित खंडेलवाल ने ममता सरकार पर संविधान विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए कानून व्यवस्था की अनदेखी कर रही है।

गहलोत का भजनलाल सरकार पर हमला

लू से बचाव के उपायों पर हाईकोर्ट की चिंता को बताया जायज

जयपुर,19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप से निपटने में बदइंतजामी का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस मामले में हाईकोर्ट की चिंता बिल्कुल जायज है। उन्होंने कहा कि पिछली साल 30 मई को हाईकोर्ट ने लू से होने वाली मौतों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश दिए थे, लेकिन सरकार ने उन निर्देशों को लागू नहीं किया।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने इस साल गर्मी आने तक भी आमजन की रक्षा के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं की है। उन्होंने कहाकि लू से लोगों के जीवन को बचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि लोग असमय मृत्यु का शिकार न हों। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट ने पिछले साल भी लू से होने वाली मौतों पर चिंता जताई थी और सरकार को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा था। लेकिन, सरकार ने उन निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया, जिसके कारण आज फिर हाईकोर्ट को इस मामले में दखल देना पड़ रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से लू से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। अस्पतालों में लू से प्रभावित लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए और लोगों को लू से बचने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए।

हरियाणा में अब अवैध गर्भपात की दवा बेचने पर होगी सख़्ती

चंडीगढ़,19 अप्रैल (एजेंसियां)। बेटियों के हित में हरियाणा सरकार ने एक महत्वपूर्ण और ठोस पहल की है। सरकार में लिंगानुपात में गिरावट को देखते हुए सरकार ने अब फैसला किया है कि अवैध रूप से गर्भपात की गोली (एमटीपी किट) बेचने वाले पर पुलिस सीधे कार्रवाई करेगी। सरकार इस अपराध को संज्ञेय अपराध मानेगी। अब पुलिस को बिना वारंट के ऐसे लोगों को जेल भेजने की अनुमति होगी और कम से कम तीन साल की सजा होगी। अभी तक की व्यवस्था में एमटीपी किट बेचना तब तक अपराध नहीं माना जाता था, जब तक कि सबूत न मिले कि इसका इस्तेमाल गर्भपात के लिए किया जा रहा है। इस कमजोरी को देखते हुए कई दुकानदार खुलेआम यह दवा बेच रहे थे। ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट में भी एमटीपी किट की अवैध बिक्री पर सख्त सजा का कोई सीधा उल्लेख नहीं था – केवल मामूली जुर्माना या छोटी सजा दी जाती थी।

हाल ही में फर्जी ग्राहक बनाकर छापेमारी की गई, कई मामलों में लोग पकड़े भी गए, लेकिन ढीले कानून के कारण वे जल्दी ही छूट गए। सरकार अब इस उदार व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश कर रही है और अपराधियों को आसानी से बच निकलने से रोकने के लिए एक बड़ा कानूनी संशोधन पारित कर रही है।

यह फैसला न केवल कानून से जुड़ा है, बल्कि बेटियों की भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा है। इस बदलाव को लागू करना हरियाणा में लिंगानुपात को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। सरकार के इस कदम से न केवल कठोर दंड का रास्ता खुलेगा, बल्कि समाज को यह स्पष्ट संकेत भी जाएगा कि अब बेटियों के अधिकारों पर कोई समझौता नहीं होगा।

हरियाणा को बनाएंगे मैन्यूफैक्चरिंग का हब : सैनी

चंडीगढ़,19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प पर आगे बढ़ते हुए आने वाले दिनों में हरियाणा को मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाएंगे। पिछले 10 वर्षों में हमारी उद्योग अनुकूल तथा श्रमिक कल्याण नीतियों के चलते हरियाणा प्रदेश भारत के सबसे प्रगतिशील औद्योगिक शक्ति केंद्रों के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बजट उपरांत बैठक को संबोधित करते हुए कही।

नायब सिंह सैनी ने बैठक में पहुंचे प्रदेश भर के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को याद करते हुए नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 में विकसित भारत बने। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए इस बार के बजट में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के बजट को बढ़ाकर 1848 करोड़ 12 लाख रुपए कर दिया है जोकि पिछली बार की तुलना में 129 फीसदी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में उद्योग जगत विशेषकर निर्माण, टैक्सटाइल, स्टार्टअप आदि के प्रतिनिधियों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। बैठक में पहुंचे उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उनके सुझावों को बजट में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष के बजट में औद्योगिक श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई उपाय शामिल किए गए हैं। जिसमें श्रमिकों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी औद्योगिक क्षेत्रों में 300 अटल किसान श्रमिक कैंटीन खोली जाएंगी ताकि श्रमिक भाईयों को उचित दर पर पौष्टिक भोजन मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण व मेक इन हरियाणा के उद्देश्य के साथ औद्योगिक नीतियों को केंद्र में रख कर हरियाणा प्रदेश एक विनिर्माण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश अपने औद्योगिक संस्थानों की प्रगति के बलबूते आज जीएसटी कलेक्शन में पूरे देश में पांचवें स्थान पर है।

गुरुग्राम गैस पाइपलाइन हादसा मामला

बिजली लाइन के नीचे न हो गैस पाइप लाइन : विज

गुरुग्राम,19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने गुरुग्राम में हाल ही में गैस पाइपलाइन में लगी आग की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने इस मामले में एसीएस की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में बिजली लाइनों के नीचे गैस पाइपलाइन न बिछाई जाएं। कमेटी यह भी जांच करेगी कि क्या वर्तमान में बिछाई गई पाइपलाइन सभी मानकों के अनुरूप है। पत्रकारों से बातचीत में विज ने बताया कि गुरुग्राम में हुई घटना गंभीर है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि बिजली फीडर के नीचे गैस पाइपलाइन कैसे बिछाई गई, जबकि यह पूरे शहर में फैली हुई है। उन्होंने इस बात की भी जांच की बात कही कि गैस पाइपलाइन पहले बिछाई गई या बिजली फीडर। उन्होंने कहा कि दोनों के आसपास होने से भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

गर्मी के मौसम में बिजली की उपलब्धता को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री विज ने कहा कि इस बार बिजली की कोई कटौती नहीं होगी और सरकार ने पूरी तैयारी कर रखी है। उन्होंने कहा कि उनके पास पर्याप्त बिजली है। बिजली के फाल्ट से बचने के लिए उन्होंने सभी सब–स्टेशनों पर ट्रांसफार्मर बैंक और गाड़ियां रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन स्थानों पर तारें और कंडक्टर कमजोर हैं, उन्हें बदलने के लिए कहा गया है।

बंडारू ने धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में सामुदायिक रेडियो के

इरादा रेडियो का किया शुभारंभ

चंडीगढ़,19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में सामुदायिक रेडियो 'इरादा रेडियो' का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने 'इरादा रेडियो' के स्थापना समारोह में बतौर अतिथि शिरकत की। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इंडियन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन (इरादा) के द्वारा कुरुक्षेत्र में सामुदायिक रेडियो स्टेशन इरादा रेडियो स्थापित किया जा रहा है, जिसका प्रसारण 88.4 मेगाहर्ट्ज पर किया जाएगा। इसके लिए मैं राजपाल जी, डॉ कृष्ण कुमार जी व इरादा रेडियो की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं।

रेडियो जनसंचार के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी शुरुआत थी। यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा जनसंचार के सबसे पुराने और सबसे आसान तरीकों में से एक है। रेडियो ने अपनी शुरुआत से लेकर आज तक लोगों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। रेडियो की सेवाओं का समाज कल्याण में ऐतिहासिक योगदान रहा है। भारत में रेडियो की शुरुआत समाचार प्रसारण से हुई। बाद में, रेडियो पर मनोरंजन के साथ–साथ जीवन के विभिन्न पहलुओं, समाज, संस्कृति, स्वास्थ्य और कृषि आदि को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाने लगे। जिसके फलस्वरूप यह लोगों के लिए जागरूकता से मानव कल्याण का एक सशक्त माध्यम बन गया। मुझे पूरा विश्वास है कि 'इरादा रेडियो' श्रोताओं के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव लेकर आएगा तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होगा। साथ ही श्रोताओं को सही सूचना उपलब्ध करवाने में मील का पत्थर साबित होगा। आपकी आवाज़ हर घर में गूँजे और सबका दिल जीते।इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बी. वी. रमन्ना रेड्डी–निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र, धर्मवीर मिर्जापुर–चैयरमैन पशुधन विकास बोर्ड, धुमन सिंह किरमच–उपाध्यक्ष सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड, स्वामी हरिओम दास–संचालक, वात्सल्य वाटिका स्कूल और डॉक्टर ए. आर. चौधरी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने भी अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्था के सचिव राजपाल पांचाल ने बताया कि कार्यक्रम में डॉ. कृष्ण कुमार, वीरेंद्र कश्यप, अर्चना, नीलम, अरविंद, सुनीता सैनी आदि का योगदान महत्वपूर्ण रहा। इसके अलावा, कार्यक्रम में विज्ञान संचालक दर्शन लाल बवेजा, रण सिंह, समाजसेवी साहब सिंह खंडवा, खिलाड़ी सोनिया तथा प्रगतिशील किसान युधिष्ठिर कुमार को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित शख्सियतों की उपस्थिति में आयोजित किया गया और इसका उद्देश्य समुदाय में जागरूकता बढ़ाना और सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, तीन लोग घायल, कंटेनर और कार में हुई टक्कर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पूरा मामला कांटी थाना क्षेत्र के कांटी एनएच फ्लाईओवर के पास हुई है।

बताया जा रहा है कि तीन वाहनों की आपस में हुई टक्कर के कारण घटना हुई है। इस घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मृतकों में से कोल्हुआ पैगम्बरपुर निवासी रजनीश रंजन की पत्नी की 45 वर्षीय पत्नी नीतू देवी के रूप में किया गया है। वह अपने पति के साथ में शहर की ओर से मोतिहारी की ओर जा रही थी। पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने हेतु मेडिकल कॉलेज में भेजा

है और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मोतिहारी की ओर से तेज रफ्तार की एक कार आ रही थी। इसी दौरान बाइक सवार को बचाने के चक्कर में मुजफ्फरपुर से आ रही ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर के बाद कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, कार में कुल चार लोग सवार थे, जिसमें एक की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि तीन घायल बताए गए हैं।

वहीं, इस दौरान शहर की ओर से बाइक से जा रही एक दंपती की कार की इस हादसे में शिकार हो गई, जिसमें बाइक पर पीछे बैठी महिला की मौत हो गई है। जबकि बाइक सवार गंभीर हो गए।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई है। इस घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है और घायलों को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया है और मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा है।

पूरे मामले में कांटी थाने के प्रभारी रामनाथ प्रसाद ने बताया, ट्रक और कार में टक्कर हुई। इसी दौरान पीछे से आ रही बाइक ने कार में टक्कर मारी, जिस कारण दो लोगों की मौत हुई है। मृतकों में एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं।

दो अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मौके से क्षतिग्रस्त कार को हटा दिया गया है। कुछ समय के लिए हाइवे जाम हो गया था। कांटी थाना क्षेत्र के फ्लाईओवर के पास की घटना है। मृतकों में महिला की पहचान कर ली गई है। पुरुष की पहचान की जा रही है। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएस मेडिकल कॉलेज भेजा है।

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप

सरकारी खजाने को लूट रहे सत्ता में बैठे लोग

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष व राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। राजद कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा किसत्ता में बैठे लोग समझ चुके हैं कि वह फिर से सरकार में नहीं आएंगे और इसलिए वह सरकारी खजाने को लूट रहे हैं। एनडीए सरकार में संगठित भ्रष्टाचार सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। जनता घूसखोरी और दलाली से त्रस्त हो चुकी है।

तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार के महिला संवाद अभियान पर भी सवाल उठा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता दल यूनाईटेड बिहार सरकार के पैसों से चुनाव प्रचार कर रही है। तेजस्वी ने दावा किया कि महिला

संवाद के नाम पर राज्य में बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है। 225 करोड़ रुपये में प्रचार के लिए 600 चुनावी रथ मंगवाए गए हैं। ठेकेदार के जरिए मंत्री को 30 फीसदी कमीशन दिया जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के खर्च के लिए कई टेंडर निकाले जा रहे हैं। यानी अब यह लोग चुनाव का खर्च भी जनता से ही निकाल रहे हैं। यहां के बिहार के ठेकेदारों को कोई टेंडर नहीं दिया जा रहा है। ग्लोबल टेंडर के जरिए इनसे पैसा वसूला जा रहा है। सरकार बाहरी लोगों को टेंडर दे रही है। वह ऐसा जल्दबाजी में कमीशन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। यह अत्यंत ही गंभीर मुद्दा है।

हाईवे किनारे पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार, तीन युवकों की मौत, दो गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

जमुई जिले के लछुआड़ थाना क्षेत्र के सिकंदरा-नवादा मुख्य मार्ग के महान गांव पास भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई।

शनिवार अहले सुबह पांच युवक नवादा जिले से बारात से लौट रहे थे। हाईवे पर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि चालक व एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने स्थनीय लोगों की मदद से दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अलीगंज पीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने प्रारंभिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया।

मरने वालों में तीनों टाउन थाना क्षेत्र के सिरचंद नवादा निवासी बाबू गुप्ता, रिशु सिन्हा, और विक्रम कुमार शामिल थे। वहीं चालक टाउन थाना क्षेत्र के ही अमरथ निवासी रोहित कुमार जो गंभीर रूप से घायल है। उसे तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमुई रेफरल अस्पताल भेजा गया है।

लोगों का कहना है कि सभी लोग कार से नवादा से लौट रहे थे। लछुआड़ थाना क्षेत्र के सिकंदरा नवादा मुख्य मार्ग के महान गांव के समीप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। लोगों का कहना है कि कार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी, इसी कारण वह अनियंत्रित हो गई।

हादसा इतना जबरदस्त था कि कार का शीशा तोड़ते हुए कार तीन लोग बाहर फेंका गए। वहीं दो लोग अंदर ही फंस गए। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दलित युवक की चाकू से गोदकर हत्या, दूसरे भाई पर भी किया वार, गांव में तनाव का माहौल

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले में कटेया थाना क्षेत्र के मुजहा गांव में विशेष समुदाय के युवकों के समूह ने एक दलित युवक की हत्या कर दी है। इस घटना के बाद से ही गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

वहीं, चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल मृतक के भाई को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज से मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया है।

पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। गांव में तनाव की स्थिति को

देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। वहीं, पीड़ित परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि 30-40 लोगों की मौजूदगी में दोनों भाइयों को चाकू मारा गया। साजिश के तहत पूरी प्लानिंग के साथ घटना को अंजाम दिया गया।

बता दें कि गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र में शादी समारोह में जा रहे दो भाइयों की चाकू मारकर जख्मी कर दी गयी। एक भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दूसरा भाई गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया गया। घटना कटेया थाना क्षेत्र के मुजहा गांव की है। मृतक युवक का नाम सिकंदर गोंड है।

घटना के बाद से इलाके में तनाव बढ़ गया है। बताया जाता है कि सिकंदर गोंड और धर्मेंद्र गोंड दोनों भाई बिगू पटेल के घर आई बारात में शामिल होने के लिए जा रहे थे। रास्ते में दोनों भाइयों को टाइगर अंसारी, शम्भू अंसारी, रफीक अंसारी, शालीमार अंसारी ने घेर लिया और मारपीट करने के बाद चाकू से हमला कर दिया। चाकू मारने के बाद दोनों को मारा समझकर फरार हो गए।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लेकर गयी, जहां सिकंदर गोंड की मौत हो गयी, जबकि धर्मेंद्र गोंड को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। चश्मदीद मृतक के भाई ने कहा कि पूर्व से बात-विवाद को लेकर इन युवकों से झगड़ा चल रहा था। साजिश के तहत रास्ते में घेरकर घटना को अंजाम दिया गया।

पिता ने मासूम बेटी को कुदाल से काटकर मार डाला, पत्नी पर भी किया हमला

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा के श्रीनगर थाना क्षेत्र के पुरैनी पंचायत के सरहदगति वार्ड चार में शुक्रवार शाम एक पिता ने अपनी 18 माह की बेटी की कुदाल से काटकर हत्या कर दी। वारदात के समय उसने पत्नी पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह जान बचाकर भाग निकली। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। प्रमोद ने बेटी सेजल कुमारी के गर्दन पर कुदाल से वार किया। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी पर हमला करने के लिए उसने कुदाल फेंकी, जिससे

उसे हल्की चोटें आईं।

गांववालों और परिजनों के अनुसार प्रमोद दो महीने से मानसिक रूप से अस्वस्थ है। वह अक्सर पत्नी और परिवारवालों से झगड़ा करता था। गांव के लोग भी उससे डरते थे। इस कारण परिवार के लोग उसे जंजीर से बांधकर रखते थे। इलाज के बाद हालत में सुधार होने पर पिछले 15 दिनों से उसे जंजीर में नहीं बांधा जाता था। गुरुवार से फिर उसकी हालत बिगड़ने लगी और वह घर में मारपीट शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष राघवेन्द्र नारायण पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

इसी दौरान गांव के एक व्यक्ति ने प्रमोद को भागते देखा और पुलिस को खबर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे सरहदगति गांव से ही गिरफ्तार कर लिया। मृत बच्ची के दादा सुरेंद्र राम ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। सभी अलग-अलग रहते हैं और मजदूरी करते हैं।

उन्होंने बताया कि प्रमोद की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। डेढ़ महीने से उसका इलाज से चल रहा है। प्रमोद की शादी 2020 में हुई थी। उसकी दो बेटियां थीं। बड़ी बेटी तीन साल की है। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा है। बच्ची की मां बेसुध है। गांव में मातम पसरा है। लोग इस घटना से स्तब्ध हैं। थाना अध्यक्ष राघवेंद्र नारायण ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मछुआरों की जाल में मछली की जगह फंसा शव

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर जिले में मोहनिया थाना क्षेत्र के बम्होर गांव के समीप नदी में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। मामले में स्थानीय लोग हत्या कर शव को फेंके जाने की आशंका जता रहे हैं। मृतक की पहचान रामगढ़ थाना अंतर्गत भेड़हरिया गांव निवासी स्वर्गीय भरत सिंह के 24 वर्षीय पुत्र विश्वजीत सिंह के रूप में हुई है।

बता दें कि मछली मारने के लिए मछुआरे दुर्गावती नदी में जाल लगाए हुए थे। शनिवार अहले सुबह जब पहुंचे तो जैसे ही जाल खींचा, दूसरे छोर पर जाल में फंसा हुआ एक व्यक्ति का शव जाल के साथ दूसरी छोर पर चला आया, इसके बाद आनन-फानन में इसकी सूचना डायल 112 को दी गई।

मौके पर उपस्थित धनंजय सिंह कैमूर पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कैमूर पुलिस के आलाधिकारी एसी में बैठकर आराम से हैं, अभी तक कोई सहानुभूति नहीं है। इस घटना के प्रति दुर्गावती नदी के एक छोर पर रामगढ़ थाना का क्षेत्र है। जबकि दूसरे छोर पर मोहनिया थाना क्षेत्र है।

रामगढ़ थाना अंतर्गत नदी के छोर पर हत्या कर फेंका गया है। मछुआरे ने जो जाल लगाया था, शव इधर आ गया। अब ये नहीं समझ में आ रहा है कि उधर नेपाल है, इधर बिहार है क्या? मामला रामगढ़ थाने का है, लेकिन रामगढ़ थानाध्यक्ष सूचना के बाद आए तक नहीं।

मौके पर पहुंचे रामगढ़ भाजपा विधायक अशोक सिंह ने कहा कि घटना के संबंध में वरीय अधिकारियों से भी मैंने बात की है। इसकी गहन छानबीन होगी। मामला क्या है, इसका किसी भी कीमत पर उद्वेदन होना चाहिए। मोहनिया एसडीपीओ प्रदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि दुर्गावती नदी में मोहनिया थाना अंतर्गत पाण्डेय बम्हौर में एक अज्ञात डेड बॉडी मिली थी, जिसके सत्यापन के लिए प्रभारी थाना अध्यक्ष मोहनिया को भेजा गया।

इसके बाद पता चला कि यह डेड बॉडी विश्वजीत सिंह रामगढ़ थाना के भेड़हरिया के रहने वाले थे। पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज रहे हैं। पोस्टमॉर्टम के पश्चात ही मालूम होगा कि इसमें क्या हुआ है, यहां पानी गहरा है। डूबने का मामला प्रतीत होता है, जब तक मेडिकल रिपोर्ट नहीं आ जाती, इसमें आगे कुछ नहीं कहा जा सकता।

सड़क हादसे में बारात जा रहे दो युवकों की मौत, एक की हालत गंभीर

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान में सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। वहीं एक की हालत गंभीर है। घटना गोरियाकोठी थाना क्षेत्र के ब्रह्मस्थान गांव के समीप की है। शुक्रवार देर रात गोरियाकोठी थाना क्षेत्र के सिसई गांव से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक बारात में शामिल होने के लिए गोपालगंज जिले के बढ़ेया जा रहे थे। ब्रह्मस्थान गांव के समीप बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इसमें दो युवकों ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद

इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

इधर, मौके पर पहुंची डायल 112 की पुलिस ने तीनों युवकों को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। यहां दो युवकों को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं एक युवक को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान गोरियाकोठी थाना क्षेत्र के सिसई गांव निवासी सुदामा प्रसाद के 30 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार और धर्मेंद्र शर्मा के 28 वर्षीय पुत्र मनमोहन शर्मा के रूप में हुई है। वही घायल की पहचान ओम प्रकाश प्रसाद के 25 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई है।

मनमोहन के परिजनों ने बताया कि एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीनो युवक गोपालगंज जिले के बढ़ेया गांव में एक बारात में शामिल होने के घर से निकले तथा आधे घंटे के बाद फोन आया कि सड़क हादसा हो गया है। इसके बाद हमलोग सदर अस्पताल पहुंचे, जहां देखे कि बेटे की मौत हो गई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com